{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 26
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	~	83,467.66
निफ्टी	~	25,585.30
सोना	~	1,29,440
चांदी	~	1,89,000
डॉलर	~	88.01

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया

भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा, पीएम मोदी ने भरोसा दिया

राहुल गांधी बोले - प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति से डर गए

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी लेकिन आज उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे भरोसा दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। दरअसल, अमेरिका अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है।

वहीं, ट्रम्प के इस दावे के बाद भारत में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पीएम पर 5 आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीएम मोदी डर गए हैं। बार-बार अनदेखी होने के बाद भी ट्रम्प को बधाई संदेश भेजते रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी। खुद मिस्र के शर्म अल-शेख समिट में शामिल नहीं हुए। ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रम्प के बयानों का विरोध भी नहीं करते हैं।

तेल आपूर्ति भारत के लिए फायदेमंद

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने ट्रम्प के भारत को लेकर किए गए दावे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत को रूसी तेल की आपूर्ति के मामले में निरंतर सहयोग चल रहा है। मुझे लगता है कि हम भारत के साथ इस क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक भारत और अमेरिका के संबंधों का सवाल है, हम उनमें हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह भारत और अमेरिका के बीच का मामला है। भारत का हमारे साथ द्विपक्षीय संबंध है। डेनिस अलीपोव ने यह भी कहा कि रूस की तेल आपूर्ति भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय लोगों के बहुत फायदेमंद है।

ट्रम्प बोले- मोदी मुझसे प्यार करते हैं

ट्रम्प ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यह भी कहा कि, हाल में भारत में अमेरिकी राजदूत बनने जा रहे सर्जियो गोर और पीएम मोदी की मुलाकात हुई थी। इस मीटिंग के बाद सर्जियो ने मुझे बताया कि, वे (मोदी) ट्रम्प से प्यार करते हैं, हालांकि मैं चाहूंगा कि यहां प्यार शब्द का गलत मतलब न निकालें, मैं किसी का पॉलिटिकल करियर खराब नहीं करना चाहता। मैंने सालों से भारत को देखा है, वहां हर साल सरकार बदल जाती है। मेरे दोस्त (मोदी) लंबे समय से वहां पर हैं। उन्होंने भरोसा दिया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि वे इसे तुरंत रोक नहीं सकते, लेकिन इसका एक प्रोसेस है जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।

जनता के हित में फैसले लेते- भारत

ट्रम्प के दावे पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तेल और गैस का बड़ा खरीदार है। जनता के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां इसी मकसद को पूरा करती हैं। ऊर्जा नीति के दो लक्ष्य हैं, पहला स्थिर कीमतें तय करना और दूसरा सुरक्षित आपूर्ति बनाए रखना। जायसवाल ने आगे कहा कि इसके लिए हम ऊर्जा स्रोतों को व्यापक बनाते हैं और बाजार स्थितियों के अनुसार विविधता लाते हैं। जहां तक अमेरिका का सवाल है, हम कई सालों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इस पर चर्चाएं जारी हैं।

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव बनाना

अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रम्प कई बार यह दावा कर चुके हैं कि, भारत के तेल खरीद से मिलने वाले पैसे से रूस, यूक्रेन में जंग को बढ़ावा देता है। ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगा चुके हैं। इसमें 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत पैनल्टी है। रेसिप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से और पेनल्टी 27 अगस्त से लागू हुआ। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिना लेविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो सके।

खास खबर

जाति जनगणना में शामिल नहीं होंगी सुधा मूर्ति

बेंगलुरु। इंफोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने कर्नाटक में चल रहे सामाजिक और शैक्षणिक सर्वे यानी जाति जनगणना में भाग लेने से इनकार कर दिया है। कुछ दिन सर्वे करने वाले लोग उनके घर गए थे, तो उन्होंने कहा कि हम अपने घर पर सर्वेक्षण नहीं करवाना चाहते है। सुधा मूर्ति ने सर्वे फॉर्म में जानकारी भरने से इनकार करते हुए एक घोषणापत्र पर साइन किए हैं। इसमें उन्होंने लिखा- हम किसी भी पिछड़े समुदाय से नहीं हैं। इसलिए, उन समुदायों के लिए कराए जा रहे सरकार के सर्वे में भाग नहीं लेंगे।

स्कॉर्पियो में जिंदा जले 4 दोस्त

जयपुर। बालोतरा में ट्रेलर-स्कॉर्पियो की भिड़ंत के बाद कार में आग लग गई। हादसे में कार सवार 5 दोस्तों में से 4 की जलने से मौत हो गई। वहीं, एक युवक गंभीर घायल है। हादसा सिणधरी थाना के सड़ा गांव में मेगा हाईवे पर रात करीब 1.30 बजे हुआ। हादसे के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस के अनुसार गुड़ामालानी (बाड़मेर) डाबड़ निवासी 5 युवक काम से सिणधरी गए थे। वहां से रात को 12 बजे बाद वापस अपने घर की तरफ आ रहे थे। घर से करीब 30 किलोमीटर पहले मेगा हाईवे पर सामने से आ रहे ट्रेलर से स्कॉर्पियो की भिड़ंत हो गई।

पंजाब में डीआईजी हरचरण भुल्लर 5 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में सीबीआई ने 5 लाख रुपए रिश्वत लेते रोपड़ डीआईजी हरचरण भुल्लर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। हरचरण भुल्लर की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने अधिकारी के घर और ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। जहां से करोड़ों रुपए कैश मिले हैं। सीबीआई ने गुरुवार को पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरचरण सिंह भुल्लर को करप्शन से जुड़े एक मामले में मोहाली स्थित उनके कार्यालय से गिरफ्तार किया। 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी भुल्लर डीआईजी (रोपड़ रेंज) के पद पर कार्यरत हैं। रोपड़ रेंज में मोहाली, रूपनगर और फतेहगढ़ साहिब जिले शामिल हैं।

एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। चंडीगढ़ की कंपनी स्काई डिजिटल को भी दोषी माना गया है। अदालत ने मामले का संज्ञान लिया है और जल्द ही दोनों आरोपियों को तलब करने का फैसला किया है। फाजिलपुरिया के गाने 32 बीर से लगभग 52 लाख रुपये की कमाई का खुलासा हुआ है।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता...दो दिन में 258 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, अमित शाह बोले

अबूझमाड़ हुआ नक्सल मुक्त

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित अबूझमाड़ के पहाड़ी जंगल इलाके को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। यह बड़ी घोषणा उस वक्त की गई जब 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। शाह ने इन सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने हिंसा छोड़कर भारत के संविधान में भरोसा जताया है, यह एक साहसिक और सराहनीय कदम है।

इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज छत्तीसगढ़ में 170, कल 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। दो दिन में कुल 258 कट्टर नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है। शाह ने कहा कि यह दिखाता है कि मोदी सरकार की रणनीति से नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। सरकार के अनुसार, यह घटनाएं देश में वामपंथी उग्रवाद के अंत की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती हैं।

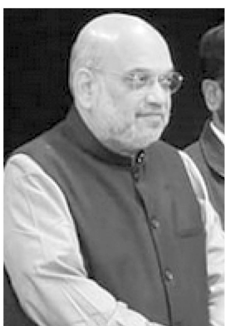

अबूझमाड़ और नॉर्थ बस्तर नक्सल मुक्त घोषित

अमित शाह ने बताया कि कभी नक्सली आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर को अब पूरी तरह नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब केवल दक्षिण बस्तर के कुछ इलाकों में ही नक्सली बचे हैं, जिन्हें भी जल्द समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कह कि हमारी नीति स्पष्ट है, जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे उनका स्वागत है, लेकिन जो हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

भाजपा सरकार के आने के बाद तेजी

अमित शाह ने यह भी बताया कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 गिरफ्तार किए गए हैं और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है उन्होंने कहा कि यह सब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के संकल्प की दिशा में एक ठोस कदम है। शाह ने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा छोड़ें, हथियार डालें और मुख्यधारा में लौटकर देश की प्रगति में भागीदार बनें।

तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण पर रोक का फैसला बरकरार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य सरकार ने ओबीसी वर्ग को स्थानीय निकाय चुनाव में 42 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की थी। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार के इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के अंतरिम फैसले के खिलाफ तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट से भी उसे निराशा हाथ लगी है और सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की विशेष याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय को मेरिट के आधार पर फैसला करना चाहिए और उसे राज्य सरकार की याचिका खारिज होने से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि चुनाव अधिसूचना से पहले आरक्षण क्यों नहीं लाया गया? इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि राज्यपाल ने बिना अनुमति दिए विधेयक को लंबित रखा था। सिंघवी ने कहा कि तमिलनाडु राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद, विधेयक को मान्य अनुमति के आधार पर कानून बना। उन्होंने आगे कहा कि कानून को कोई चुनौती दिए बिना ही स्थगन प्राप्त कर लिया गया है।

अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गिरफ्तारी, मुंबई में बुजुर्ग दंपति से 58 करोड़ रुपये की ठगी

मुंबई,एजेंसी। पिछले कुछ महीनों से डिजिटल गिरफ्तारियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऑनलाइन जानकारी के अभाव में नागरिक इसके शिकार हो जाते हैं। सोशल मीडिया के जरिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती, इसलिए नागरिकों को ऐसे फर्जी कॉल या वीडियो मिलने पर सीधे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इस बीच मुंबई में एक बुजुर्ग दंपति से डिजिटल गिरफ्तारी के चलते 58 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। शेयर कारोबार से जुड़े 72 वर्षीय एक कारोबारी और उनके पति के साथ आर्थिक धोखाधड़ी की गई। इसे अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गिरफ्तारी बताया जा रहा है। जालसाजों ने खुद को ईडी और सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें विश्वास दिलाया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच चल रही है। इसके बाद आरोपियों ने दंपति से दो महीने के अंदर अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। आरोपियों के विभिन्न खातों में 25 लाख रुपये जमा किए जा रहे थे। पीड़ित कारोबारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने उनसे पहली बार 19 अगस्त को संपर्क किया था। उस समय आरोपियों ने अपना नाम सुब्रमण्यम और करण शर्मा बताया था। वे अलग-अलग नंबरों से कॉल कर रहे थे। इसके अलावा, वे व्हाट्सएप पर भी कॉल कर रहे थे। वे खुद को सीबीआई और ईडी का अधिकारी बता रहे थे। इसके अलावा, वे दंपति को डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी भी दे रहे थे। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच का हवाला देते हुए, उन्होंने बुजुर्ग दंपति को जांच के लिए पैसे दो, वरना हम तुम्हें गिरफ्तार कर लेंगे की धमकी दी। दो महीने की अवधि में, उन्होंने उनसे विभिन्न बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए। आरोपियों ने 18 अलग-अलग खातों में पैसे लिए, जिनमें से प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 25 लाख रुपये जमा किए गए। पुलिस उन खातों की पहचान करने में जुटी है जिनमें यह पैसा जमा किया गया था। 19 अगस्त से 8 अक्टूबर, 2025 के बीच, दंपति ने आरोपियों द्वारा दिए गए कई बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से कुल 58.13 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इस बीच, साइबर पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की संपत्तियां नीलाम होंगी

मुंबई,एजेंसी। 90 के दशक में भारत से फरार हुआ 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों में शामिल रहे अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की जब्त संपत्तियां नीलाम की जाएंगी। बताया जा रहा है कि ये संपत्तियां आम नागरिक भी खरीद सकेंगे। दाऊद की संपत्तियां खरीदने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को नीलामी में भाग लेना होगा और ऊंची बोली लगानी होगी। संपत्ति सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को बेची जाएगी। ज्ञात हो कि दाऊद की चार संपत्तियों की नीलामी जनवरी 2024 में हुई थी। इनमें महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तालुका के मुंबाके गांव में दो प्लॉट शामिल थे। इनमें से एक 1730 वर्ग मीटर का और दूसरा 171 वर्ग मीटर का प्लॉट था। इन दोनों प्लॉटों के लिए 1.56 लाख रुपये आरक्षित मूल्य रखा गया था। दिल्ली के वकील अजय श्रीवास्तव ने 1730 वर्ग मीटर वाले प्लॉट के लिए 3.28 लाख रुपये और 71 वर्ग मीटर वाले प्लॉट के लिए 2.01 करोड़ रुपये की बोली लगाई। बाकी दो संपत्तियों के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। बाद में, श्रीवास्तव ने केवल 1730 वर्ग मीटर के भूखंड के लिए ही राशि जमा की। इसके परिणामस्वरूप, अब नवंबर 2025 में, मुंबाके गाँव में तीन संपत्तियाँ, 171 वर्ग मीटर का भूखंड, 10,420.5 वर्ग मीटर का भूखंड और 8,953 वर्ग मीटर का भूखंड, जिनकी बोली नहीं लगी थी, और 2,240 वर्ग मीटर कृषि भूमि, बिक्री के लिए रखी गई हैं।

बिहार चुनाव से पहले एसआईआर पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट...

नाम हटाने के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के बहुचर्चित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से उत्पन्न कानूनी मुद्दों पर सुनवाई के लिए 4 नवंबर की तारीख मुकर्रर की है। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत तैयार अंतिम मतदाता सूची में किसी भी मतदाता का नाम हटाने के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि एक जिम्मेदार संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते, चुनाव आयोग से अपेक्षा होती है कि वह बिहार मतदाता सूची में मुद्रण संबंधी त्रुटियों और अन्य गलतियों की जाँच कर उन्हें दूर करे। शीर्ष

अदालत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आगामी चुनावों से पहले, आयोग मतदाता सूची की सटीकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए जरुरी उपाय करेगा। इसके पहले की सुनवाई में, अदालत ने चुनाव आयोग को एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए 3.66 लाख मतदाताओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नए जोड़े गए अधिकतर नाम पहली बार मतदाता बने लोगों के हैं और जिनके नाम हटाए गए थे, उसमें से किसी ने भी अब तक कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची से पता चला है कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद बिहार में मतदाताओं की कुल संख्या करीब 47 लाख घटकर 7.89 करोड़ से 7.42 करोड़ हो गई। हालाँकि, अंतिम आंकड़े 1 अगस्त को जारी मसौदा सूची से 17.87 लाख मतदाताओं की वृद्धि दिखाते हैं, जिसमें मृत्यु, प्रवास या दोहराव के कारण 65 लाख नाम हटाए गए थे।

कुछ ना कहना

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा, आज 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ

नई कैबिनेट में नए चेहरों पर फोकस, दो डिप्टी सीएम

गांधीनगर। गुजरात सरकार के सभी 16 मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया है। सीएम भूपेंद्र पटेल कुछ देर में राज्यपाल को मंत्रियों का इस्तीफा सौंपेंगे। शुक्रवार को गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह होगा। नई कैबिनेट में 2 डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। मंत्रिमंडल में नए चेहरों को मौका मिलने की उम्मीद है। कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक भी मंत्री बन सकते हैं।

गुजरात की मौजूदा कैबिनेट में सीएम पटेल समेत 17 मंत्री थे, जिसमें आठ कैबिनेट रैंक के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री हैं। गुजरात विधानसभा में 182 विधायक हैं। इस लिहाज से गुजरात सरकार में सीएम समेत 27 मंत्री हो सकते हैं। जिन विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिलनी है, उन्हें फोन कर सूचना दे दी गई है। शपथ समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा उपस्थित रहेंगे।

7 से 10 मंत्री किए जा सकते हैं बाहर

जानकारी के अनुसार, मौजूदा 16 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को अब बढ़ाकर 25 से 26 सदस्यों का बनाया जाएगा। करीब 7 से 10 मंत्री वर्तमान टीम से बाहर किए जा सकते हैं। पार्टी संगठन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि नए मंत्रिमंडल में जातीय संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का पूरा ध्यान रखा जाएगा। बीजेपी की रणनीति के मुताबिक, नए चेहरों में युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन रखा जाएगा। संगठन से जुड़े खांटी विधायकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

याचिका खारिज कर क्यों सीजेआई ने कहा, हर चीज के लिए हमारे पास मत आइए, जाइए सरकार से गुहार लगाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी आर गवई ने याचिकाकर्ता से कहा कि हर चीज के लिए हमारे पास मत आइए, जाइए इसके लिए, सरकार से गुहार लगाइए, संविधान के अन्य अंग भी काम कर रहे हैं। हर बात के लिए आप अदालत नहीं आ सकते।

दरअसल उन्होंने यह टिप्पणी उस याचिका को लेकर दी, जिसमें सरकारी और निजी बसों में अत्यधिक भीड़भाड़ (ओवरलोडिंग) पर रोक लगाने और भीड़ नियंत्रण के लिए, दिशा-निर्देश जारी करने की मांग से संबंधित थी। सीजेआई गवई ने स्पष्ट किया कि सरकार के कई अंग हैं जो इस तरह की व्यवस्था देखते हैं। उनका मानना था कि यह मुद्दा सरकार के समक्ष उठाया जाना चाहिए। उन्होंने याचिकाकर्ता को दो टूक कहा कि संविधान के अन्य अंग भी काम कर रहे हैं और उन्हें इस विषय को उठाने के लिए सरकार से संपर्क करना चाहिए, न कि हर बात के लिए अदालत आना चाहिए।

सीजेआई गवई का आशय यह था कि अदालत को प्रशासनिक और नीतिगत मामलों में दखल नहीं देना चाहिए, जिनके लिए सरकार के पास पहले से ही तंत्र और विभाग मौजूद हैं।

याचिकाकर्ता का मकसद क्या?

बता दें कि देश में त्यौहारी सीजन में बसों और ट्रेनों में निर्धारित क्षमता और संख्या से बहुत ज्यादा यात्री सफर करते हैं। बसों में 16 से 18 टन वजन ढोने की क्षमता होती है, लेकिन इस सीमा से ज्यादा भार ढोया जा रहा है। कई बार बस की छतों पर ज्यादा सामान रखे जाने से भी बसें अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होती हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि हुई हैं कि बस की ओवरलोडिंग के चलते हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है।

पेज 12 का शेष...

तालाब बांधता है धरम सुभाव

तालाबों के सन्दर्भ में यह तथ्य सर्व ज्ञात है कि जो समाज को जीवन दे, उसे निर्जीव कैसे माना जा सकता है? तालाबों में, जलस्रोतों में जीवन माना गया है और समाज ने उनके चारों ओर अपने जीवन को रचा है । बालाघाट नामक कस्बा का भी यही हाल था.इस तालाब ने शहर की प्रकृति को बेहतरी से रचा भी है।

इस तालाब के निर्माण के पीछे शायद यह भाव रही हो कि लोक धरम सुभाव से जुड़ जाता है। प्रसंग सुख का हो तो तालाब बन जाएगा। प्रसंग दुख का भी हो तो तालाब बन जाएगा। हर परिवार अपने दुखद प्रसंग को समाज के सुख के लिए तालाब से जोड़ देता था।

जब पूरे समाज पर दुख आता, अकाल पड़ता तब भी तालाब बनाने का काम होता। लोगों को तात्कालिक राहत मिलती और पानी का इंतज़ाम होने से बाद में फिर कभी आ सकने वाले इस दुख को सह सकने की शक्ति समाज में बनती थी। अकाल के समय ऐसे तालाब पहले बहुत अनिवार्य होते थे.सन 1903 से 1905 के भयंकर अकाल के समय भी मोती तालाब ने शहर के बाशिंदों के लिए किसी देन से कम नहीं लगा।

तालाबों का चरित्र और जन समाज

तालाब में पानी आता है, पानी जाता है। इस आवक-जावक का पूरे तालाब पर असर पड़ता है। वर्षा की तेज़ बूंदों से आगौर की मिट्टी धुलती है तो आगर में मिट्टी घुलती है। पाल की मिट्टी कटती है तो आगर में मिट्टी भरती है।

अतिक्रमण और लाभ कमाने की लिप्सा के चलते तालाब के स्वरूप के बिगड़ने का यह खेल नियमित चलता रहता है। इसलिए तालाब बनाने वाले लोग, तालाब बनाने वाला समाज तालाब के स्वरूप को बिगड़ने से बचाने का खेल भी उतने ही नियमपूर्वक खेलता रहा है। जो तालाब देखते ही देखते पिछले पचास सौ बरस में नष्ट कर दिए गए हैं, उन तालाबों ने नियम से खेले गए खेलों के कारण ही कुछ सैंकड़ों बरसों तक समाज का खेल ठीक से चलाया था। मोती तालाब के अस्तित्व के साथ भी यही हुआ है।

ग्रंथों में दर्ज है कि पहली बार पानी भरा नहीं कि तालाब की रखवाली का, रख रखाव का काम शुरु हो जाता था। यह आसान नहीं था। पर समाज को देश के इस कोने से उस कोने तक हज़ारों तालाबों को ठीक ठाक बनाए रखना था, इसलिए उसने इस कठिन काम को हर जगह इतना व्यवस्थित बना लिया था कि यह सब बिलकुल सहज ढंग से होता रहता था।

तालाबों के जानकार बताते हैं कि पहले के दौर में यह प्रचलित था कि तालाब में कदम रखा नहीं कि रख रखाव का पहला काम देखने को मिल जाएगा। देश के कई क्षेत्रों में तालाब प्रारंभ होते ही उसकी सूचना देने के लिए पत्थर के सुंदर स्तंभ लगे मिलते हैं। स्तंभ को देखकर समझ लें कि अब आप तालाब के पास में खड़े हैं, यहीं से पानी तालाब में भरेगा। इसलिए इस जगह को साफ-सुथरा रखना है। जूते आदि पहन कर नहीं आना है, दिशा मैदान आदि की बात दूर, यहां थूकना तक मना रहा है।

संकुचित हो गया है बालाघाट का अस्तित्व बांधता तालाब

इस तरह मोती तालाब का किया जा रहा उपेक्षा के अनुपात में ही पानी का संकट बढ़ता जा है और नागरिक समाज अब चिंतित भी नहीं हो रहा है।

गौरतलब है कि उस समय इस बहु विस्तारित 52 एकड़ का तालाब महज लगभग 5 हजार की आबादी के स्वच्छ निस्तार तथा शहर के बुजुर्गों और अन्य नागरिकों की तफरीह के लिए अंग्रेजों ने दान में मिले 52 एकड़ का विशालकाय तालाब का निर्माण करवाया था जो चारों तरफ से प्राकृतिक छटा और हरितिमा और पक्षियों के सह? आवास के अलावा. नगर की धर्म पारंगत महिलाओं के विविध पूजन और विसर्जन का भी केंद्र हुआ करता था।

शहर के बुजुर्ग बताते हैं कि यह तालाब औरस चौरस विस्तार में फैला हुआ था. लेकिन अब इसके दायरे के भीतर ही कई तरह की कालोनियां और सरकारी भवन बन चुके हैं। यह सब कृत्य तालाबों के अस्तित्व को मिटाने जैसा भी है।

मालगुजारी का दौर और कस्बा

मोती तालाब निर्माण के दौर में बालाघाट जिला मुख्यालय नहीं बन सका था. तब बुढ़ा गाँव की मालगुजारी एक मुस्लिम मालगुजार के हाथ में थी वहीं दूसरी ओर बूढ़ी गाँव की मालगुजारी एक कलार मालगुजार के हाथों में थी. तब इन दोनों गाँवो के विस्तार में बालाघाट नामक कस्बे के अस्तित्व में आते ही यहाँ पर रेलवे स्टेशन, मेन बाजार, गुजरी चौक, गंज (अनाज बाजार), देवी तालाब, मरारी मोहल्ला, कुम्हार मोहल्ला, घसिया मोहल्ला, मिडिल स्कूल, मस्जिद, मॉरिस लायब्रेरी, टाउन हॉल, सिविल डिस्पेंसरी थे. कुछ अंतराल बाद जेल, पब्लिक ऑफिस और तहसीली अस्तित्व में आये।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता अंकित जैन पिता विजय जैन निवासी मकान ने. एच.आई.जी.-12 वार्ड नं. 23 दीनदयाल पूरम बालाघाट थाना, तह.व जिला बालाघाट के द्वारा विक्रेता गण कं. 1 चित्रा पति श्री राजकुमार खंडेलवाल निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी प्रेमनगर बालाघाट कं. 2 अनुराग प्रिंस पिता संजय नाबालिग वली आजा शांतीलाल भंशाली निवासी श्यामा प्रसाद मुखर्जी कम्पलेक्स तह. व जिला बालाघाट कं. 3 श्रीपाल नाहर पिता श्री लक्ष्मीचंद नाहर निवासी वार्ड नं. 26 प्रेम नगर बालाघाट तह. व जिला बालाघाट 4 गणेश सेलोकर पिता स्व. धरमचंद सेलोकर, कं. 5 दिनेश सेलोकर पिता स्व. धरमचंद सेलोकर क. 4 व 5 निवासी वार्ड नं. 11 कोसमी बालाघाट के द्वारा दिनांक 06/10/2025 को पक्का रजिस्टर्ड बिकी लिखित अनुबंध किया है कि उपरोक्त विकतागण ने केता के साथ अपने मालिकी कब्जे व हक की भूमि कोसमी प.ह.न. 18 रा.नि.म. बालाघाट तह व जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नं. 3/6/2 रकबा 0.259 हे. खसरा नं. 3/5/1 रकबा 0.158 हे., 3/7/1, 5/1ण, 5/1द, 5/1ट, 5/1ठ रकबा 0.074 हे. खसरा नं. 3/4/1 रकबा 0.793 हे. अर्थात 85000 वर्ग फीट क्षेत्रफल लगभग (इसके अलावा 20 फीट की रोड बिक्रेता द्वारा छोड कर दी जावेगी) उपरोक्त सभी विक्रेता गणों के द्वारा केता के साथ अपने पूर्ण होश व हवास में अनुबंध किया है कि उरोक्त भूमि समस्त विवादो से मुक्त है जो कि कहीं पर रहन, गिरवी बय, बक्शीश, दान आदि से नहीं है और न ही किसी अन्य केता को हस्तारित की गई है, या किसी अन्य के साथ ब्रिकी अनुबंध भी नही किया गया है, उपरोक्त भूमि पर विकास कार्य करने के लिये दिनांक 15/10/2025 को गवाहों के समक्ष अधिकार हक सभी विकतागणों के द्वारा केता को सौपा जा चूका है जिसे क्रेता उक्त भूमि में विकास कार्य, प्लाटिंग बूकिंग, विकय कार्य के लिये स्वतंत्र है जिसमें विकतागणों का काई हस्तक्षेप आदि नही है। अत: आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि से हित रखने वाले या शिकायत करने वाले जन मानस केता से एक माह के अन्दर मो. नं. 9425822992 पर या स्वयं मिलकर सम्पर्क करे उपरोक्त भूमि के संबध की निराकरण करे। ताकी समय पर काम आये।

अधिवक्ता
रितेश कुमार सोनवाने
मो. 9893925279
केता
अंकित जैन बालाघाट
9425822992

कांग्रेस उतरी सड़को पर बोली हर गांव में निकालेंगे यात्रा

किसानों के हक के लिये कांग्रेस आंदोलन भाजपा पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप,

बालाघाट विधायक ने रामकिशोर कावरे को संपत्ति का हिसाब देने और मौसम को मर्यादा में रहने की कहानी बात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कांग्रेस द्वारा किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये और गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रूपये दिए जाने को लेकर जिला मुख्यालय में किसान क्रांति यात्रा निकाली गई। यह यात्रा कांग्रेस कार्यालय से शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए कालीपुतली चौक से अंबेडकर चौक पहुंची । यहां कांग्रेस पदाधिकारीयों ने एक सभा का आयोजन किया और मंच के माध्यम से कांग्रेस के विधायक सहित पदाधिकारीयों ने भाजपा सरकार सहित भाजपा के स्थानीय नेताओं को आडे हाथों लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस पदाधिकारीयों ने कहा कि किसानों ने भाजपा सरकार से धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये नहीं मांगा था, जबकि भाजपा ने ही सरकार बनाने के लिये किसानों को समर्थन मूल्य 31 सौं रूपये दिए जाने की बात कही थी, तो अब भाजपा सरकार को अपने किए वादे को पूरा करना चाहिए । बालाघाट विधायक द्वारा पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे और आयोग सदस्य मौसम बिसेन पर कई गंभीर आरोप लगाए कहा कि जिस प्रकार से बीते दिनों भाजपा के पदाधिकारीयों ने उन पर पैसे लिए लिए जाने के विषय को लेकर उनकी छवि धूमिल की गई थी और उनसे उनकी संपत्ति की जानकारी मांगी जा रही थी तो वह भी अब पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन के बनाए गए नये मकान और भाजपा जिला अध्यक्ष की संपत्ति और उनके मकान की जानकारी आम जनता को बताने की मांग कर रही हैं । ऐसे कई गंभीर आरोप बालाघाट विधायक ने भाजपा पदाधिकारीयों पर लगाए । साथ ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके ने किसानों को धान का समर्थन मूल्य दिये जाने को लेकर आगे भी किसान यात्रा निकाले जाने की बात कही।

कांग्रेस द्वारा 16 अक्टूबर को जिला मुख्यालय में किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये , गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रूपये, किसान को फसल की सिंचाई के लिए 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराए जाने, किसानों के ऊपर झूठे बिजली चोरी के प्रकरण को हटाए जाने ,किसानों के सिंचाई पंपों के बिजली बिल माफ किए जाने, खाद बीज और कीटनाशक समय पर उपलब्ध कराए जाने, धान के पंजीयन की डेट बढाई जाने, नकली खाद बीज बेचने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई सहित ऐसे 16 विषय को लेकर कांग्रेस ने जिला मुख्यालय में किसान क्रांति यात्रा का आयोजन किया । किसान क्रांति यात्रा स्थानीय कांग्रेस भवन से निकाली गई ,जो शहर के मेन रोड होते हुए बैलगाड़ी और ट्रैक्टरों के माध्यम से कालीपुतली चौक से अंबेडकर चौक पहुंची ,यहां अंबेडकर चौक में कांग्रेस पदाधिकारीयों ने डॉक्टर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद एक सभा का आयोजन किया, यहां जिले भर के अलग-अलग क्षेत्र से किसान बड़ी संख्या में पहुचे जो किसान क्रांति यात्रा में शामिल हुये । इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारीयों द्वारा बारी-बारी से भाजपा सरकार द्वारा किए गए वादों को याद दिलाते हुए भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए और सरकार को आडे हाथों लेते हुए अपने वादे को पूरा किए जाने की बात कही । जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी उम्मेद लिल्हारे, शफकत खान, श्याम पंजवानी, वारासिवनी विधायक विक्की पटेल, अनूप सिंह ,भुरु पटेल इन सभी ने चुनाव के समय भाजपा द्वारा किसानों से किए गए वादे को पूरा करने की मांग सरकार से की और किसानों को धान और गेहूं का समर्थन मूल्य जल्द से जल्द दिए जाने को लेकर मंच से अपनी बात रखी ।

सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया है - अनुभा

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज प्रदेश में 22 वर्षों से भाजपा की सरकार है, किंतु प्रदेश सहित जिले में आज कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। जिस प्रकार से पुलिस को आम जनता की सुरक्षा करनी चाहिए, किंतु आज जिले में पुलिस ही लुटेरों की तरह कार्य कर रही है । कोतवाली में अभी लाखों रुपए एक पुलिसकर्मी द्वारा गायब कर दिए गए। जिसमें सिर्फ पुलिस द्वारा एक छोटे कर्मचारी पर कार्रवाई की गई , किंतु बड़े अधिकारी और पुलिस अधीक्षक पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि वह चाहती है कि इस मामले में पुलिस के बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई होना चाहिए । अनुभा मुंजारे ने सरकार पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय भाजपा द्वारा घोषणा पत्र बनाते हुए किसानों को धान का समर्थन मूल्य दिए जाने की बात कही गई थी, किंतु आज सरकार अपना ही वादा पूरा नहीं कर पा रही है। जबकि किसानों ने सरकार से 3100 रूपये समर्थन मूल्य नहीं मांगा था, सरकार बने 2 वर्ष पूरे हो चुके हैं , सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया है । अनुभा मुंजारे द्वारा पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन और उनकी बेटी मौसम बिसेन पर भी शब्दों से वार करते हुए कहा कि आज मौसम उन पर आरोप लगाती हैं, जबकि वह उनके बराबर नहीं है ,उनसे बहुत छोटी है और उनके द्वारा बेतुके और अनर्गल आरोप लगाए जाते हैं ,जो कि गलत है जबकि स्वयं पूर्व मंत्री द्वारा कलेक्टर बंगले के सामने की शासकीय जमीन को गलत तरीके से हथियाते हुए अपना घर बनाया गया है और मौसम बिसेन उनके संपत्ति का बेवरा मांग रही है , मौसम बिसेन इतनी बड़ी नहीं हुई है कि वह उन पर आरोप लगा सके , उन्होंने मौसम बिसेन के संस्कारों पर भी सवाल उठाए और कहा कि उन्हें अपनों से बड़ों का सम्मान करना चाहिए , उन्होंने कहा कि आज जो भी वाहन उनके यहां हैं वह सभी फाइनेंस कर नियम अनुसार लिए गए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे को उन्होंने कहा की वह उनके पति कंकर मुंजारे के सामने बहुत छोटे हैं , उनकी स्थिति वह पहले से जानती हैं, श्री कावरे ने गलत तरीके से करोड़ों रुपए कमाये है, जिसका उदाहरण जिले की जनता के सामने है और उनके द्वारा उन पर गलत तरीके से आरोप लगाए जाते हैं, जो की सही नहीं है उन्होंने कहा कि उन्होंने पैसे देकर जिला अध्यक्ष का पद लिया है, जबकि वह जिला अध्यक्ष के पद के लायक भी नहीं है।

हर गांव में किसान यात्रा निकालेंगे - संजय

कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके द्वारा भी मंच से किसानों को धान और गेहूं के समर्थन मूल्य दिए जाने की बात कही गई और बताया गया कि यह तो सिर्फ एक छोटा सा प्रदर्शन करते हुये शहर में किसान क्रांति यात्रा निकाली थी , यदि सरकार किसानों को जल्द ही धान और गेहूं का समर्थन मूल्य नहीं देती ,तो वह जिले के हर गांव में किसान यात्रा निकालेंगे और जल्द ही इसके बाद जिला मुख्यालय में एक बड़ा प्रदर्शन करेंगे । अंत में कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा कुछ लोगों को कांग्रेस के मंच से कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गयी और अंत में बालाघाट तहसीलदार को किसानों की अलग-अलग मांग को लेकर एक ज्ञापन दिया गया।

अंबेझरी गांव के आसपास बाघ की तलाश में जुटा हाथी दल

पेंच से पहुंचा वन्य प्राणी रेस्क्यू स्क्वायड और चिकित्सकों की टीम

पद्मेश न्यूज। कटंगी। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के अंबेझरी गांव के आस-पास के वन क्षेत्र और खेतों में अपनी पैठ बना चुके वन्य प्राणी बाघ का सफल रेस्क्यू करने के लिए पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी से वन्य प्राणी रेक्क्यू स्क्वायड और चिकित्सकों की टीम के साथ 3 हाथियों का दल बुधवार की शाम करीब साढ़े 08 बजे अंबेझरी गांव पहुंचा. हाथी दल के गांव में पहुंचते ही स्थानीय ग्रामीणों ने जय गणेश के जयकारों के साथ हाथी दल का स्वागत किया. गुरुवार की सुबह करीब सवा 07 बजे से हाथी दल ने जंगल में ट्रेकिंग शुरू की लेकिन शाम 05 बजे तक बाघ कहीं दिखाई नहीं दिया. अंबेझरी गांव में उपवन मंडल अधिकारी बी.आर.सिरसाम, आरओ कटंगी बाबूलाल चड़ार, आरओ वारासिवनी छत्रपाल सिंह जादौन, आरओ खैरलांजी दीपचंद वासनिक सहित बड़ी संख्या में वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे. वन विभाग के अलावा पुलिस बल भी गांव में तैनात है ताकि बाघ का रेस्क्यू होते ही बिना किसी व्यवधान के उसे सुरक्षित ले जाया जा सके. गौरतलब हो कि गत माह 04 सितंबर को वन्य प्राणी ने अंबेझरी गांव कक्ष क्रमांक 580 से सटे खेत में 65 वर्षीय वृद्ध किसान सेवकराम पिता राम जी गोपाले पर प्राणघातक हमला कर दिया था जिससे वृद्ध की मौत हो गई थी. इस घटना को अंजाम देने के बाद से लगातार बाघ को खेतों के आस-पास देखा जा रहा है और बाघ आए दिन पालतू मवेशियों के शिकार की घटनाओं को अंजाम दे रहा है. इन घटनाओं से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है और वह खेत जाने से भी कतरा रहे है. जबकि इन घटनाओं के बाद वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की रातों की नींद और दिन का चैन सब उड़ा हुआ है. विभागीय अमला घटना के बाद से अंबेझरी में तंबू तान कर लगातार बाघ की मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है. बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए गए किंतु बाघ को पकड़ने की यह तमाम कोशिशे नाकाम साबित होने पर अब हाथी दल से बाघ का रेस्क्यू करने की कवायद जारी है।

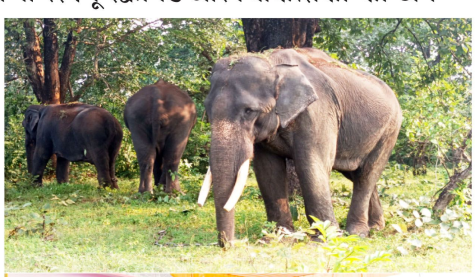

अभी खेतों में धान की कटाई का सिलसिला शुरू होने वाले है. ऐसे में अगर गांव में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना यानी जनहानि होती है तो वन विभाग का गांव में प्रवेश करना मुश्किल हो जाएगा. पूर्व की घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने इसके साफ संकेत दे दिए है. यही कारण है कि वन विभाग लगातार अंबेझरी गांव में मुस्तैद है और अब किसान खेतों में धान कटाई के लिए भयमुक्त होकर जाए इससे पहले बाघ का रेस्क्यू करने की व्यापक तैयारी की गई है. वन विभाग हर हाल में बाघ को पकड़ने की तैयारी में है. बाघ की मूवमेंट पर नजर रखने के लिए पेड़ों पर कैमरे लगाए गए है और आसमान में ड्रोन उड़ाए जा रहे है. हाथी पर सवार होकर चिकित्सक और वनकर्मी जंगल में बाघ की तलाश में घूम रहे है. ग्रामीणों को उम्मीद है कि बाघ का रेस्क्यू कर लिया जाएगा. बता दें कि वन विभाग ने बुधवार की शाम बाघ को पकड़ने के लिए भैंस के बच्चे को बांधा था. जिसका बाघ ने शिकार कर लिया।

गौरतलब हो कि 14 अगस्त 2025 को अंबेझरी में विठ्ठल पिता मारतराव आसटकर उम्र 43 वर्ष पर बाघ ने हमला कर घायल कर दिया था. इस घटना के 20 दिन बाद 04 सितंबर को बाघ ने वृद्ध किसान सेवकराम गोपाले पर हमला कर दिया. जिससे उनकी मौत हो गई. इस घटना के पूर्व कुड़वा में एक किसान को बाघ ने अपना शिकार बनाया. इसके पहले खैरलांजी के किसान को सिलारी की सीमा में वन्य प्राणी बाघ ने मौत के घाट उतारा. कुड़वा में वन विभाग ने बाघ का सफल रेक्स्यु कर बाघ को प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ा. अंबेझरी में वन विभाग का अमला बाघ का रेस्क्यू कर रहा है. गुरुवार की शाम 06 बजे तक बाघ कहीं नजर नहीं आया अब शुक्रवार को फिर से बाघ की तलाश की जाएगी. बाघ के मूवमेंट पर नजर बनाएं रखने के लिए आधुनिक साधनों की मदद ली जा रही है।

सड़क दुर्घटना में दंपति और दो बच्चे घायल

समनापुर रोड भटेरा चौकी के पास हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्रांगत समनापुर रोड ग्राम भटेरा चौकी महर्षि स्कूल के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार खान दंपति एवं उनकी दो बच्चे घायल हो गए। अत्यधिक चोट लगने से घायल जुबेर खान पिता सिकंदर खान 35 वर्ष ग्राम धापेवा ?ा बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दुर्घटना में उनकी पत्नी ईशरत खान पति जुबेर खान 38 वर्ष, बेटा रिहान खान 12 वर्ष और बेटी जिनत खान 9 वर्ष को मामूली चोंटे आई है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे जुबेर खान अपनी पत्नी ईशरत खान और दोनों बच्चे रिहान खान, जिनत खान के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम पांडराबोड़ी गोंदिया जाने निकले थे। धापेवाड़ा से बालाघाट की ओर आते समय भटेरा चौकी महर्षि स्कूल के पास एक मोटरसाइकिल चालक मोटरसाइकिल को आगे पीछे कर रहा था तभी जुबेर खान की मोटरसाइकिल इस मोटरसाइकिल से टकरा गई जिससे जुबेर खान उनकी पत्नी और दोनों बच्चे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। जुबेर खान बेहोश हो चुके थे। चारों घायल को स्कूल की बस से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया दिन में घायल जुबेर खान को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया वहीं की दुर्घटना में उनकी पत्नी और दोनों बच्चों को मामूली छोट आई, जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया जिला अस्पताल पुलिस ने ईशरत खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

मधुमक्खी के हमले में मजदूर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई में मधुमक्खी के हमले में एक मजदूर घायल हो गया ।घायल मजदूर झिगरू पिता भोलाराम उके 50 वर्ष ग्राम गांगलई निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर को 12:00 बजे कन्या शिक्षा परिषर गांगुलई में। झिंगरु ऊके ऑटो से सामान खाली कर रहा था। उसी समय अचानक मधुमक्खी के झुंड ने झिंगरु ऊके पर हमला कर दिया और उसके शरीर को काटने लगी। झिंगरु ऊके ने जैसे तैसे मधुमक्खी से अपने को बचाया। जिसे खुशाल दमाहे ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आकाशवाणी चौक में बनेगा तहसील दफ्तर

15 दिनों में खाली करने का अल्टीमेटम

तहसीलदार ने स्थानीय लोगो को कारण बताओ नोटिस जारी कर मांगा जवाब, स्थानीय लोगों ने विधायक आवास पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
नगर के वार्ड नंबर 23 स्थित आकाशवाणी के बाजू में जल्द ही नया तहसील कार्यालय बनाया जाएगा। जिसके चलते आकाशवाणी से लेकर संत भूरा भगत चौक परिसर स्थित सभी आवासों को हटाकर नया तहसील कार्यालय बनाने की कवायत तेज कर दी गई है।जिसके तहत तहसीलदार बालाघाट द्वारा उक्त परिसर में अतिक्रमण कर मकान बनाकर रहने वाले करीब 50 से 60 लोगों को कारण बताओं नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।जिंसमे उन्होंने जल्द से जल्द उक्त भूमि में किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की बात कही है। उधर तहसीलदार का नोटिस जारी होते ही स्थानीय लोग काफी परेशान है। जिन्होंने तहसीलदार द्वारा जारी किए गए नोटिस का विरोध करते हुए गुरुवार को विधायक अनुभा मुंजारे के आवास पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने उक्त स्थान पर 40- 50 वर्षों से झोपड़ी बनाकर रहने की गुहार लगाते हुए उन्हें उक्त स्थान से न हटाने और उक्त स्थान का जल्द से जल्द पट्टा जारी कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने की गुहार लगाई है।जहां उन्होंने तहसील कार्यालय निर्माण के लिए उन्हें हटाने के पूर्व 2 किलोमीटर परिधि के अंदर मकान बनाने के लिए भूखंड उपलब्ध कराए जाने की भी मांग की है।वही उन्होंने मांग पूरी न होने पर किसी भी कीमत पर उक्त स्थान से न हटाने की बात कहते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उन्हें विस्थापन के लिए दूसरा स्थान नहीं दिया जाता तो वे नहीं हटेंगे। चाहे उनके सरो के ऊपर से बुलडोजर ही क्यों ना चल जाए। जिन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

विस्थापन के लिए नही दे रहे जगह, हम कहां जाएं? स्थानीय वार्डवासियों के अनुसार वे करीब 40- 50 वर्षों से उक्त स्थान पर अपनी झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे हैं। सभी लोग गरीब, मजदूर वर्ग के हैं सुबह काम पर जाते हैं और शाम को घर आकर उसी झोपड़ी में आराम करते हैं। वार्ड वासियों द्वारा पिछले कई वर्षों से स्थाई पट्टे देकर, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की गुहार लगाई जा रही है, लेकिन सरकार ने उनकी मांग पूरी नहीं की और अब तहसीलदार के माध्यम से घर खाली करने का नोटिस थमाया जा रहा है जो कि गलत है। हमें दूसरी जगह मकान बनाने के लिए भूमि भी नहीं दी जा रही है ऐसे में हम अपना घर द्वार छोड़कर कहां जाएंगे। यदि हमें यहां से निकाल दिया गया, तो हम रोड पर आ जाएंगे इसीलिए हम चाहते हैं कि विस्थापन के लिए दूसरी जगह दी जाए और जब तक दूसरी जगह नहीं मिल जाती तब तक हम इस जगह को छोड़कर कहीं और नहीं जाएंगे।

नोटिस में दंडात्मक कार्यवाही की दी गई चेतावनी

तहसील कार्यालय बनाने के लिए आकाशवाणी केंद्र से लेकर संत भूरा भगत चौक तक बने मकानों को खाली करने के जारी किए गए नोटिस में दंडात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है जिसमें इस बात का उल्लेख किया गया है कि आकाशवाणी से लेकर संतपुरा भगत चौक तक राजस्व भूखंड है जिस पर अवैध रूप से कब्जा कर मकानों दुकानों का निर्माण किया गया है जो मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत दंडनीय अपराध है जहां नोटिस जारी कर स्थानीय लोगों से जवाब तलब किया गया है वहीं दीपावली के बाद पेशी में उपस्थित होने को कहा गया है साथ ही नोटिस के अंत में दंडात्मक कार्यवाही की चेतावनी का उल्लेख किया गया है।

15 दिनों के भीतर आवास खाली करने का नोटिस मिला है- वार्डवासी

उक्त मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 23 निवासी महिला गजबी बाई मर्सकोले और तारा मेश्राम ने संयुक्त रूप से बताया कि बालाघाट तहसीलदार द्वारा 15 दिनों के भीतर आवास खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। जबकि शासन ने हमें सड़क बिजली पानी सहित अन्य सुविधाएं वहां मुहैया कराई हैं।अब मकान खाली करने का नोटिस जारी किया जा रहा है और विस्थापन के लिए जगह भी देने को तैयार नहीं है। हम 40 50 वर्षो से वहां रह रहे है। अब तक उसके पट्टे जारी नहीं किए गए ,हमें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं दिया गया और अब इतने वर्ष बाद हमें हटाने के लिए बोल रहे हैं। हमें हमारे घर से बेदखल किया जा रहा है जबकि रहने के लिए दूसरी जमीन भी नहीं दे रहे है। ऐसे में तो हम रोड पर आ जाएंगे।यदि शासन प्रशासन हमें दूसरे स्थान पर मकान बनाने के लिए जगह देता है तो हम हटाने के लिए तैयार हैं। लेकिन जब तक दूसरी जगह नहीं मिलती तब तक हम नहीं हटेंगे।

चाहे हमारे सर के ऊपर से बुलडोजर चला दो, हम नहीं हटेंगे- मकसूद

कांग्रेस झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष मकसूद खान ने बताया कि वार्ड नंबर 23 आकाशवाणी चौक परिसर में निवास करने वाले सभी लोगों को तहसीलदार द्वारा नोटिस जारी किया गया है जिसमें उन्हें मकान खाली करने कहा गया है जबकि उनके विस्थापन के लिए कोई दूसरी जगह भी नहीं दी गई है। हमने कई बार उक्त स्थान के पट्टे जारी कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने की मांग की है। करीब 70 लोगों को नोटिस जारी कर हटने के लिए कहा गया है, मकान बनाने दूसरी जगह भी नहीं दी जा रही है। हमारी मांग है कि 2 किमी परिधि के अंदर नजूल की दूसरी जगह देकर उस जगह के पट्टे जारी किए जाएं और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए। यदि मकान बनाने के लिए दूसरी जगह नहीं दी जाती तो हम उक्त जगह से नहीं हटेंगे। चाहे हमारे सरो के ऊपर से बुलडोजर ही क्यों ना चला दिया जाए, हम इसके लिए भी तैयार हैं।

विधिवत कार्यवाही कर, बूढ़ी प्लांट के पास पीएम आवास के दिए जाएंगे मकान- वर्मा

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट तहसीलदार सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि उक्त स्थान पर नया तहसील कार्यालय बनना है। जिसको लेकर स्थानीय लोगों को नोटिस जारी कर वहां से हटने के लिए कहा गया है, वहां लोग अतिक्रमण कर मकान बनाकर रह रहे हैं। स्थानीय लोगों की मांग के अनुरूप हमने एसडीएम साहब से चर्चा की थी तो उन्होंने बूढ़ी फिल्टर प्लांट के पास नगर पालिका द्वारा बनाए गए प्रधानमंत्री आवास बिल्डिंग में मकान दिए जाने की बात कही है।उन्हें वहां नियमानुसार बिल्डिंग में विस्थापित किए जाने की योजना बनाई गई है, क्योंकि पीएम आवास गरीब लोगों के लिए बनाए गए हैं इसीलिए नियम एवं शर्तों के आधार पर वार्ड नंबर 23 के स्थानीय लोगों को वहां आवास दिए जा सकते हैं। इसमें किसी तरह का मुआवजा देने या फिर दूसरी जगह देने का कोई प्रावधान नहीं है। नोटिस जारी कर स्थानीय लोगों को दीपावली के बाद जवाब देने कहा गया है. इसकी विधिवत पेशी कर, निर्णय पारित करने के बाद ही आगामी कार्यवाही की जाएगी।

बालाघाट अनुविभाग में पटाका दुकानों के लिए स्थान निर्धारित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
राजस्व अनुविभाग बालाघाट के अंतर्गत आने वाले बालाघाट एवं लामता तहसील के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली के अवसर पर पटाका दुकान लगाने के लिए स्थल चिन्हित किये गए है। लायसेंसधारी फटाका विक्रेताओं को इन निर्धारित स्थलों पर ही सुरक्षा मापदण्डों का पालन करते हुए फटाका दुकान लगाना होगा।

बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के मैदान में 35 से 50 फटाका दुकानों के लिए स्थल निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार दशहरा मैदान दुर्गा चौक भरवेली में 15 से 20, मुख्य बाजार हट्टा में 05 से 06, लिंगा में 02, सरस्वती स्कूल ग्राउंड लामता में 07, बाजार चौक चरेगांव में 02, पंचायत ग्राउंड चांगोटोला में 13 तथा ग्राम गुडरू, बसेंगांव व पिण्डकेपार में 01-01 फटाका दुकान लगाने के लिए स्थल चिन्हित किया गया है। फटाका विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि फटाका विक्रय की अस्थायी दुकानों में सुरक्षा मापदण्डों का कड़ाई से पालन करें।

फटाका विक्रेताओं से कहा गया है कि फटाकों को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में रखें। दो दुकानों के बीच 03 मीटर की दूरी रखे तथा फटाका दुकान संरक्षित स्थल से 50 मीटर की दूरी पर होना चाहिए। फटाका दुकान एक दूसरे के आमने सामने नही होना चाहिए। दुकान में प्रकाश के लिए तेल लैम्प एवं खुली बिजली बत्तियों का प्रयोग नही होना चाहिए। बिजली के तार लटके नही होना चाहिए। प्रत्येक दुकानदार को अपनी दुकान में पानी से भरे ड्रम एवं रेत से भरी कम से कम दो बाल्टी रखना होगा। दुकान में एक समय में अधिकतम 25 किलों तक के फटाके रखने की अनुमति होगी। दुकान में धुम्रपान निषेध होगा और इसका बोर्ड लगाना होगा। प्रत्येक फटाका दुकानदार को अपना लायसेंस दुकान में प्रदर्शित करना होगा। कोई भी व्यक्ति बिना लायसेंस के फटाका विक्रय करते पाया जाएगा तो उसके विरूद्ध विस्फोटक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

मोटरसाइकिल कार से टकराई दो युवक घायल

हट्टा थाने के लिंगा रोड पर हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
हट्टा थाना अंतर्गत लिंगा रोड पर स्थित ग्राम परसवाड़ा के पास मोटरसाइकिल कार से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। घायल दोनों मोहित पिता नंद किशोर लिल्हारे 20 वर्ष और विशाल पिता योगेश ढेकवार 20 वर्ष दोनों ग्राम मोहगांव खुर्द थाना हट्टा निवासी है। दोनों युवक का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहित ए सी बनाने का काम करता है। 16 अक्टूबर को मोहित विशाल के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव मोहगांव खुर्द कोसमी बालाघाट काम करने आ रहे थे। हट्टा से लिंगा की ओर आते समय ग्राम परसवाड़ा के पास गोलाई में मोटरसाइकिल कार से टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक मोहित और विशाल घायल हो गए दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया कर का नंबर एमपी 50 सी ए 0301 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने मोहित का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

मालखाना कांड में गोंदिया-बालाघाट के कई जुआरियों के नाम, संदिग्धों से पुलिस की कड़ी पूछताछ

धीरे धीरे लाखों की हेराफेरी का हो रहा पर्दाफाश, प्रधान आरक्षक से जांच में खुल रही अंतरराज्यीय जुए खेलने वालों की कड़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
कोतवाली में प्रधान आरक्षक द्वारा लाखों रूपये गायब किये जाने के मामले में दिन प्रतिदिन पुलिस की जांच बढ़ते ही जा रही है । पुलिस लगातार आरोपितों कि न्यायालय से रिमांड ले रही है। गुरुवार को भी कोतवाली पुलिस ने प्रधान आरक्षक के साथ सिवनी जिले में बड़े स्तर पर जुआ खिलाने वाले विवेक उर्फ लाला श्रीवास्तव को न्यायालय में पेश किया । कोतवाली पुलिस ने लाला श्रीवास्तव की एक दिन की रिमांड ली है । सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे की 17 अक्टूबर को ली गई पुलिस रिमांड खत्म हो जाएगी। इसके बाद अब देखना होगा कि कोतवाली पुलिस पुन: प्रधान आरक्षक की पुलिस रिमांड लेती है या फिर राजीव को जेल भेज दिया जाता है । सूत्रों की माने तो 16 अक्टूबर को भी पुलिस ने राजीव के साथ जुआ खेलने वाले गोंदिया और बालाघाट मुख्यालय के कुछ साथियों को हिरासत में लिया है। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। सूत्रों की माने तो जिन लोगों को कोतवाली पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने लाया है , वह प्रधान आरक्षक के साथ जुआ खेलने जाया करते थे और साथ में जुआ खेलते थे। सूत्रों की माने तो इस मामले में धीरे-धीरे आरोपियों की संख्या बढ़ते जा रही है ।

16 अक्टूबर को कोतवाली पुलिस द्वारा सिवनी जिले से लाये गये विवेक उर्फ लाला श्रीवास्तव को मेडिकल करवाने के बाद न्यायालय में पेश किया गया ,जहां से कोतवाली पुलिस ने लाला श्रीवास्तव की एक दिन की पुलिस रिमांड ले ली है । सूत्रों से यह भी जानकारी सामने आ रही है कि राजीव पंद्रे के साथ जुआ खेलने वाले बालाघाट और महाराष्ट्र जिले के गोंदिया से भी पुलिस ने कुछ लोगों को लाया है जो राजीव के साथ जुआ खेलने जाया करते थे । इस मामले में पुलिस को जुए के अंतरराज्यीय रैकेट को पकडने में बडी सफलता मिल सकती हैं । सूत्रों के अनुसार, सिवनी, जिला गोंदिया ,महाराष्ट्र और बालाघाट के बड़े जुआरियों और जुआ खेलने वालों के भी नाम सामने आ रहे हैं, जो इस रैकेट का हिस्सा हैं। सूत्र बताते हैं कि राजीव पंद्रे ने सिवनी में लाला के अलावा और भी लोंगों के साथ जुआ खेला था और लाखों रुपये लगाए थे। पंद्रे गोंदिया में भी कुछ लोंगों के साथ जुआ खेला था, जिसमें वह बड़ी रकम हार गया था। उन लोगों के भी नाम आरोपित राजीव ने संभवत: पुलिस को बता दिए हैं। जिसमें 16 अक्टूबर को सूत्रों की माने तो कुछ लोगों को राजीव के बताए अनुसार पुलिस थाने भी लाई है , किंतु पुलिस द्वारा अभी इस विषय को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन सूत्रों की माने तो इसमें गोंदिया जिले सहित बालाघाट के कुछ बड़े जुआ खेलने और खिलाने वालों के नाम जल्द ही सामने आएंगे। बताया जा रहा है कि राजीव की 17 अक्टूबर को पुलिस रिमांड खत्म हो जाएगी। अब देखना होगा कि पुलिस राजीव की 17 अक्टूबर को और पुलिस रिमांड लेती है या फिर पुलिस द्वारा राजीव को जेल भेज दिया जाता है।

जिले के अन्य थानों में मचा हड़कंप

सूत्रों की माने तो जैसे ही बालाघाट कोतवाली थाने में प्रधान आरक्षक द्वारा मालखाने में रखें लाखों रुपए गायब करते हुए जुआ खेला गया और पैसे हारे गए। उसके बाद जिले भर के अलग-अलग थाना के थाना प्रभारी द्वारा भी अपने-अपने थानों में रखी अलग-अलग अपराधों की राशि और सोने, चांदी के जेवरातों की मालखाने के प्रभारीयों से जानकारी ली गई और भौतिक सत्यापन करवाया जा रहा हैं । सूत्रों से यह भी जानकारी लग रही है कि कुछ थानों में मालखाने में रखी राशि कम होने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी पुलिस ने इस विषय पर कोई जानकारी या आधिकारिक बयान नहीं दिया है । कुछ सूत्र तो यह भी बताते हैं कि संभवत: जिले के कुछ थानों में राशि कम होने का मामला जल्द ही सामने आ सकता है। हालांकि अभी इस विषय पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है यह सिर्फ सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है ।

रिक्त पदों पर की जाए संविदा कर्मचारियों की भर्ती

यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाइज एंड इंजिनियर्स ने सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
मध्य प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण कंपनियो में 29,263 नए पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। जारी किए गए इस नोटिफिकेशन में वर्षों के अनुभव सहित अन्य योग्यताओं के आधार पर रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने की बात कही गई है की।लेकिन इस नोटिफिकेशन में पूर्व घोषणा के अनुरूप पहले से विद्युत विभाग में काम कर रहे सविंदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का कोई जिक्र नहीं है।जिस पर अपनी आपत्ति जताते हुए विद्युत विभाग में वर्षों से काम कर रहे संविदा कर्मचारियों ने यूनाइटेड फोरम फॉर पावर इंप्लाइज एन्ड इंजीनियर्स संगठन के बैनर तले कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। गुरुवार को सौंपे गए इस ज्ञापन में विभाग से जुड़े अधिकारियों व पदाधिकारी ने विद्युत वितरण कंपनी में निकाली गई रिक्त पदों पर भर्ती के लिए,संविदा कर्मचारियों को योग्य ठहराते हुए वर्षों से विभाग के लिए काम कर रहे संविदा कर्मचारियों की रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने की मांग की है। पदाधिकारियो ने बताया कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में करीब साढे 7 से अधिक कर्मचारी संविदा बेस पर विद्युत विभाग में काम कर रहे हैं जिनके पास 10 से 15 वर्ष का अनुभव है, ऐसे कर्मचारियों की भर्ती इन रिक्त पदों पर की जानी चाहिए। ताकि उनके अनुभवो का लाभ मिल सके।इस दौरान कार्यपालन अभियंता बी.एल. भैना, मीडिया प्रभारी शिव, मुवनेश्वर, मोहसीन खान, लक्ष्मीप्रसाद टेंभरे, महेन्द्र डहरवाल, प्रवीण सिंगारे, ईश्वर सौलखे, डेमेन्द्र पटले, मनोज रोडकर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भी की थी घोषणा- यादव

संविदा कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष एच.सी. यादव ने बताया कि विगत लंबे समय से हम, यह मांग सरकार से करते चले आ रहे है, तत्कालीन शिवराजसिंह चौहान की सरकार में, इसकी घोषणा की गई थी लेकिन उसे अमलीजामा नहीं पहनाया गया। अब जब कंपनी में भर्ती निकली है तो हम चाहते है कि संविदा कर्मचारियों को सीधे समाहित कर उनका नियमितिकरण किया जाए।इससे कंपनी व सरकार पर अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा।सभी कर्मचारियों के पास 10 से 15 साल का अनुभव है, सभी कार्य करने में दक्ष हैं, वही वेतन भी लगभग समान ही है, इसीलिए पहले से कार्य कर रहे संविदा कर्मियों की सीधी भर्ती किए जाने की मांग की जा रही है।

जब कंपनी में भर्ती निकली है तो संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए-पटले

यूनाईटेड फोरम प्रदेश उपाध्यक्ष आई.डी. पटले ने बताया कि कंपनी ने विभाग में भर्ती के लिए 49 हजार 400 के करीब पोस्ट निकाली है। जबकि पूरे प्रदेश में साढ़े सात हजार संविदा अधिकारी, कर्मचारी है, यूनाईटेड फोरम, कई सालों से संविदा कर्मचारियों को नियमितिकरण की मांग कर रहा है। अब जब कंपनी में भर्ती निकाली गई तो हम चाहते है कि सालों से कार्यरत, अनुभवी संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए। उन्होंने बताया कि इसको लेकर संगठन की चर्चा सरकार और कंपनी से चल रही है, हमें उम्मीद है कि सरकार और कंपनी, संविदा कर्मचारियों के हित में निर्णय लेकर, संविदा अधिकारी, कर्मचारियों को नियमिति करने की दिशा में कदम उठाएगी। चूंकि इसमें कोई अतिरिक्त भार भी नहीं आने वाला है।

मलाजखंड, बिरसा, मोहगांव, किरनापुर में हुई छापामार कार्यवाही

खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों से एकत्र किये नमूने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे जा रहे है। इसी कड़ी में 15 एवं 16 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मलाजखंड, बिरसा, मोहगांव एवं किरनापुर में छापामार कार्यवाही कर खाद्य सामग्री के नमूने लिये है और स्वच्छता का पालन नही करने वाले प्रतिष ?ठानों को सुधार नोटिस जारी किये गए है।

सीएमएचओ डॉक्टर परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता तांडेकर की टीम ने मलाजखंड स्थित मुकुंद होटल की जांच की गई एवं सलोनी तथा काजू कतली के नमूने जांच के लिये एकत्र किये। बस स्टैंड मलाजखंड स्थित शिवम होटल से मगज के लड्डू, नमकीन सेव के नमूने लिए गए। अशोका होटल की जांच के दौरान गंदगी पाए जाने पर सुधान नोटिस दिया गया एवं बूंदी के लड्डू तथा खोवा का नमूना लिये गए। बिरसा स्थित जयसवाल होटल की जांच के दौरान गंदगी पाए जाने पर सुधार सूचना नोटिस दिया गया तथा पेड़ा, मिक्स मसाला एवं खोवा के नमूने एकत्र किये गए। मेन रोड बिरसा स्थित रत्नेश राजस्थान स्वीट्स की जांच के दौरान पेठा, कलाकंद एवं दही के नमूने लिए गए।

पौनी स्थित चौधरी डेरी के निरीक्षण के दौरान उसका लाइसेंस उचित कटेगरी का नहीं होने से तत्काल दुकान बंद कराई गई और दुकान बंद करने के पूर्व दही एवं पनीर के नमूने लिए गए। मोहगांव स्थित रत्नेश स्वीट्स की जांच करते हुए मलाई बर्फी रसगुल्ला एवं नमकीन के नमूने लिए गए। वहीं अंकित जलपान गृह मोहगांव से यूज कुकिंग ऑयल, पनीर एवं सेव के नमूने लिए गए तथा किचन की साफ सफाई एवं रखरखाव खराब होने से उसे नोटिस जारी किया गया।

किरनापुर स्थित यश होटल की जांच के दौरान नमकीन सेव, खोवा एवं पनीर के नमूने लिए गए। टिंकू मिष्ठान भंडार से पनीर, खोवा, दूध, घी के नमूने लिए गए। वहीं संदीप लिल्हारे डेयरी किरनापुर से मिश्रित दूध, दही, बीकानेर स्वीट्स बस स्टैंड किरनापुर से कुंदा, पेड़ा नमकीन एवं चौधरी चौपाटी से यूज कुकिंग ऑयल एवं मैदा के नमूने लिए गए हैं।

राज्य खाद्य प्रयोगशाला में खाद्य सामग्री के नमूने अमानक पाए जाने पर जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार सुधार नोटिस के जवाब में प्रतिष्ठान में साफ-सफाई व सुधार नही पाया जाएगा तो प्रतिष्ठान संचालक के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

तहसील कार्यालय परिसर में प्रसाधन की हालत बदहाल

झाड़ियां, गंदगी और अधूरा निर्माण बना मुसीबत का कारण, जिम्मेदार मौन

अधिवक्ता एवं पक्षकारों ने शीघ्र अधूरे निर्माण कार्य को पूरा एवं साफ-सफाई करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय परिसर में लाखों रूपयों की लागत से मानपुर पंचायत के द्वारा प्रसाधन (शौचालय) का निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया है। लेकिन नल व अन्य आवश्यक सुविधाएं अब तक पूर्ण नही की गई है। जिसके कारण उसका उपयोग नही हो पा रहा है। इस तरह से लाखों रूपयों की लागत से बना प्रसाधन (शौचालय) औचित्यहीन साबित हो रहा है। साथ ही देखरेख के अभाव में अब यह भवन बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है यानि की प्रसाधन (शौचालय) के आसपास लंबी-लंबी झाड़ियां उग आई हैं, दीवारों में दरारें आने लगी हैं एवं अंदर गंदगी फैली हुई है। जिसके कारण दुर-दराज से आने वाले पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं को बाथरूम एवं शौचालय के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है। तहसील परिसर में पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं के लिए सर्वसुविधा प्रसाधन (शौचालय) नही होने के कारण उन्हे मजबूरी में बदहाल स्थिति में पहुंच चुका प्रसाधन के समीप झाड़ियों की ओर बाथरूम करने जाना पड़ रहा है। जिन्हे हर समय उनके मन में यह डर बना रहता है कि कही जहरीले कीड़े-मकोड़े न काट दे क्योंकि उक्त स्थान पर जहरीले सर्प व कीड़े-मकोड़े नजर आते रहते है। लेकिन जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों व ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

104 ग्रामों के ग्रामीणजन रोजाना राजस्व सहित अन्य काम से तहसील कार्यालय आते है

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील कार्यालय में रोजाना 77 ग्राम पंचायत के 104 ग्रामों के ग्रामीणजन राजस्व व अन्य काम से तहसील कार्यालय आते है और उन्हे बाथरूम के लिए परेशान न होना पड़े इसलिए विगत वर्ष पूर्व तहसील कार्यालय के पीछे प्रसाधन (शौचालय) का निर्माण करवाया गया है किन्तु उक्त कार्य को पुरी तरह से सुविधाजनक नही बनाया गया है। कुछ कार्य करना बाकी है उसे अब तक पूरा नही किया गया है। वहीं देख-रेख के अभाव में दीवारों में दरारे आने लगी है एवं आसपास झाड़ियां उग चुकी है। जिसके कारण उसका उपयोग नही हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में तहसील कार्यालय में राजस्व व अन्य कार्य से आये ग्रामीणजन, पक्षकार, अधिवक्ताओं व स्थानीय दुकानदारों को बाथरूम लगने पर उन्हे प्रसाधन (शौचालय) के अभाव में इधर-उधर भटकना पड़ता है और सबसे अधिक महिलाओं को परेशानी होती है। वही अधिवक्ता एवं पक्षकारों का कहना है कि मानपुर पंचायत के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से लालबर्रा तहसील कार्यालय के पीछे विगत वर्ष पूर्व प्रसाधन का निर्माण करवाया गया था ताकि ग्रामीणों व कर्मचारियों को सुविधा मिल सके। लेकिन संबंधित विभाग द्वारा निर्माण के बाद उसकी नियमित देखरेख नहीं की गई है। जिसके कारण यह भवन अब जर्जर होने लगा है और उपयोग के लायक नहीं बचा है। पक्षकार, ग्रामीणजन एवं अधिवक्ताओं ने शासन प्रशासन से तहसील परिसर में बने प्रसाधन के आसपास उगी झाड़ियां की कटाई व गंदगी की साफ-सफाई, अधुरे कार्य को जल्द करवाने करने की मांग की है ताकि तहसील कार्यालय आने वाले ग्रामीणजनों को हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

साफ-सफाई करवाये प्रशासन - रजवाड़े

अधि केपी रजवाड़े ने बताया कि तहसील परिसर में प्रसाधन (शौचालय) का निर्माण लाखों रूपयों की लागत से किया गया है। लेकिन उसका उपयोग नही हो पा रहा है क्योंकि देख-रेख के अभाव में उसके आसपास लंबी-लंबी झाडिया उग चुकी है। साथ ही निर्माण कार्य भी सही तरीके से नही किया गया है, कुछ कार्य अधुरा है उसे अब तक पूरा नही किया गया है। इस तरह से शासन की राशि का दुरूपयोग किया गया है। श्री रजवाड़े ने बताया कि प्रसाधन की समस्या को लेकर तहसील प्रशासन को भी अवगत करवाया गया है, लेकिन ग्राम पंचायत एवं तहसील प्रशासन कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे सभी को परेशानी हो रही है। हमारी मांग है कि झाड़ियों की जल्द साफ-सफाई करवाये प्रशासन ताकि दुर-दराज से आने वाले लोगों को बाथरूम के लिए परेशान न होना पड़ेगा।

प्रसाधन (शौचालय) का अधुरा निर्माण हुआ है - बाबूलाल

अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सर्राटे ने बताया कि मानपुर पंचायत के द्वारा दो से तीन वर्ष पूर्व तहसील कार्यालय के पीछे प्रसाधन (शौचालय) का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था जो बनकर तैयार हो चुका है। लेकिन अब तक उसमें नल, पानी टंकी नही लगाई गई है। जिसके कारण यह पूरी तरह से अनुपयोगी साबित हो रही है एवं देखरेख के अभाव में आसपास झाड़ियां उग चुकी है। ऐसी स्थिति में अधिवक्ता, पक्षकारों सहित सभी को बाथरूम के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है। श्री सर्राटे ने बताया कि तहसील परिसर में प्रसाधन की सुविधा नही होने के कारण मजबूरी में लोग बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी प्रसाधन की ओर जाते है। लेकिन कीड़े-मकोड़े के काटने का डर बना रहता है इसलिए प्रशासन से मांग है कि अधुरे निर्माण कार्य को जल्द पुरा करवाकर जो कमी है उसे दुरूस्त करें।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि तहसील परिसर के पीछे बनाया गया प्रसाधन (शौचालय) का अधुरा निर्माण किया गया है एवं झाड़ियां उग चुकी है, जल्द ही साफ-सफाई करवाकर जो काम अधुरे है उसे पूरा करवा दिया जायेगा।

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
लालबर्रा।

बघोली में 'चिन्हारी' छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य कार्यक्रम 24 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के स्कूल ग्राउंड में तीसरी मंडई के अवसर पर 24 अक्टूबर को रात 9 बजे से सांस्कृतिक एवं पारम्परिक मनोरंजन के लिए एक शानदार कार्यक्रम ग्रामीणों और समस्त क्षेत्रीयजनों के स्व'छ एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द संस्था डीके देशमुख कृत 'चिन्हारी' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य संस्था सुरेगांव जिला बालोद का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि यह आयोजन बघोली के सर्वसमाज की एकता और संस्कृति प्रेम को दर्शाता है और ग्राम की तीसरी मंडई के अवसर पर ग्राम के स्कूल ग्राउण्ड में ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 24 अक्टूबर को रात 9 बजे से सांस्कृतिक एवं पारम्परिक मनोरंजन के लिए एक शानदार कार्यक्रम ग्रामीणों और समस्त क्षेत्रीयजनों के स्व%छ एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द संस्था डीके देशमुख कृत 'चिन्हारी' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य संस्था सुरेगांव जिला बालोद का आयोजन किया गया है। जिसके कलाकारों के द्वारा अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, सर्वसमाज अध्यक्ष मनीष रहांगडाले, मंडई समिति अध्यक्ष पन्नालाल बनवाले, उपाध्यक्ष खालिक खान, सचिव चैनलाल चौधरी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, सहित समस्त सर्वसमाज बघोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मिरेगांव में दुय्यम महिला-पुरूष शायरी 22 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मिरेगांव में पहली मंडई के अवसर पर सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में 22 अक्टूबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति अध्यक्ष विरेंद्र गौतम ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 22 अक्टूबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 8 बजे से दुय्यम महिला एवं पुरूष शायरी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

जाम में विशाल रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन 18 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित बाजार चौक में दीपावली-धनतेरस पर्व के पावन अवसर पर 18 अक्टूबर को रात 8 बजे से विशाल रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली, धनतेरस पर्व के पावन अवसर पर 18 अक्टूबर को रात 8 बजे से जाम के बाजार चौक में विशाल रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 8001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 6001 रूपये, चौथा पुरस्कार 5001 रूपये, पांचवां पुरस्कार 4001 रूपये, छटवां पुरस्कार 3001 रूपये, सातवां पुरस्कार 2701 रूपये, आठवां पुरस्कार 2501 रूपये, नवां पुरस्कार 2351, दसवां पुरस्कार 2251 रूपये, ग्यारहवां पुरस्कार 2101 रूपये, बारहवां पुरस्कार 2001 रूपये, तेरहवां पुरस्कार 1901 रूपये, चौदहवां पुरस्कार 1801 रूपये, पंद्रहवा पुरस्कार 1701 रूपये, सोलहवां पुरस्कार 1601 रूपये, 17 से 21 नंबर तक 1501 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 201 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर बालाघाट सहित अन्य जिलों के रामचरित मानस सत्संग मंडल से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कार्यक्रम अध्यक्ष नंदकिशोर चुरहे, उपाध्यक्ष लिखीराम नगपुरे, खजांची नरेन्द्र तरवरे, मंच संचालक हितेन्द्र दमाहे, राजेश नगपुरे, लेखापाल दिलीप लिल्हारे प्रबंधक सेवा सहकारी समिति जाम सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

लिपिक अशोक कोहरे का दु:खद निधन, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समिति लालबर्रा में पदस्थ, ददिया निवासी 55 वर्षीय अशोक कोहरे का 16 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 17 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे पोटियापाट धाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ददिया निवासी 55 वर्षीय अशोक कोहरे लंबे समय से लालबर्रा बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समिति में लिपिक के पद पर पदस्थ थे, 16 अक्टूबर को दोपहर में अचानक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। लिपिक श्री कोहरे के निधन की खबर लगते ही सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी-अधिकारी, चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. अशोक कोहरे सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। स्व. अशोक कोहरे का 17 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे पोटियापाट धाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अखिल विश्व गायत्री परिवार लालबर्रा के द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशानुसार पिछले वर्ष भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसका परिणाम आने के बाद कक्षावार में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गायत्री परिवार लालबर्रा के द्वारा स्कूलों में पहुंचकर शांतिकुंज से प्राप्त पुरस्कार वितरण कर उन्हे सम्मानित किया जा रहा है और आगामी 21 नवंबर 2025 को आयोजित होने वाले भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शामिल होने प्रेरित भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में अखिल विश्व गायत्री परिवार लालबर्रा के वरिष्ठ बुध्दसिंह पारधी अपने साथियों के साथ गत दिवस टेंगनीखुर्द स्थित शासकीय हाई स्कूल पहुंचकर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में विकासखंड स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को शांतिकुंज से प्राप्त पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया। चर्चा में अखिल विश्व गायत्री परिवार लालबर्रा के वरिष्ठ बुध्दसिंह पारधी ने बताया कि पिछले वर्ष भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड स्थित स्कूलों के बच्चों ने शामिल होकर पेपर दिये थे। जिसका परिणाम आने के बाद कक्षावार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कर उन्हे सम्मानित किया जा रहा है। गत दिवस टेंगनीखुर्द शासकीय हाई स्कूल पहुंचकर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त छात्रा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है और यह कार्य निरंतर जारी है। श्री पारधी ने बताया कि 21 नवंबर 2025 को पुन: भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. पी. अजीत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, गायत्री परिवार के वरिष्ठ बुध्दसिंह पारधी, राजाराम कटरे सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दीपावली पर्व के लिये कुम्हार दीयों को दे रहे विविध आकृति

चाईनीज दीयों पर प्रतिबंध लगाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दीपों का पर्व दीपावली हिन्दु धर्मालंबियों के लिये सबसे बड़ा पर्व होता है जिसकी तैयारियां पूरे क्षेत्र में जोरों पर जारी है। नगर मुख्यालय स्थित कुम्हारी मोहल्ले में भी दीप पर्व के स्वागत हेतु कुम्हारों के द्वारा तेजी से चाक घुमाते हुए दीयों का निर्माण किया जा रहा है जिसे एक-दो दिवस में बिक्री हेतु बाजार में लाया जायेगा। ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा अंतर्गत स्थित कुम्हारी मोहल्ला में मुर्तिकारों के द्वारा मिट्टी से विभिन्न प्रकार की आकृतियों के दीये बना रहे है। साथ ही लक्ष्मी पूजन के दिन पूजन हेतु माँ लक्ष्मी की छोटी-छोटी प्रतिमाएं भी बनाई जा रही है। जिसका कार्य जारी है परन्तु बे-मौसम बदलीनुमा मौसम के कारण मिट्टी के दीये बनाने व सुखाने में उन्हे खासा परेशानी हो रही है। आपकों बता दे कि दीपावली पर्व में मिट्टी के दीये रखने की परंपरा है किन्तु आधुनिक आईटमों का चलन वर्तमान समय में बढ़ गया है जिसके कारण दीयों की बिक्री भी कम है। जिससे स्थानीय कुम्हार चिंतित है और हिन्दु धर्मालंबियों से अपील की है कि मिट्टी के दीये का ही उपयोग करें।

चर्चा में मूर्तिकारों ने बताया कि दीपपर्व की तैयारियां प्रारंभ हो गई है जिसमें बाजार में विक्रय हेतु विभिन्न आकृतियों के दीयों व माता लक्ष्मी की छोटी प्रतिमा का निर्माण कार्य किया जा रहा है परन्तु मौसम परिवर्तन एवं बादल छाये रहने के कारण दीये व माता लक्ष्मी की छोटी प्रतिमा बनाने में परेशानी हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि बाजार में चाईनीज दीये आने के कारण मिट्टी के दीये कम विक्रय होते है। जिससे हमारा व्यापार पर भी असर पड़ रहा है और पहले लोग एक साथ तीन-चार दर्जन दीये खरीदते थे किन्तु महंगाई अधिक होने एवं तेल के दाम बढ़ने से लोग कम दीये खरीद रहे है। जिसके कारण आर्थिक परेशानी से गुजरना पड़ता है एवं दीये बनाने में जितनी मेहनत करते है उसके हिसाब से दाम भी नही मिल पाता है। आगे ने बताया कि दीये एवं माता लक्ष्मी की छोटी मूर्ति बनकर जल्द तैयार हो जायेगें जिसके बाद बाजार में दीये विक्रय के लिए लेकर जायेगें। साथ ही हिन्दु धर्मालंबियों से अपील है कि चाईनीज दीयों का उपयोग न करते हुए मिट्टी के दीयों का उपयोग करे ताकि हमारा व्यवसाय चल सके।

८८ रंगोलियों में प्रतिभागियों ने रचा संस्कृति और विरासत

संस्कार भारती की जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के कृषि उपज मंडी के पुराने प्रांगण में संस्कार भारती के तत्वाधान में जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता २०२५ का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य हुमराज पटले ,पार्षद श्रीमती ललिता ठाकरे ,पूर्व पार्षद श्रीमती सीमा देव्हारे ,राकेश लालवानी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात रंगोली प्रतियोगिता प्रारंभ की गई जिसमें उपस्थित प्रतिभागियों के द्वारा अपना खंड का चयन कर रंगोली उकेरने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इस दौरान यह प्रतियोगिता में ८८ छात्र छात्राएं शामिल हुए जिनके द्वारा भू अलंकरण प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रणय श्रीवास्तव ,पंचम हनवत ,अजीत जैन, राकेश लालवानी ,संजय रूसिया, निर्दोष मॉडल, ओमप्रकाश नगपुरे ,संदीप रुसिया, प्रदीप खंडेलवाल ,मनोहर सिंह ठाकुर, समीर खरपटे ,पराग जैन, हीरा सिंह चंदेल, दिनेश खांडेलकर , योगेश कटारे ,भेजेंद्र चौधरी, सुरेश सिंघई ,सुरेंद्र बिसेन, मनीराम बिसेन ,डी एस एडे, अशोक दुबे ,अशोक ओचानी ,गणेश चूरहे ,प्रदीप पटले ,कमल नारायण पटले ,सीमा उपलवार, श्रिति पालेवार ,दुर्गा बर्वे ,दिव्या श्रीवास्तव, सुनीता हनवत सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

तीन श्रेणी में शामिल हुए प्रतिभागी

संस्कार भारती के द्वारा जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता में श्रेणी वार व्यवस्था बनाई गई। जिसमें श्रेणी क में कक्षा आठवीं से दसवीं के ५८ छात्र.छात्रायें शामिल हुए। वहीं श्रेणी ख में कक्षा ११ वीं और १२ वीं के १५ छात्र.छात्रायें शामिल हुए। श्रेणी ग में महाविद्यालय और ओपन यानी नगरवासी के रूप में १५ लोगों ने भाग लिया। इस प्रकार तीन श्रेणियों में ८८ प्रतिभागियों के द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। सभी के द्वारा अलग अलग विषय पर बेहतरीन रंगोली उकेरने का प्रयास किया गया।

प्रतिभागियों ने उकेरी मनमोहन रंगोली

कृषि उपज मंडी के परिसर में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के द्वारा परिसर में मनमोहन रंगोलिया उकेरी गई। संस्कार भारती के द्वारा

दिए गए विषय आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ ,पर्यावरण संरक्षण ,हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, ऑपरेशन सिंदूर ,बालाघाट जिले के दार्शनिक स्थल जैसे ६ विषय पर समस्त प्रतिभागियों के द्वारा रंगोली बनाई। इस दौरान भगवान खाटू श्याम बालाघाट के काली पाठ की मां काली लांजी का कोटेश्वर मंदिर ऑपरेशन सिंदूर में महिला अधिकारी और फाइटर जेट पौधारोपण सहित विभिन्न प्रकार की तरह तरह विषय पर रंगोलिया उकेरी गई। जो देखने में लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। जहां उपस्थित लोगों के द्वारा गंभीरता पूर्वक रंगोली का अवलोकन किया जाता रहा।

जल्द होगा पुरस्कारो का वितरण

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के द्वारा रंगोलिया उकरने के बाद समिति के निर्णायक मंडल के द्वारा समस्त रंगोलियों का बारीकी से अवलोकन कर प्रत्येक को अंक दिए गए। जो समिति के पास पहुंच गए हैं ऐसे में यह प्रतियोगिता तीन श्रेणी में आयोजित की गई है। जिसमें प्रत्येक श्रेणी में प्रथम ,द्वितीय, तृतीय पुरस्कार का वितरण किया जाना है। इसमें प्रथम पुरस्कार २००१ ,द्वितीय पुरस्कार १५०१,तृतीय पुरस्कार १००१ और तीनों पुरस्कार के साथ स्मृति पदक का वितरण किया जाना है। जो जल्द ही विजेता प्रतिभागियों के नाम की घोषणा के साथ वितरण किया जायेगा।

प्रतियोगिता आयोजित करने का उद्देश्य रंगोली के कलाकारों को मंच दिलाना और बच्चों को प्रोत्साहित करना -प्रणय

जिलाध्यक्ष प्रणय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्कार भारती के द्वारा लगातार दीपावली पर्व के पूर्व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जो निरंतर १६ वर्षों से जारी है इस वर्ष भी यह आयोजन किया गया है। जिसमें तीन श्रेणियों के माध्यम से ८८ प्रतिभागियों के द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया है। सभी के द्वारा समिति के द्वारा दिए गए विषयों पर रंगोली उकेरी है। हर किसी प्रतिभागी के द्वारा कड़ी मेहनत कर रंगोली को आकर्षक और मनमोहक बनाने का कार्य किया गया है। जिसमें विजेताओं के नाम की घोषणा और पुरस्कार वितरण जल्द किया जाएगा। यह प्रतियोगिता आयोजित करने का उद्देश्य रंगोली के कलाकारों को मंच दिलाना और बच्चों को प्रोत्साहित करना है।

भानपुर के पूर्व सरपंच भरतलाल डाहरे ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

तहसील कार्यालय खैरलांजी में पीने के पानी सार्वजनिक प्रसाधन का बना आभाव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
खैरलांजी मुख्यालय में स्थित तहसील कार्यालय में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। ऐसे में पूर्व सरपंच भरतलाल डाहरे ग्राम पंचायत भानपुर के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को ज्ञापन सौंप कर खैरलांजी के तहसील कार्यालय में पीने के पानी और सार्वजनिक प्रसाधन जैसी मूलभूत आवश्यकता का अभाव बने होने की शिकायत कर व्यवस्था बनाने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेखित है कि तहसील मुख्यालय खैरलांजी में तहसील कार्यालय बना हुआ है। जहां क्षेत्र की ६० से अधिक पंचायत के महिला और पुरुष सहित बुजुर्ग लोग प्रतिदिन अपने कार्यों या संपत्ति विवाद जैसे विषयों के लिए आना जाना करते हैं। रोजाना तहसील कार्यालय में सैकड़ो लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। जिन्हें मूलभूत आवश्यकता सार्वजनिक प्रसाधन और पीने के पानी जैसी व्यवस्थाओं के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है। उन्हें अपने वापस घर जाना पड़ता है जिससे उनका कार्य भी प्रभावित होता है। जबकि यह व्यवस्था अत्यंत जरूरी है और सामान्य किसी भी स्तर के अधिकारी को इसका ध्यान देना चाहिए। जबकि क्षेत्र से २० से ३० किलोमीटर दूरी के लोग तहसील कार्यालय आते हैं और वह पूरे दिन तहसील कार्यालय में बिताते हैं। इस दौरान उन्हें परिसर में पीने का शुद्ध पानी एवं फ्रेश होने के लिए सार्वजनिक लघुशंका घर या शौचालय व्यवस्था ना होने से लोगों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि शासन के द्वारा हर तरह की व्यवस्था दी जा रही है प्रधानमंत्री के कार्यकाल में रुपये की कोई कमी नहीं है। फिर भी सरकारी कार्यालय में इतनी खराब हालत केवल लोगों को परेशान कर रही है वही चिंता का भी विषय बनी हुई है। हमारे जिले के समस्त जनप्रतिनिधि एवं जनसेवकों से अपील है कि वह तहसील कार्यालय की गंभीर समस्या को देखते हुए त्वरित समाधान करें । या प्रशासन अपने स्तर पर व्यवस्था सुधारें ताकि क्षेत्र के आ रहे लोगों को बेहतर व्यवस्था प्राप्त हो सके।

सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति का लक्की ड्रॉ इनाम वितरण संपन्न

सुजुकी एक्सेस ड्रम स्कूटी आई उमेश भवरे के भाग्य में

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के वार्ड नंबर २ स्थित डॉ भीमराव आंबेडकर मंगल भवन में १६ अक्टूबर को सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में आयोजित लक्की ड्रा का इनाम वितरण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दानदाता एवं समिति पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें निकले लक्की कूपन ड्रॉ के अंक के भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कार का वितरण किया गया। विदित हो की सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति का यह ३६ वां वर्ष था प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ नवरात्र पर्व मनाया गया। जहां दूसरी बार लक्की कूपन ड्रा का आयोजन किया गया था। यह लक्की कूपन ड्रॉ ९ अक्टूबर को आयोजित प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर के कार्यक्रम के साथ खोला गया। जिसमें भाग्यशाली विजेताओं के भाग्य का फैसला बालक बालिकाओं के द्वारा अंक निकाल कर किया गया। जिसमें प्रत्येक ईनाम के लिए अंक निकाले गए ऐसे में भाग्यशाली कूपन धारकों को इनाम वितरण करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कूपन योजना का दूसरा इनाम सुजुकी एक्सेस ड्रम स्कूटी भाग्यशाली कूपन धारक उमेश भंवरे को प्राप्त हुआ। तो वहीं छटवां इनाम पांच कूलर भाग्यशाली कूपन धारक अमन कामडे ,राजेश मुरकुटे ,जितेंद्र राठौर, मनीष खंडेलवाल ,जितेंद्र व्यास को दिया गया। वहीं सातवां इनाम १० मिक्सी में भाग्यशाली कूपन इनाम राहुल कटरे ,लक्ष्मीचंद पंचेश्वर ,पवन देशमुख को दिया गया है। इसी दौरान कुछ सांत्वना पुरस्कार का भी वितरण भाग्यशाली विजेताओं को किया गया। इसके अलावा प्रथम इनाम सुजुकी जिक्सर स्पोर्ट बाइक ,तृतीय इनाम एलसीडी टीवी, चौथा इनाम फ्रिज ,पांचवा इनाम वाशिंग मशीन सातवां इनाम ७ मिक्सी ,आठवां इनाम २० प्रेस सहित अन्य सांत्वना इनाम के भाग्यशाली विजेता अभी तक समिति तक नहीं पहुंच पाए हैं। जिन्हें भाग्यशाली कूपन समिति के पास लाने पर उनका इनाम उन्हें दे दिया जाएगा। समिति अध्यक्ष निहार पटले ने बताया कि नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस वर्ष लक्की कूपन योजना का आयोजन किया गया था। जिसमें एक से एक ईनाम रखे गए थे यह ड्रा शहनाज अख्तर के कार्यक्रम में खोला गया था । जिसके भाग्यशाली कूपन धारक को इनाम वितरण करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें द्वितीय इनाम सुजुकी एक्सेस नगरवासी उमेश भंवरे को प्रदान की गई है साथ ही अन्य ईनाम भी भाग्यशाली कूपन धारकों को दिए गए हैं। अभी तक प्रथम इनाम के भाग्यशाली कूपन धारक ने हमसे संपर्क नहीं किया है और बाकी अन्य नाम भी है। जैसे भाग्यशाली कूपन धारक समिति से संपर्क करेंगे उन्हें उनका इनाम वितरण किया जायेगा। समिति के द्वारा यह कार्यक्रम के माध्यम से इनाम वितरण की शुरुआत कर दी गई है, भाग्यशाली कूपन धारकों से अपील है कि वह जल्द समिति से संपर्क कर अपना इनाम प्राप्त करें। इस अवसर पर सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति पदाधिकारी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आंबेडकर वाचनालय भवन का विधायक पटेल के हस्ते हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
ज्ञान और शिक्षा के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत वारा में बौद्ध समाज की मांग पर विधायक विवेक पटेल के द्वारा आंबेडकर वाचनालय भवन का अनावरण किया गया। पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा आंबेडकर वाचनालय का फीता काटकर अनावरण किया गया। इस दौरान सरपंच सूर्यभानसिंह पुसाम,जनपद सदस्य श्रीराम गौतम,पूर्व सरपंच राजा अली,सुनील बंटी पारधी, उमाशंकर धार्मिक,रामसिंह पटेल,वाईकर पारधी,राजकुमार चौधरी, परमानंद पटले, किशोर मेश्राम, महेश पटले, गुणरतन पटले, प्रणय धार्मिक, संतोष वासनिक, कमलेश शेंडे,लक्ष्मी पटले,रविन्द्र बोरकर,शैलेश शेंडे,मनीष पारधी सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि कई दिनों से समाज के वरिष्ठजनों के द्वारा आंबेडकर वाचनालय बनाए जाने की मांग की जा रही थी। मैने चुनाव प्रचार के दौरान समाज से वादा किया था कि चुनाव जीतने के बाद मेरे द्वारा ग्राम वारा में आंबेडकर वाचनालय का निर्माण किया जाएगा और मैने पहले ही सत्र में इसका भूमिपूजन करके निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया था जो आज बनकर तैयार हो गया है। ग्राम वारा के साथ ही आस.पास के गांव में निवासरत युवाओं को भी इसका लाभ मिलेगा। इस वाचनालय में बौद्ध समाज की पुस्तकों को रखा जाएगा जिससे समाज के नए युवाओं को बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन परिचय के बारे में पता चले। उन्होंने अपने जीवन में क्या क्या कष्ट झेले,फि र भी उन्होंने अपने जीवन में हार नहीं मानी,उनके द्वारा बनाए गए संविधान के चलते आज हमारा भारत देश चल रहा है । पुस्तकालय समाज के बौद्धिक विकास का आधार होता है,नई पीढ़ी को पुस्तकों के माध्यम से अपने ज्ञान का विस्तार करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से लाइब्रेरी के लिए नियमित उपयोग करने और अध्ययन की आदत को जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया।

कूपन योजना के विजेताओं को आज होंगा उपहारों का वितरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नव दुर्गाउत्सव समिति सिविल क्लब के द्वारा शारदेय नवरात्र पर्व पर आयोजित किए गए भव्य कूपन उपहार योजना का ड्रा आज शुक्रवार की शाम ४ बजे से स्थानीय सिविल क्लब मैदान में आयोजित किया गया हैं। नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा बीते २२ वर्ष से लगातार मातारानी के दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए हर वर्ष विशाल इनामी कूपन योजना का आयोजन रखा जाता है। जिसमें मातारानी के प्रसादी स्वरूप लाखों रुपयों के इनाम रखे जाते हैं। इस वर्ष भी समिति ने लाखों रुपयों के इनाम रखे गए थे जिनका ड्रा ८ अक्टूबर को सिविल क्लब मैदान में आयोजित विशाल सिनेस्टार नाइट में पँहुचे ख्यातिलब्ध अभिनेता चंकी पांडे एवँ उपस्थित इंडियन आइडियल के कलाकारों द्वारा निकाला गया था। जिसमें प्रथम पुरस्कार हिरोस्ट्रीम का भाग्यशाली अंक ६७७७८, द्वितीय न्यू हीरो डेस्टिनी १२५ ५९२०९, ,तृतीय एलईडी एलजी २९९८० ,चतुर्थ फ्रिज १८० लीटर ५५३२५,पाँचवा इनाम वाशिंग मशीन ४२२०७ के विजेताओं सहित अंतिम ३ अंकों ८०१ के भाग्यशाली विजेताओं को भव्य समारोह में उपस्थित अतिथियों के द्वारा वितरित किए जाएँगे। समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा व पदाधिकारियों एवँ सदस्यों ने सभी भाग्यशाली विजेताओं को इस मौके पर उपस्थिति की अपील की है।

संपादकीय

विशाखापत्तनम में गूगल बनाएगा एआई का बड़ा केंद्र

अमेरिका की वीजा नीति और ट्रंप शुल्क से कारोबारी रिश्तों में दबा दबाव के बीच गूगल की भारत में निवेश की घोषणा अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बड़ी रणनीतिक सफलता है। विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए गूगल समूह पांच साल में 1.33 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कृत्रिम मेधा के बढ़ते वैश्विक बाजार में यह निवेश इस बात को रेखांकित करता है कि कारोबार सुगमता के लिहाज से भारत वैश्विक स्तर पर पसंदीदा बना हुआ है। भारत के पास विशाल उपयोगकर्ता आधार है। स्पष्ट है कि आर्थिक कूटनीति के लिहाज से यह परियोजना भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूती प्रदान करेगी। तकनीकी ताकत भी बढ़ेगी। इस निवेश की घोषणा के बाद गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया पर जो लिखा, उससे कई सार्थक संकेत मिले हैं। पिचाई के मुताबिक, निवेश से भारत में 1.83 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। विशाखापत्तनम के कृत्रिम मेधा परिसर की शुरुआती क्षमता एक गीगावाट से कई गीगावाट तक जाएगी। यह परिसर गूगल का अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा कृत्रिम मेधा केंद्र बनेगा, जो भारत को वैश्विक तकनीकी के मानचित्र पर और मजबूत करेगा। कई स्तरों पर इसके दूरगामी नतीजे होंगे।

वे धमकी तक दे चुके हैं। एप्पल कंपनी के मुख्य कार्यकारी टिम कुक को दी गई भारी शुल्क लगाने की धमकी की यादें ताजा हैं। लगता नहीं है कि धमकियों के बावजूद एप्पल व अन्य ने भारत से काम समेटा। दरअसल, आने वाले दिनों में तकनीक के स्तर पर भारत चिप और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका की योजना बना रहा है।

निस्संदेह, जिस तेजी से कृत्रिम मेधा क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और अमेरिका तथा चीन जैसे मुल्क इसमें बढ़त लिए हुए हैं, उसे देखते हुए भारत को ऐसे निवेश और तकनीकी सहयोग की बहुत आवश्यकता है। यह कमी गूगल के निवेश से पूरी हो गई है। गूगल उसी देश की कंपनी है, जहां के राष्ट्रपति ने भारत पर शुल्क लगा कर दबाव बनाने की कोशिश की है। वे खुल कर कह चुके हैं कि वे नहीं चाहते, अमेरिकी कंपनियां भारत में निवेश करें या निर्माण संयंत्र लगाएं।

वे धमकी तक दे चुके हैं। एप्पल कंपनी के मुख्य कार्यकारी टिम कुक को दी गई भारी शुल्क लगाने की धमकी की यादें ताजा हैं। लगता नहीं है कि धमकियों के बावजूद एप्पल व अन्य ने भारत से काम समेटा। दरअसल, आने वाले दिनों में तकनीक के स्तर पर भारत चिप और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका की योजना बना रहा है। इसके लिए मजबूत नीतियां तैयार की गई हैं और बड़ी कंपनियों से वैश्विक स्तर पर गठबंधन किए हैं। दूसरे, भारत की ताकत उसका बड़ा मध्यवर्ग है। अमेरिकी कंपनियां हमेशा की तरह भारत के इस बड़े बाजार को देख रही हैं। हर स्तर पर भारत मुनाफे का बाजार है। तभी एप्पल और गूगल जैसी कंपनियां भारत में अरबों रुपए का निवेश कर रही है। अगर एप्पल के कमाई के आंकड़े को देखें, तो कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में भारत से 67,100 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष से 36 फीसद अधिक है। कंपनी का मुनाफा बढ़ कर 2746 करोड़ हो गया है। टेस्ला ने भी भारतीय बाजार को देखते हुए यहां कदम रखा है। अब गूगल ने बड़ा निवेश किया है। गूगल के इस निवेश से वैश्विक निवेशकों को यह संदेश अवश्य गया होगा कि भारत इस लिहाज से दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है। वे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत पर भरोसा कर सकते हैं।

आज्ञाकारी, और पढ़ाकू, व्यक्तित्व खो देते हैं..

आपको याद होगा कि आपके स्कूल के दिनों में कुछ बच्चे ऐसे होते थे जो टीचर के बड़े पसंदीदा होते थे। क्योंकि वो खूब पढ़ते थे, हमेशा डिस्टिंक्शन मार्क्स लाते थे, सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई की ही बातें करते थे, खूब सारे गोल्ड मेडल लाते थे।

क्या आपने स्कूल से निकलने और सामाजिक जीवन शुरू करने के बाद उनकी कभी खबर ली? क्या आपने कभी ये जानने की कोशिश की कि वो लड़के जो हमेशा इतने ब्रिलिएंट और पढ़ाकू थे, जो घर में मेडल का ढेर रखे रहते थे, उनका आगे के जीवन में क्या हुआ ?

अगर आप उनके बारे में जानने की कोशिश करेंगे तो आप आश्चर्यचकित होंगे ये जानकर कि उनमें से ज्यादातर इस जीवन में 'असफल' साबित हो चुके हैं। उनमें से ज्यादातर आपको यड़े ही छोटे मोटे काम करते मिलेंगे। उनमें से कुछ बेचारे किसी तरह किताबें रट वट के कोई सरकारी नौकरी पा गए होंगे, बाकी आपको ऐसे ही कुछ न कुछ करते मिल जायेंगे।

सामाजिक और शैक्षिक रूप से हमारा समाज जिसे सराहता है, जिसकी तारीफ करता है, मिसालें देता है, उनमें से ज्यादातर प्राकृतिक रूप से पूरी तरह 'असफल' व्यक्तित्व होते हैं। समाज जिस बच्चे की पढ़ाई की तारीफ करता है तो समझिए वो बच्चा पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ रट्टू तोता होता है। ऐसे बच्चे बिल्कुल भी रचनात्मक नहीं होते हैं। क्योंकि हमारे घर और समाज का डिजाइन रचनात्मकता को दुत्कारना और नकलची और रट्टूको आगे बढ़ाने वाला होता है। जिस बच्चे की अपनी कोई सोच, अपनी कोई समझ नहीं होती है ये समाज उसे 'आज्ञाकारी' बोलकर उसकी तारीफें करता है और ये आज्ञाकारी लड़के दुनिया की सबसे असफल प्रजातियों में से एक होते हैं

आपको ज्यादातर जितने भी सेलिब्रिटी, रचनात्मक लोग, कलाकार इत्यादि मिलेंगे, वो सब अपने शिक्षकों और समाज के तय किए गए रास्तों से उल्टा चलने वाले लोग ही होते हैं। ये लोग क्यादातर आपको पढ़ाई में फिसड्डी और अपने मन की करने वाले मिलेंगे। इन्हें शायद ही कभी कोई मेडल मिला हो और इन्हें शायद ही किसी टीचर ने कभी पसंद किया हो..

- सिद्धार्थ तबिश

बिना कड़ी मेहनत और अनुशासन, महज प्रतिभा अकेले काफी नहीं..

बचपन में अपनी असाधारण प्रतिभा से हैरान कर देने वाले कितने ही बच्चों को भोंदू वयस्कों में बदलते हुए हर किसी ने देखा ही होगा। चार पांच साल के बच्चे किसी एक्सपर्ट की तरह कम्प्यूटर चलाते, सितार बजाते, कविता लिखते, या ऐसा ही कुछ करते नजर आते हैं तो हम झट कह उठते हैं, 'जीनियस पैदा हुआ है।' गोया जीनियस आनुवंशिक विरासत में मिला कोई गुण हो। यही जीनियस अक्सर उनके बारह -पंद्रह को होते न होते टें बोल जाता है और आगे जाकर ये बच्चे बेहद साधारण मनुष्य के तौर पर जीवन जीते दिखाई देते हैं।

हालांकि इस बारे में कुछ भी तयशुदा तरीके से नहीं कहा जा सकता लेकिन हंगरी के एक मनोवैज्ञानिक पिता द्वारा किया गया एक अद्वितीय प्रयोग अनेक धारणाओं को चुनौती देता है। हंगरी के रहने वाले लैस्लो पोल्गर ने जीनियस की अवधारणा को खारिज करते हुए अपनी तीन बेटियों के साथ एक अभिनव प्रयोग किया ङ्क सबसे पहले उन्होंने अपनी पुत्री क्लारा को विश्वास में लिया और आपसी सहमति से अपनी किसी भी संतान को स्कूल भेजने के बजाय घर पर पढ़ाने का फैसला किया।

उनकी तीन बेटियाँ हुईं-1969 में सूजन, 1974 में सोफिया और 1976 में जूडिय।

तीनों बच्चियों को बिल्कुल बचपन से शतरंज खेलने का प्रशिक्षण दिया गया ङ्क जूडिय याद करती है हैं कि उनके घर के हर कमरे में शतरंज से जुड़ी चीजें और किताबें अटी रहती थीं। इसके लिए लैस्लो पोल्गर को खासा विरोध भी झेलना पड़ा लेकिन उनका मानना था कि वे न सिर्फ अपनी बेटियों को बड़ा खिलाड़ी बनाएंगे, उन्हें महिला वर्ग तक ही सीमित भी नहीं रहने देंगे।

सबसे बड़ी सूजन ने जुलाई 1984 में, जब उनकी उम्र सिर्फ पंद्रह साल थी, दुनिया की नंबर वन महिला शतरंज खिलाड़ी बनकर सबको हैरान कर दिया। उसके बाद पूरे तेईस वर्षों तक वे विश्व की शीर्ष तीन महिला खिलाड़ियों में बनी रहीं। 1986 में उन्होंने पुरुष विश्व शतरंज चैम्पियनशिप चक्र में क्वालिफाई करने वाली पहली महिला बनकर इतिहास बना डाला। यह किसी अभेद्य दीवार को तोड़ने जैसा कारनामा था। 1996 से

1999 तक वे क्लासिकल टाइम कंट्रोल की महिला विश्व चैम्पियन रहीं। 1992 में उन्होंने विश्व ब्लिट्?ज और रैपिड चैम्पियनशिप दोनों जीतकर यह साबित कर दिया कि गति और गहराई दोनों में वे बेमिसाल हैं। अक्टूबर 2005 में उनका रेटिंग स्कोर 2,577 तक पहुँचा, और वे दुनिया की नंबर दो महिला खिलाड़ी रहीं।

सबसे छोटी सोफिया की कहानी भी किसी किंवदंती से कम नहीं। सिर्फ चौदह साल की उम्र में रोम के एक टूर्नामेंट में उन्होंने नौ में से साढ़े

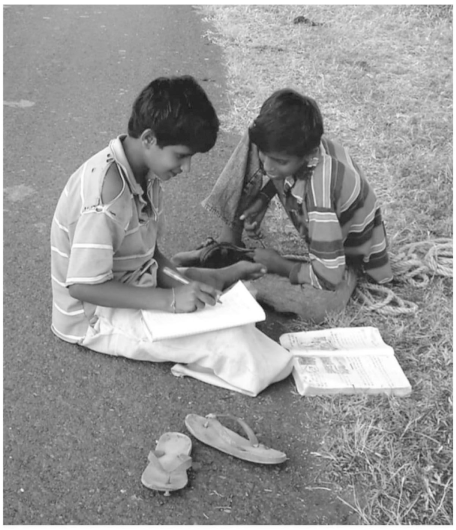

आठ पॉइंट्स अर्जित कर शतरंज जगत में तहलका मचा दिया। उनके ओवरऑल रेटिंग 2879 थी जिससे इतिहास की सबसे ऊँची रेटिंग्स में से एक गिना जाता है। उन्होंने दस बार विश्व चैम्पियनशिप के उम्मीदवार रह चुके महान विक्टर कोर्चनोय को मात दी। हार के बाद विक्टर ने तंज भरे गर्व से कहा था, 'यह पहली और आखिरी बार है जब यह मुझसे जीती है।' यह और बात है कि वे फिर कभी आमने-सामने नहीं खेले। सोफिया अब इज़्राइल में रहती हैं, जहाँ उन्होंने तीन बार शतरंज ओलंपियाड में भाग लिया। उनकी टीम ने 1990 और 1998 में स्वर्ण पदक, और 1994 में रजत पदक जीता। व्यक्तिगत रूप से उन्होंने 1990 में एक और 1994 में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

बहनों में से सबसे बड़ा नाम मंझली जूडिथ का हुआ जिन्हें आज तक के शतरंज के इतिहास की सबसे मजबूत महिला शतरंज खिलाड़ी माना जाता है। 2700 से अधिक रेटिंग हासिल करने वाली वे पहली और अब तक की अकेली महिला हैं। 2005 में उन्होंने विश्व रैंकिंग में आठवाँ स्थान हासिल किया कु कोई भी दूसरी महिला खिलाड़ी आज तक इस जगह नहीं पहुंची है। कुल पंद्रह साल और चार महीने की उम्र में वे इतिहास की सबसे कम उम्र की ग्रैंडमास्टर बनीं। जूडिथ इकलौती महिला हैं जिन्होंने विश्व के नंबर यन खिलाड़ी को हराया है।

जूडिथ ने जिन खिलाड़ियों को धूल चटाई उनमें मैग्नस कार्लसन, अनातोली कार्पोय, गैरी कास्परोव, व्लादिमीर क्रामनिक, बोरिस स्पास्की, वासिली स्मिस्लोव, वेसेलिन टोपालोय और विश्वनाथन आनंद जैसे वर्तमान शतरंज के सभी बड़े नाम शामिल एक दिलचस्प वाकया है वर्ल्ड चैम्पियन गैरी कास्परोव जब भी किसी खिलाड़ी के साथ खेलते थे तो अपनी बॉडी लैंग्वेज और तौर-तरीकों से सामने वाले को आतंकित करने का प्रयास करते थे। कभी पड़ी उतार कर बोर्ड के किनारे रख देते, कभी कोट उतार देते तो कभी आस्तीनें चढ़ा कर चहलकदमी शुरू कर देते। बड़े खिलाड़ी तो वे थे ही। इस तरह खेली जाने वाली बाज़ी अमूमन किसी मनोवैज्ञानिक बुद्ध में बदल जाती थी जिसमें स्यादातर जीत कास्परोव की होती थी। शुरू में पराजित होने के बाद जूडिथ ने कास्परोव की इस चाल को समझ लिया और अगली बार जय ये आमने-सामने थे, कास्परोव की एक न चली। हंगरी के उस खब्ती मनोवैज्ञानिक पिता की मेहनत का नतीजा देखना हो तो इंटरनेट पर खोज कर जूडिथ पोल्गर और गैरी कास्पारोव की उस बाज़ी का वीडियो देखिए।

पर हर कोई अपने बच्चों को सफलता के शीर्ष देखने का सपना देखता है। उन्हें वहां पहुंचाने का कोई एक सुनिश्चित तरीका होता है, कहा नहीं जा सकता। लैस्लो पोल्गर का तरीका अलयत्ता मेरी समझ में आता है-अकेली प्रतिभा से कुछ बनता-बिगड़ता नहीं। असल चीज़ है मेहनत और अनुशासन और बगैर थके इन दोनों को खूब लम्बे समय तक बरत सकने का धैर्य।

-रिपोर्ट -
हृदयेश जोशी और अशोक पाण्डेय
(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दुनिया जहान की बातें : पसंद और नापसंद के खांचों का जीवन

मनुष्य का जीवन केवल क्रिया-प्रतिक्रियाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह एक चेतन अवधान का विस्तार है। पर आज के समय में हम देखते हैं कि जीवन के अधिकतर निर्णय पसंद और नापसंद के खांचों में ढाले जाते हैं। लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करूंगा या मुझे वह नापसंद है, इसलिए उससे दूर रहूंगा।' इस अभिव्यक्ति के पीछे जो भाव छिपा है, वह स्वतंत्रता का भ्रम है। पर क्या यह सचमुच स्वतंत्रता है? क्या यह सच में हमारी चेतन प्रवृत्ति का प्रतीक है? नहीं, यह तो कहीं अधिक गहरी मानसिक बेड़ियों की जकड़न है- अदृश्य, किंतु कठोर।

हम यह मान बैठे हैं कि जिसे मैं पसंद करता हूं, वही सही है और जिसे नापसंद करता हूं वह त्याज्य है। इस द्वैत ने हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में इतनी गहरी पैठ बना ली है कि आज लगभग हर संघर्ष, हर मनमुटाव, हर युद्ध का मूल कारण व्यक्ति विशेष की पसंद-नापसंद ही बन गई है। घर की दीवारों से लेकर राष्ट्र की सीमाओं तक, धर्म की परिधियों से लेकर विचारधाराओं के संघर्षों तक, हर स्थान पर यह द्वंद्व व्याप्त है। विडंबना यह है कि हम इसे स्वाभाविक मान बैठे हैं।

पसंद-नापसंद की यह प्रवृत्ति उस सोच का हिस्सा है, जो सीमित है, पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है और दूसरों की अपेक्षाओं या अपनी आदतों के अधीन चलती है। जब हमारा मस्तिष्क एक सीमित परिधि में बंद होता है, तब हमारी दृष्टि स्पष्ट नहीं रहती। हम वही देखते हैं, जो हमारी इच्छा देखना चाहती है, हम वही सुनते हैं, जो हमारे मानस को भाता है। ऐसे में जो आवश्यक है, वह हमारे ध्यान से ओझल हो जाता है। अक्सर हम यह कहते हैं कि 'मैं स्वतंत्र हूं, इसलिए मैं अपने मन की करूंगा', तो यह वास्तव में स्वाधीनता नहीं है। मन को हमने इतना अधिक तूल दे दिया है कि अब वह हमारे विवेक का स्थान लेने लगा है। हम किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति को केवल इसलिए स्वीकार करते हैं कि वह हमें अच्छा लगता है, और किसी को नकारते हैं, क्योंकि वह हमारी पसंद के अनुसार नहीं है। मगर चेतना वहां प्रकट होती है, जहां व्यक्ति यह समझ पाता है कि किसी परिस्थिति में 'क्या आवश्यक है', न कि केवल 'क्या मुझे अच्छा लगता है।'

इस मानसिक स्थिति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि हम अपने भीतर एक सतत टकराव की स्थिति में रहने लगते हैं। हमें जीवन से शिकायतें होती हैं, लोग अच्छे नहीं, समाज गिरा हुआ, रिश्ते बेमानी, धर्म बंटे हुए, राजनीति भ्रष्ट, लेकिन हम यह नहीं देख पाते कि इन सबके मूल में हमारी अधूरी चेतना और सीमित सोच ही है। जब हम केवल अपनी पसंद के दायरे में जीते हैं, तो हमारी

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है।

दृष्टि व्यापक नहीं रह जाती। फिर जो हमारे दायरे में नहीं आता, वह हमें या तो शत्रु प्रतीत होता है या उपेक्षणीय। यहीं से शुरू होता है झगड़ों का सिलसिला घर में, समाज में, और अंततः अंतरात्मा में।

भारतीय योग परंपरा ने इस भीतर की पराधीनता को बहुत गहराई से देखा है। योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं है, बल्कि चेतना की वह ऊर्ध्व यात्रा है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की ग्रंथियों से मुक्त करती है। योग कहता है कि जब तक हम अपनी चेतना के तल पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकते, क्योंकि जो व्यक्ति भीतरी पराधीनता से मुक्त नहीं है, वह बाहरी आजादी का मूल्य ही नहीं समझ सकता। उसे स्वतंत्रता केवल एक व्यक्तिगत अधिकार लगती है, जबकि सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता वह अवस्था है, जहां व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर पूर्ण विवेक के साथ निर्णय लेता है। जहां वह परिस्थिति को उसके संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में देख सकता है, न कि केवल अपनी रुचि और अरुचि की झील में डूबते-उतराते हुए।

पसंद और नापसंद की होड़ से बाहर निकलने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब तक अपने ही बनाए हुए मानसिक जाल में उलझे रहे हैं। एक सजग और संवेदनशील व्यक्ति ही यह देख सकता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है, क्या उचित है और क्या अनावश्यक। वह अपनी पसंद को तब भी स्थगित कर सकता है, जब परिस्थिति किसी अन्य दिशा की मांग कर रही हो। जागरूकता वह दृष्टि देती है, जिससे हम न केवल वस्तुओं को, बल्कि अपने मन की गति को भी देख सकते हैं। यह वह दर्पण है, जिसमें हमारी प्रतिक्रियाओं की छाया स्पष्ट होती है। यह वह ध्वनि है, जो हमारे अंतर से कहती है, %जो पसंद है, वह जरूरी नहीं कि सही हो; और जो नापसंद है, वह अनावश्यक नहीं।% जीवन की गति जब मात्र इच्छाओं की पूर्ति और नापसंद से बचाव में बीत जाती है, तब उसका सौंदर्य लुप्त हो जाता है। मगर जब हम अपनी चेतना को इतना विकसित कर लेते हैं कि हम परिस्थिति को उसके व्यापक स्वरूप में देख सकें, तब जीवन एक कला बन जाता है-विवेक, संतुलन, करुणा और न्याय की। पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

- मोनिका राज़
(ये लेखक के निजी विचार हैं)

न करें सोशल मीडिया पर शस्त्र प्रदर्शन

प्रदेश के युवाओं में सोशल मीडिया में शस्त्र प्रदर्शन की प्रवृत्ति खतरनाक ढंग से बढ़ रही है। कभी कोई देसी कट्टा तो कोई अपने किसी परिजन की लाइसेंस वाली पिस्तौल लेकर सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म पर उपस्थित होता है। कई बार घरों में रखी पुश्तैनी तलवारें, भाले आदि लेकर भी लोग अपनी तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर गौरन्वावित होते हैं। दशहरे जैसे कुछ खास मौकों पर शस्त्रों की पूजा का रिवाज है लेकिन उन्हें उतने तक ही सीमित रखना चाहिये। यह खुद के लिये या किसी और के लिये खतरा बन सकता है। पुलिस द्वारा ऐसे तत्वों के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की ही जाती है। फिरभी कई लोग स्वयं को प्रभावशाली दिखाने के लिये रोबीली तस्वीर वीडियो डालते हैं। उन्हें कल्पना नहीं होती कि इसके कारण समाज में उनकी बुरी व्यक्ति की छवि बनती है।

यह प्रवृत्ति युवाओं में अधिक देखी जाती है। घरों में रखे परम्परागत शस्त्र यथा तलवार, फरसा, भाला, छुरे आदि के साथ वे तस्वीरें खिंचवाते हैं। वहीं ऐसे युवा जिनके घर में कोई ऐसी नौकरी में है जिससे उन्हें रिवाल्वर या बंदूक रखने की अनुमति होती है, वे उनके साथ अपनी तस्वीरें-वीडियो इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब आदि पर डालते हैं। साथ ही रील या वाट्सएप का डीपी बनाकर स्टेटस अथवा ग्रुप में डाला जाता है ताकि उनके मित्रों व परिचितों पर उनका रौब बने।

ये युवा नहीं जानते कि पुलिस की

सोशल मीडिया पर हमेशा नज़र रहती है। दरअसल साइबर पुलिस अपने इलाकों में ऐसे लोगों की टोह लेती रहती है जिनकी मानसिकता हिंसक प्रतीत होती है। कोई अपराध होने पर उन लोगों के सोशल मीडिया एकाऊंट भी खंगाले जाते हैं। ऐसा कतई नहीं है कि सोशल मीडिया पर शस्त्रों के साथ खुद की तस्वीर डालने वाला हर व्यक्ति अपराधी ही हो या उसकी मंशा कोई अपराध करने की होती है। फिर भी समाज में यह संदेश तो जाता ही है कि ऐसे व्यक्ति के पास हथियार हैं, तो बहुत सम्भव है कि वह अपराध में लिप्त हो। इससे निश्चित ही उसकी छवि खराब होती है। बहुत थोड़े लोग ही इसकी प्रशंसा करते हैं या प्रभावित हो सकते हैं। जिन्हें अपने किसी स्वजन अथवा मित्र की ऐसी तस्वीर, वीडियो या रील पसंद आती है तो वह भी आपराधिक प्रवृत्ति का होना चाहिये या उसका हिंसा में विश्वास माना जाता है।

फिर, इसे सूत्र समझकर अगर पुलिस उन तक पहुंचती है तो कोई नहीं है। शक की बिना पर भी यदि किसी से पूछताछ होती है तो यह किसी के लिये भी शर्म और परेशानी का सबब बन सकता है। बिलासपुर में चार ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो रिवाल्वर, एयरगन, चाकू आदि लहराते हुए अपने वीडियो बनाते थे और सोशल मीडिया पर डालकर लोगों को डराते थे। ये कई मामलों में पहले से ही आरोपी हैं। वे इस तरह के वीडियो डालकर फरार हो गये थे परन्तु पुलिस उनकी लगातार ट्रैकिंग कर रही थी। रविवार को चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे ही कोरबा में बुधवारी बाजार के पास कुछ युवा अपने मित्र समीर जगत (20 साल) का जन्मदिन मना रहे थे। समीर ने सार्वजनिक स्थान पर तलवार से केक को काटा था जिसकी वे वीडियो बना रहे थे ताकि सोशल मीडिया पर डाला जा सके। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। युवा-छात्र व सभी इस प्रवृत्ति को छोड़ें वरना उन्हें पछताना पड़ सकता है।

- डेस्क

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली अच्छी रहने से गुरूवार को दलहनों में मूंग बाजार मजबूती के रहे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। तिलहनों में सोयाबीन टिका रहा। किराना जिंसों में ग्राहकी सुस्त-सुस्त रही। शक्कर में बाजार मजबूत रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में मूंग में लेवाली से भावों में मजबूती देखी गयी। तुअर सुस्त रही। मूंग बाजार अच्छे मालों में 8100-8300 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। चना 5800 रू. प्रति क्विटल पर बना रहा। खाद्य तेलों व तिलहनों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। उधर, किराना जिंसों में ग्राहकी ठंडी-ठंडी रही। शक्कर में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4280, खोपरा गोला 315-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 4200-4250, (200) 4500-4750, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1360-1380, मुम्बई 1380-1390, राजकोट तेलिया 2170-2180, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1260-1270, कपास्या 1275-1280, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1295,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7100, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800, एवरेज 5650-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6300-6400, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चॉंदी में बाजार नरमी के रहे। सोना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 174000, चॉंदी (99) 173800, टंच 173100, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 131500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.95 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में 40 पैसे की बढ़त के साथ 87.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार, कच्चे तेल की कम कीमतों और विदेशी पूंजी के प्रवाह में नए सिरे से वृद्धि जैसे अन्य सहायक कारकों ने भी निवेशकों की धारणा को बढ़ावा दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.76 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 87.68 प्रति डॉलर के शुरुआती उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 73 पैसे की तेजी के साथ 88.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग व दिगज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 862.23 अंक बढ़कर 83,467.66 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 261.75 अंक ऊपर आकर 25,585.30 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंकिंग इंडेक्स 622.65 अंक की मजबूती के साथ 57,422.55 पर था। वहीं निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.37 फिसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.14 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 2.02 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.90 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.42 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 271.15 अंक बढ़कर 59,241.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.80 अंक ऊपर आकर 18,131.85 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इटरनल और इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी और मारुति सुजुकी के शेयर उछले हैं। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 407.67 अंक उछलकर 83,013.10 अंक पर और एनएसई निफ्टी 104 अंक की बढ़त के साथ 25,427.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट लाभ में जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा जबकि अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 62.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

खाद्य तेल आयात सितंबर में 51 फीसदी उछला, रिफाइंड तेलों का आयात घटा

नई दिल्ली ।एजेंसी। कच्चे पामतेल (सीपीओ) की खेप बढ़ने से भारत का वनस्पति तेल आयात सितंबर में 16.39 लाख टन तक पहुंच गया, जो पिछले साल की अपेक्षा 51 फीसदी अधिक है। वहीं रिफाइंड तेल का आयात वर्ष 2021 के बाद पहली बार शून्य देखा गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईएि के मुता ?बिक सितंबर 2023 में खाद्य और अखाद्य तेलों सहित कुल आयात 10.87 लाख टन था। रिफाइंड तेल का आयात घटने का कारण सरकार द्वारा कच्चे पाम तेल और रिफाइंड आरबीडी पामोलिन के बीच आयात शुल्क अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत कर देना है, जो 31 मई से प्रभावी है। एसईए ने इसे सरकार का साहसिक और समयोचित कदम बताया। इस बदलाव से मांग कच्चे तेल की ओर मुड़ गई, जिससे घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र को नई जान मिली। सितंबर में रिफाइंड आरबीडी पामोलिन का आयात शून्य रहा, जबकि पिछले साल सितंबर में यह 84,279 टन था। सालाना आंकड़ों के अनुसार, भारत ने इस महीने 16.04 लाख टन खाद्य तेल और 35,100 टन अखाद्य तेल का आयात किया। कच्चे पाम तेल का आयात पिछले साल के 4.32 लाख टन से बढ़कर 8.24 लाख टन हो गया, कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1.52 लाख टन से बढ़कर 2.72 लाख टन रहा, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 3.84 लाख टन से बढ़कर 5.03 लाख टन हुआ। वहीं, कच्चे पाम कर्नेल तेल का आयात घटकर 4,255 टन रह गया। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक, मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल, अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से सोयाबीन तेल और रूस व यूक्रेन से सूरजमुखी तेल प्राप्त करता है।

भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम बनी नई चुनौती

नई दिल्ली ।एजेंसी। पिछले दो महीनों में पेट्रोल वाहनों के मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो गया है। भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम अब कार मालिकों और बीमा कंपनियों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है। यह खर्च अगस्त में 28प्रतिशत था, जो अक्टूबर में बढ़कर 52प्रतिशत तक पहुंच गया। यह जानकारी लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले से ही महंगे पेट्रोल दामों से परेशान ग्राहकों पर इन बढ़े हुए खर्चों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। सर्वे में कई वाहन मालिकों ने कहा कि अगर ई20 फ्यूल को ऑप्शनल रखा जाए और इसकी कीमत 20प्रतिशत कम की जाए, तो वे इसका समर्थन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह भावना पर्यावरण विरोधी नहीं है, बल्कि वाहन मालिकों पर अचानक थोपे गए बदलाव के कारण उत्पन्न हुई है। बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि ई20 फ्यूल के कारण होने वाले नुकसान अक्सर मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर नहीं होते। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर किसी वाहन को ई20 फ्यूल से नुकसान हुआ, तो इसे रासायनिक जंग या मैकेनिकल घिसावट माना जाता है, न कि दुर्घटना। ऐसे मामलों में बीमा कवरेज आमतौर पर लागू नहीं होता। हालांकि, अगर इंजेक्टर खराब होने से इंजन में आग लगती है, तो यह विवाद का मामला बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा पॉलिसी में बदलाव की आवश्यकता है, ताकि इथेनॉल से जुड़े नुकसान और अपवादों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सके। ऐसा न होने पर भविष्य में यह विवादों का कारण बन सकता है कि कौन-सा नुकसान बीमा में कवर होगा और कौन-सा नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ई20 फ्यूल पर आ रही शिकायतें गलत जानकारी पर आधारित हैं। सरकार का दावा है कि ई20-कंपैटिबल वाहन 2023 से ही उपलब्ध हैं और इथेनॉल कार्यक्रम भारत के स्वच्छ ईंधन, कम आयात, और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

आज का राशिफल

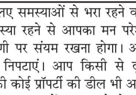

मेष- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको एक के बाद एक समस्या रहने से आपका मन परेशान रहेगा, इसलिए आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। अपने कामों को भी थोड़ा धैर्य से ही निपटाएं। आप किसी से दूसरे के मामले में ज्यादा ना बोले। आपकी कोई प्रॉपर्टी की डील भी अटक सकती है। बिजनेस में आप अत्यधिक मात्रा में धन लगाने से बचें। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आपका बिजनेस वैसे तो बढ़िया चलेगा, लेकिन फिर भी आप थोड़ी सावधानी बरतें। किसी के साथ पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करें। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन भी सोच समझकर लगाना होगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको किसी कानूनी मामले में सफलता हासिल होगी, जिसके लिए आपको काफी मेहनत मशक्कत करनी होगी। परिवार में भी सदस्यों से आपको खरी खोटी सुनने को मिल सकती हैं, लेकिन फिर भी आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है। कोई प्रिय वस्तु यदि खो हो गई थी, तो वह भी आपको मिल सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन के मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा, लेकिन आप काम को लेकर अपने पिताजी से सलाह मशवरा कर सकते हैं। आपकी कला और कौशल में निखार आएगा। राजनीति में आप बिना सोचे समझे कदम ना बढ़ाएं। किसी नए घर की खरीदारी का सपना पूरा होगा और आपको अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपका कोई परिजन आपसे मेल मिला करने आ सकता है। आप अपने घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं और आपके विरोधी आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। आप किसी सेहत संबंधित समस्या को लेकर परेशान रहेंगे, जिसके लिए आपको किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेने की आवश्यकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। आपका कोई विरोधी आज आपको परेशान कर सकता है। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आ सकती है, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएगी और किसी बात को लेकर आज आपका मन परेशान रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। मित्रों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाएंगे और आपकी यदि कोई धन संबंधित समस्या चली आ रही थी, तो वह भी दूर होगी और आपका डूबा धन भी आपको मिल सकता है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। जीवनसाथी की आपको कोई बात बुरी लग सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से कामों को निपटाने के लिए रहेगा। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको मन में काम को लेकर यदि कोई आईडिया आये, तो आप उसे अपने बिजनेस में तुरंत आगे बढ़ाएं और संतान की संगति पर भी आपको विशेष ध्यान देना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रहेगा। आप अच्छा खर्चा करेंगे, लेकिन बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी पिताजी की कोई बात समस्या देगी, इसलिए उनसे कोई भी सलाह बहुत ही सोच समझकर ले। आपकी अपने बॉस से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है, इसलिए आप किसी दूसरे के मामले में ना ही बोलें तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपको कामों से एक नई पहचान मिलेगी। बिजनेस में यदि लंबे समय से आपको कोई समस्या दे रहा था, तो वह भी आपके लिए बढ़िया रहेगा। आप पार्टनरशिप में कोई काम करने की योजना बना सकते हैं। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपकी जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने कामों को प्लानिंग करके चलेंगे, जिससे आप अपने कामों में आसानी से आगे बढ़ेंगे। किसी नई नौकरी का आपको ऑफर आ सकता है और आपको किसी पुरस्कार से भी नवाजे जाने की संभावना है। भाई-बहनों को आपको पूरा साथ मिलेगा। आप अपनी माताजी से काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक-ठाक नहीं रहेगा, इसलिए आपको अपने पेट का खास ख्याल रखें। किसी ऊंचाई वाली जगह जाने से बचें। आप अपने घर की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई की योजना बना सकते है। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

शब्दजाल - 8052

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	उ	न	र	क
गो	ड	म	द	र	वा	जी	म	इ	अ	ल
आ	प	दे	पू	ह	जी	व	रा	का	व	दि
ए	ची	तं	श	ट	ज	प	व	पा	ता	र
क	त	ई	ग	में	व	खें	जा	भा	र	इ
आ	मे	म	दे	दे	व	ता	न	ई	न	ति
द	जं	न्स	मे	प	क	ता	या	ज्वा	है	हा
मी	म	क	ए	सं	र	प	र	ला	म	स
ले	बो	र्न	य	त	चि	व	री	मु	न	क्स
त	ह	म	पां	च	बा	त्र	रि	खी	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	श	त	स

शब्दजाल में शबाना आजमी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

उमराव जान, गोडमदर, पतंग, इतिहास, एक आदमी, हम पांच, ज्वालामुखी, अवतार, देवता, परवरिश

शब्दजाल - 8051 का हल

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॉ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	स्वा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	वी	म	मी	टे	शा	रू	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6996

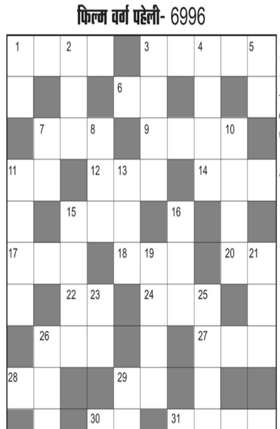

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6995

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	तुला	06.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.18 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.34 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.25 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.58 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.28 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.09 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.07 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.20 बजे से
10.30 से		सिंह	01.36 बजे से
12.00 बजे तक		कन्या	03.48 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 290 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 11.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 13.58 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 01.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 11.13 बजे तदनन्तर कौलव 23.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 16' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872500 **जूलियन दिन** 2460965.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 24 **विशेष** रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी, तुला संक्रांति।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः क्रोध ही राक्षस

एक बार कृष्ण, बलराम और सात्यकि एक घने जंगल में पहुंचे। वहां रात हो गई, इसलिए तीनों ने जंगल में ही रात बिताने का निर्णय लिया। जंगल बहुत घना और खतरनाक था। उसमें अनेक हिंसक जानवर रहते थे। इसलिए तय किया गया कि सब मिल कर बारी- बारी से पहरा देंगे। सबसे पहले सात्यकि की बारी आई, रात के पहले पहर में वे जग कर निगरानी करने लगे। कृष्ण और बलराम सोने चले गए। उसी समय एक भयानक राक्षस आया और सात्यकि पर आक्रमण कर दिया। सात्यकि बहुत बलवान थे। राक्षस के आक्रमण से उन्हें बड़ा गुस्सा आया। क्रोध में आ कर उन्होंने भी पूरे बल के साथ उस राक्षस पर आक्रमण कर दिया। मगर सात्यकि को जितना अधिक क्रोध आता, उस राक्षस का आकार उतना ही बड़ा हो जाता। कुछ देर के बाद राक्षस अदृश्य हो गया। दूसरे पहर में बलराम पहरा देने उठे। जब कृष्ण और सात्यकि सो गए तो बलराम के साथ भी वैसा ही हुआ, जैसा सात्यकि के साथ हुआ था। तीसरे पहर में कृष्ण पहरा दे रहे थे। राक्षस फिर आया। कृष्ण हंसते-हंसते उसका मुकाबला करने लगे। उन्हें उस पर क्रोध नहीं आया। राक्षस जितनी बार आक्रमण करता, कृष्ण उतनी बार मुस्कराते और उसके हमले का जवाब देते। फिर आश्चर्यजनक बात हुई। कृष्ण जितना मुस्कराते, राक्षस का आकार उतना ही छोटा हो जाता। धीरे- धीरे वह छोटा होकर मच्छर के बराबर हो गया। कृष्ण ने उसे पकड़ कर अपने दुपट्टे में बांध लिया। सुबह हुई तो बलराम और सात्यकि को घायल देख कर कृष्ण ने पूछा, यह सब कैसे हुआ। तुम दोनों तो बहुत शक्तिशाली हो, तुम्हें किसने घायल कर दिया? दोनों ने रात की घटना बताई। कृष्ण ने दुपट्टे को खोल कर वह मच्छर दिखाते हुए कहा, यह रहा तुम्हारा राक्षस। सत्य यह है कि क्रोध ही राक्षस है। जितना क्रोध करोगे, राक्षस उतना ही शक्तिशाली होता जाएगा और तुम्हें नुकसान पहुंचाएगा। असल में अपने आप में राक्षस कुछ नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7305

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7304 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8520

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8519 का हल

त	मा	शा	ई	■	ह	जा	म	त
ल	ता	■	मा	ज	रा	■	त	ह
बा	■	■	न	■	र	न	■	री
र	ह	न	■	न	त	म	स्त	क
■	■	शे	■	य	■	की	■	■
ना	मु	म	कि	न	■	न	मा	ज
बा	■	न	फा	■	स	■	■	रु
कि	म	■	य	म	न	■	द	र
फि	त	र	त	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

घोषणा के बाद भी लांजी में अब तक नहीं बना सीएम सांदिपनि विद्यालय

जनप्रतिनिधि व पालक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी।
लांजी नगर में स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी जिसे सीएम राईज विद्यालय में परिवर्तित कर नवीन भवन इत्यादि का निर्माण कार्य किया जाना था जिसकी घोषणा 2 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के द्वारा की गई थी लेकिन आज दिनांक तक उक्त विद्यालय को सीएम राईज /सांदिपनी विद्यालय का दर्जा प्राप्त नही हो पाया है जिसको लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा पालक शिक्षक संघ के साथ मिलकर कलेक्टर बालाघाट के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, जनपद सदस्य दिनेश लाडे, रेवाजी करहाटकरे, महेश चौधरी, सरपंच राजू सोयाम, पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष रेखा शुक्ला, लिकेश ऐडे, ललित कबीरे, गणेश बागड़े, मोहन पिछोडे, गणेश राम नारनौरे, ऋषि दशरिया, लिखेन्द्र उपराडे के द्वारा ज्ञापन सौंप कर लेख किया गया है।

बालाघाट जिले के लांजी में सीएम राइज स्कूल का दो साल बाद भी शुरू न होना शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। इस संबंध में जनपद उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति अध्यक्ष अजय अवसरे सहित पालकों ने गुरुवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जनप्रतिनिधियों और पालकों ने बताया कि दो साल बीत जाने के बाद भी यह विद्यालय अब तक सीएम राइज विद्यालय में परिवर्तित नही हुआ है।

आदिवासी अंचल के विद्यार्थियो को मिलेगा लाभ-अजय

सीएम राइज स्कूल की मांग को लेकर जनपद उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि आज से दो वर्ष पूर्व एक शासकीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें विधायक महोदय तथा हम सभी जनप्रतिनिधि तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे जो कि सीएम राईज विद्यालय के नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लेकिन अब तक यह विद्यालय उत्कृष्ट विद्यालय के नाम से ही जाना जा रहा है इसे सीएम राइज या सांदीपनि विद्यालय के नाम से परिवर्तित नही किया गया है। इसके पूर्व भी सीएम राईज स्कूल लांजी के नाम से आवंटित हुआ था जिसे बोलेगांव ले जा लिया गया। क्योंकि आदिवासी अंचल होने के चलते हमारे क्षेत्र के आदिवासी छात्र छात्राओं, हमारे स्थानीय छात्र छात्राओं को जो लाभ मिलना चाहिये वह उससे वंचित हो चुके है। यह बडभ्विडंबना लांजी के लिये दर्भाग्य का विषय है कि लांजी में दो बार सीएम राईज स्कूल आवंटित या घोषणा होने के बावजूद भी नही बन पाया है। वहीं आपने यह भी आरोप लगाया है कि इसके पीछे कारण है स्थानीय तौर पर निजी स्कूल को संरक्षण प्राप्त हो रहा है क्योंकि यदि सीएम राईज स्कूल प्रारंभ होता है तो उसका असर निजी संस्थानों को पडेगा। हम चाहते है कि सीएम राईज स्कूल दोबारा अस्तित्व में आये ताकि हमारे आदिवासी अंचल के छात्र छात्राऐं, स्थालीय छात्राऐं को सीएम राईज जैसे उत्कृष्ट संस्थान का लाभ प्राप्त हो सके।

22 तोतों के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।
वन विभाग के उड़नदस्ता दल और वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी की संयुक्त कार्रवाई में 15 अक्टूबर 2025 की रात्रि में ग्राम कुम्हारीकला में 22 नग करण तोता गुलाबी गले वाला तोतों के साथ 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई, जिसमें वन्यजीवों का अवैध व्यापार करने वाले छत्तीसगढ़ के आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में शेरसिंह पिता अमृतलाल पारदी (25 वर्ष), सुमेरसिंह पिता श्रृमतलाल पारदी (30 वर्ष), दोनों ग्राम भण्डारपुर, सन्तोष पिता कन्हैयालाल पारदी (24 वर्ष), ग्राम बोडसी, और दो अन्य अपचारी शामिल हैं। प्रकरण क्रमांक 16158/12 के तहत वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 (यथा संशोधित 2022) की धारा 2(1)(5), 9, 39, 50, 51, और 52 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में वन वृत्त बालाघाट के सीसीएफ उड़नदस्ता दल और वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दल में परिक्षेत्र सहायक आर.के. सोनवाने, पवन पटले, संजय विश्वकर्मा, वनरक्षक विशाल आसटकर, अमरदीप गजभिए, विभूति नाथ, अमरनाथ नंदा, और अन्य स्टाफ शामिल थे। आरोपियों को 22 तोतों के साथ वन परिक्षेत्र कार्यालय पश्चिम लांजी लाया गया, जहां प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। यह कार्रवाई वन्यजीव संरक्षण के प्रति वन विभाग की सतर्कता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।
लांजी थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को केवल चार घंटे में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 15 अक्टूबर को थाने पहुंचकर आरोपी रोहित पिता माधोलाल बिल्हारे (उम्र 19 वर्ष, निवासी किन्ही, थाना किरनापुर) के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। 9 अक्टूबर 2025 को आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में 12 अक्टूबर को उसने शादी करने से मना कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध क्रमांक 240/25 धारा 69 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला एवं एसडीओपी ओमप्रकाश भापुसे के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मामले के पंजीबद्ध होने के मात्र चार घंटे के भीतर आरोपी को किन्ही से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की इस तेज कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि दीप सिंह परमार, उनि विधि पाण्डेय, आरक्षक दिलीप यादव, रूपसिंह रावत, पवन धाकड़, जितेन्द्र, तथा महिला आरक्षक प्रीति प्रजापति और गोमती की सराहनीय भूमिका रही।

विधायक कर्राहे ने कुम्हारों से की मिट्टी के दीयों व प्रतिमाओं की खरीदारी

पद्मेश न्यूज। लांजी।
हिंदू संस्कृति का महापर्व दीपावली प्रारंभ हो चुका है। धनतेरस से ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है और खरीदारी बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है। इसी क्रम में लांजी नगर में विधायक राजकुमार कर्राहे ने 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'स्वदेशी अपनाओ' का संदेश देते हुए परंपरागत कुम्हार समुदाय की दुकानों से मिट्टी के दीये और लक्ष्मी जी की प्रतिमाएं खरीदीं।इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अभय कोचर, संजय मिश्रा, अनिल धुवारे, अजय मेश्राम, महेन्द्र पटेल, सोहन उपराडे, देवेश ऐडे, योगेश कुर्राहे, जीतू बंबुरे, सीताराम रावते, विजय खेरे, महेन्द्र उमरे, रामकुमार राणा तथा शिव दशरिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।विधायक कर्राहे ने कहा कि दीपावली हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। मिट्टी के दीयों से घर-आंगन जगमगाना ही हमारी असली भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कृत्रिम लाइटिंग और अन्य सामग्री के बजाय मिट्टी से बने दीयों से दीपावली सजाएं और स्थानीय कुम्हारों का सहयोग करें।साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार दीपावली पर्व के दौरान मिट्टी से बने दीये, प्रतिमाएं और पूजा-सामग्री विक्रय करने वाले कुम्हार समुदाय पर किसी भी प्रकार का बाजार शुल्क

या टैक्स नहीं लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त नगर प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कुम्हारों को उचित स्थान उपलब्ध कराया जाए ताकि वे अपनी सामग्री सहज रूप से बेच सकें।देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वदेशी अपनाओ, भारतीय हो तो भारतीय खरीदो' संदेश को दोहराते हुए विधायक कर्राहे ने कहा कि हमें अपनी जड़ों और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाना चाहिए। अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिट्टी से बनी वस्तुएं खरीदीं और स्थानीय उत्पादों के उपयोग का संदेश दिया।विधायक कर्राहे ने समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा — आइए, इस बार अपने घर-आंगन को मिट्टी के दीपों की रोशनी से सजाएं और अपनी संस्कृति को पुनर्जीवित करें।

सांसद खेल महोत्सव 2025

लांजी में सात खेलों के ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

जिला स्तरीय चयनित खिलाड़ियों को मिली जगह

पद्मेश न्यूज। लांजी।
विधानसभा क्षेत्र लांजी-किरनापुर के अंतर्गत सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस महोत्सव के तहत लांजी के मिनी स्टेडियम और शासकीय महाविद्यालय लांजी में 15 अक्टूबर को सात प्रमुख खेलों—फुटबॉल, कराटे, वॉलीबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन, शतरंज और रस्साकशी—के ट्रायल आयोजित किए गए। लगभग 400 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इन ट्रायलों के माध्यम से जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए योग्य खिलाड़ियों का चयन हुआ, जो युवाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ट्रायल में फुटबॉल वर्ग में 15 बालिकाओं और 15 बालकों का चयन किया गया। इसी प्रकार वॉलीबॉल में 12-12 बालिकाओं व बालकों, बैडमिंटन में 5-5 बालिकाओं व बालकों तथा रस्साकशी में 8-8 बालिकाओं व बालकों को जिला स्तर के लिए चुना गया। कराटे, कुश्ती और शतरंज के ट्रायलों में भी खिलाड़ियों ने अपनी सूझबूझ और शारीरिक क्षमता का बेहतरीन नजारा पेश किया।

ट्रायल का शुभारंभ मुख्यातिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी.के. भीमटे और प्राचार्य दुर्गेश फुल्हारे (शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लांजी) की उपस्थिति में हुआ। खिलाड़ियों ने न केवल अपनी खेल क्षमता दिखाई, बल्कि खेल के माध्यम से अनुशासन और टीमवर्क की मिसाल कायम की।

कबड्डी प्रतियोगिता में जोरदार मुकाबले

महोत्सव के दूसरे चरण में 16 अक्टूबर को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बालक वर्ग से 30 टीमों और बालिका वर्ग से 12 टीमों ने भाग लिया। इस रोमांचक मुकाबले में मुख्यातिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कमलसिंह सिंहसार और तहसीलदार संजय बारस्कर उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी चुस्ती-फुर्ती और रणनीति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चयनित टीमें अब जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ग्राम मनेरी में कुष्ठ जागृति रैली- बच्चों ने दिया स्वास्थ्य संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी।
क्षेत्र के ग्राम मनेरी में 16 अक्टूबर को कुष्ठ रोग के प्रति जन जागृति फैलाने के उद्देश्य से शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय और प्राथमिक शाला के बच्चों ने एक उत्साहपूर्ण रैली का आयोजन किया। इस रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को कुष्ठ रोग के लक्षणों, रोकथाम और उपचार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई, जिससे ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागृत हुई।

रैली का शुभारंभ सुबह ही हो गया, जिसमें स्कूली बच्चों ने नारों और बैनरों के साथ ग्राम का भ्रमण किया। हाट-बाजार मनेरी पहुंचकर बच्चों ने कुष्ठ आई.सी. (इंटीग्रेटेड कुष्ठ कंट्रोल) के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदर्शन किया। नारों जैसे ऽकुष्ठ रोग से डरो मत, समय पर इलाज कराओ मतऽ और ऽस्वास्थ्य ही धन है, कुष्ठ को पहचानो तुरंतऽ के माध्यम से ग्रामीणों को संदेश दिया गया। रैली में भाग लेने वाले बच्चों ने हाथों में तख्तियां थामे कुष्ठ के खतरे और जागरूकता पर जोर दिया, जिससे बाजार में सजी हुई दुकानों और राहगीरों में उत्साह का संचार हुआ।

रैली के बाद आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग लांजी के आरिफ हुसैन ने कुष्ठ रोग के चिन्ह-लक्षणों जैसे त्वचा पर धब्बे, सुन्नता, घाव न भरना आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि कुष्ठ रोग पूर्ण रूप से इलाज योग्य है और समय पर जांच से इसे रोका जा सकता है। श्री डी.सी. घोरमारे, प्रधान पाठक, ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में शिक्षा परिसर के समस्त शिक्षकों ने सक्रिय सहयोग दिया, जिनमें महेश कुमार उईके, श्रीमती प्रेमलता पटले, हीरालाल भटेरे, श्रीमती पुष्पा बोरकर, संतोष घोरमारे, श्रीमती ममता नागपुरे, श्रीमती शोभना सोनगड़े, महेश कुमार करसायल, अजय कुमार रागडाले, दिलीप कुमार गिरिया शामिल रहे। इसके अलावा आशा कार्यकर्ता कविता सहारे, सुनीता हट्टेवार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मोनिका हटीला तथा बड़ी

जिला बदर बॉन्ड उलंघन में तुषार बिसेन गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी के सालइटोला वार्ड नंबर ३ निवासी तुषार बिसेन को पुलिस ने जिला बदर के बॉन्ड उलंघन में गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार तुषार पिता रामनाथ बिसेन उम्र २८ वर्ष वार्ड नंबर ३ सालईटोला मंगेझरी निवासी के ऊपर दर्ज अपराधों को देखते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा जिला बदर की धारा ११० के तहत कार्यवाही की गई थी। जिसमें उक्त व्यक्ति के द्वारा बॉन्ड दाखिल किया गया था जो ६ महीने की अवधि के लिए था। कि इस दौरान उसके द्वारा किसी प्रकार के विवाद या मारपीट जैसी किसी प्रकार की अपराधिक घटना नहीं की जाएगी। जिसमें पुलिस के द्वारा लगातार निगरानी बनाए हुए थे इसी बीच बीते दिनों तुषार बिसेन के द्वारा ग्राम के ही एक व्यक्ति के साथ विवाद कर लिया गया। जिस पर उक्त व्यक्ति के द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी में घटना की शिकायत की गई। जिस पर पुलिस के द्वारा तुषार पिता रामनाथ बिसेन को गिरफ्तार कर लिया गया और जानकारी प्राप्त करने पर वह बॉन्ड पर पाया गया। जिस पर पुलिस के द्वारा बॉन्ड उलंघन करने पर इस्तगाशा क्रमांक ६४/९९६/२५ के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १७०/१२६/१३५ के तहत प्रकरण तैयार कर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के न्यायालय तुषार बिसेन को पेश किया गया। जहां अधिकारी के द्वारा उसे जेल भेज दिया गया वहीं पुलिस के द्वारा मामले में कार्यवाही की जा रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मंत्री शाह केस पर संज्ञान लेने वाले जस्टिस का ट्रांसफर

- एमपी हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन इलाहाबाद जाएंगे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन का ट्रांसफर इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया है। जस्टिस ने मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए विवादित बयान और दमोह में कुशवाहा समाज के युवक से ब्राह्मण वर्ग के युवक के पैर धुलवाने के मामलों में स्वत: संज्ञान लिया था। बीते 14 अक्टूबर को जस्टिस अतुल श्रीधरन ने दमोह के पैर धुलाई कांड पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कई तल्ख टिप्पणियां की थीं। सुनवाई के दौरान जस्टिस कहा था कि ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र सभी अपनी स्वतंत्र पहचान का दावा कर रहे हैं। यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो डेढ़ सदी के भीतर खुद को हिंदू कहने वाले लोग आपस में लड़कर अस्तित्वहीन हो जाएंगे।

छत्तीसगढ़ हुआ था तबादला, अब इलाहाबाद जाएंगे

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पहले जस्टिस अतुल श्रीधरन को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट भेजने की अनुशंसा की थी, लेकिन केंद्र सरकार के आग्रह पर पुनर्विचार करते हुए 14 अक्टूबर को आदेश संशोधित किया गया। हाल ही में जस्टिस श्रीधरन ने दमोह में ओबीसी युवक से एक व्यक्ति के पैर धुलवाने और गंदा पानी पिलाने की घटना में टिप्पणी करते हुए दोषियों पर एनएसए के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 27 अगस्त 2025 को 14 जजों के ट्रांसफर की सिफारिश की थी, जिनमें जस्टिस अतुल श्रीधरन का नाम भी शामिल था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर उन्हें छत्तीसगढ़ भेजा जाता तो वे वहां दूसरे सबसे सीनियर जज होते, जबकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनकी सीनियरिटी सातवें नंबर पर रहेगी।

2016 में नियुक्त हुए थे हाईकोर्ट में जज

जस्टिस श्रीधरन को 2016 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जज नियुक्त किया गया था। बतौर वकील वे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रह्मण्यम के चेंबर में पांच साल रहे। इसके बाद उन्होंने इंदौर में वकालत शुरू की। वर्ष 2023 में उन्होंने स्वेच्छा से स्थानांतरण की मांग की थी। तब उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट भेजा गया था, जहां से उन्हें 2025 में पुन: मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में बुला लिया गया।

दमोह मामले में सख्त रुख ने दिलाई पहचान

दमोह जिले में मंदिर के अंदर एक ओबीसी युवक से एक व्यक्ति के पैर धुलवाने और गंदा पानी पिलाने की घटना पर जस्टिस अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने स्वत: संज्ञान लिया था। कोर्ट ने दमोह पुलिस को दोषियों पर एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश पर दमोह पुलिस ने पटेरा थाना क्षेत्र के ग्राम सतरिया में हुई इस घटना में पांच आरोपियों पर एनएसए के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

दैवेभो को नहीं मिला तीन माह से वेतन

- इस बार दीपावली नहीं मना पाएंगे श्रमिक

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की किसी भी कर्मचारी को दीपावली से पहले वेतन नहीं मिला है। दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों, सुरक्षा श्रमिकों, वन सुरक्षा श्रमिकों को तो दो-तीन माह से वेतन नहीं मिला है। इस कारण दैनिक वेतन श्रमिक दीपावली त्योहार नहीं मानेंगे। कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि विभाग प्रमुख कर्मचारी एवं श्रमिकों को दीपावली से पूर्व वेतन भुगतान करने की व्यवस्था करें। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि दीपावली राष्ट्रीय त्योहार है। जन-जन की तरह मजदूरों को भी दीपावली त्योहार मनाने काअधिकार है, लेकिन जब वेतन हीनहीं मिलेगा तो कर्मचारी और मजदूर त्योहार कैसे मनाएंगे। मजदूर-श्रमिकों को तो दो तीन माह से वेतन नहीं मिला है। वन विभाग, जन जनजातिय कार्य विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग में दैनिक वेतन भोगी, श्रमिक वेतन के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन नौकरशाही दैनिक वेतन भोगी, श्रमिकों की गुहार को संज्ञान में नहीं ले रही है। इस कारण प्रदेश के हजारों दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों के परिवार में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। श्रमिकों ने निर्णय लिया है कि यदि दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान नहीं किया गया तो श्रमिक परिवार हजारों की संख्या में प्रदेश में दीपावली त्योहार नहीं मानेंगे और मुख्यमंत्री को 20 अक्टूबर को दीपावली के दिन काला पोस्टकार्ड लिखकर दीपावली की बधाई देंगे।

दीवाली से पहले 23 हजार संविदा कर्मचारियों को वेतन की दरकार

भोपाल (एजेंसी)। दीपावली से पहले प्रदेश के 23 हजार संविदा कर्मचारियों को वेतन का दरकार की है। इनमें मध्य प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत काम करने वाले रोजगार सहायक पिछले 4 माह से वेतन का इंतजार कर रहे हैं। संविदा अधिकारी कर्मचारी महासंघ ने इसके मद्देनजर प्रमुख सचिव को ज्ञापन भी सौंपा है।

प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौड़ ने बताया कि यदि दीपावली के पहले वेतन नहीं दिया तो राजधानी भोपाल की सड़कों पर सख्त आंदोलन किया जाएगा। इसके साथ ही कलमबंद हड़ताल भी की जाएगी। क्योंकि सरकार के पास ऐसे अनेक मद है जिससे संविदा कर्मचारियों को वेतन दिया जा सकता है। जबकि नियमित कर्मचारियों के मुकाबले इनको एक चौथाई ही वेतन दिया जाता है। इसके बाद भी संविदा कर्मचारियों को वेतन के लिये 4 महीने से लाले पड़े हुए हैं।

मछली परिवार पर बड़े एक्शन की तैयारी

भोपाल (एजेंसी) मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित ड्रग्स और यौन शोषण के आरोपी शारिक मछली परिवार केस में क्राइम ब्रांच बड़े एक्शन की तैयारी में है। इस कड़ी में मछली पर शिकंजा कसते हुए पूछताछ के लिये 17 अक्टूबर सोहेल मछली और 19 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच ने शारिक मछली को मूल दस्तावेजों के साथ तलब किया है।

बता दें कि मछली परिवार के सदस्यों पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर करोड़ों की संपत्ति बनाना, ड्रग्स की तस्करी, लड़कियों से यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली जैसे मामले दर्ज हैं। पुलिस को इनके ठिकानों से कई अवैध हथियार, नशे के पदार्थ और आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं। इस केस में शाहवर, शारिक और यासीन की भूमिका पर सवाल उठे हैं।

हर माह लगाएंगे हाजिरी

इधर ड्रग तस्करी के आरोप में भोपाल क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार किए गए यासिन मछली और अमन दहिया को हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा तो कर दिया है। बावजूद इसके दोनों आरोपियों हर माह 10 और 25 तारीख को संबंधित थाने में हाजिरी लगाना अनिवार्य कर दिया है। न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने यह निर्देश दिया है।

अपनी ही नगर पंचायत अध्यक्ष को हटाने पर अड़े भाजपा पार्षद

भोपाल (एजेंसी) हरदा जिले में भाजपा की नगर पालिका अध्यक्ष को हटाने के लिए सियासी संग्राम शुरू हो गया है। भाजपा और कांग्रेस के पार्षद एकजुट हो गए हैं। भाजपा के पार्षद तो इतने नाराज हैं कि अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन लेकर हरदा कांग्रेस विधायक आरके दोगने के साथ कलेक्टर ऑफिस पहुंच गए। हालांकि बाद में पार्षदों ने इसको संयोग बताया। कहा कि विधायक के साथ नहीं आए हैं, जबकि कांग्रेस विधायक आरके दोगने ने साथ में आने का दावा किया है। उधर, भाजपा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पार्षदों को 24 घंटे में जवाब मांगा है। दरअसल, जिले की सिराली नगर परिषद में उठापटक चल रही है। जहां अध्यक्ष को हटाने के लिए भाजपा पार्षदों के साथ कांग्रेस के पार्षद भी एक हो गए। सोमवार को नगरपरिषद के 15 में से 13 पार्षद अपना इस्तीफा देने हरदा कलेक्ट्रेट पहुंचे। इन पार्षदों को हरदा से कांग्रेस विधायक डॉ. आरके दोगने और कांग्रेस के जिला प्रवक्ता आदित्य गार्गव के साथ कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से मुलाकात की। इन सभी पार्षदों ने नगर परिषद अध्यक्ष अनीता अग्रवाल की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस विधायक डॉ. आरके दोगने ने कहा कि सिराली नगर परिषद के 10 भाजपा और तीन कांग्रेस पार्षद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए थे। उन्होंने इन पार्षदों को कलेक्टर से मिलवाया है। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर पुरुषोत्तम कुमार को पार्षदों का सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। सत्यापन के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस घटनाक्रम के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष और टिमरनी के पूर्व विधायक संजय शाह ने पत्रकारों को बताया कि सबंधित पार्षदों को बुलाया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा ने माना कि परिषद के पार्षद नगर परिषद की अध्यक्ष अनीता अग्रवाल की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि नए संशोधन के बाद पुराने अध्यक्ष को हटाना और पार्षदों में से किसी नए को अध्यक्ष बनाना आसान नहीं है। इसलिए पार्षदों की मांग नहीं मानी जा रही है। मालूम हो कि सिराली के वार्ड 9 से निर्विरोध निर्वाचित पार्षद पायल कुशवाहा को अध्यक्ष बनाने के लिए सभी पार्षदों का एक मत है। पार्षदों का मानना है कि यदि अध्यक्ष का इस्तीफा होता है तो पायल अध्यक्ष पद की सबसे प्रबल दावेदार होंगी। इस संबंध में हरदा कलेक्टर का कहना है कि 13 पार्षद मिलने आए थे, जिनका सत्यापन करने के बाद राज्य चुनाव आयोग को जानकारी भेज दी जाएगी। मालूम हो कि मध्यप्रदेश सरकार ने नगरीय निकाय के अध्यक्षों की कुर्सी बचाने के लिए एक्ट में संशोधन किया है।

राज्यसभा सांसद जिनेवा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी को 151वीं आईपीयू असेंबली में मिला अवसर

भोपाल (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित होने वाली 151वीं इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन असेंबली में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बड़वानी जिले के आदिवासी समाज के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि पहली बार उनके समाज से कोई नेता इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मेलन 19 से 23 अक्टूबर तक जिनेवा के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में होगा।

इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन विश्व का सबसे पुराना और प्रभावशाली संसदीय संगठन है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र, मानवाधिकार, शांति, सतत विकास और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इस असेंबली में लगभग दो सौ से अधिक देशों के संसद सदस्य और प्रतिनिधि भाग लेंगे।

इस बार असेंबली का मुख्य एजेंडा

19 अक्टूबर से विभिन्न सत्रों की बैठकें प्रारंभ होंगी, जिनमें महिला सांसद मंच, युवा सांसद मंच, मानवाधिकार समिति और लोकतंत्र समिति की बैठकें शामिल हैं। 20 अक्टूबर को असेंबली का औपचारिक उद्घाटन होगा और उसी दिन सामान्य वाद-विवाद की शुरुआत होगी। 22 अक्टूबर को विशेष जवाबदेही सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें सदस्य देश अपने यहां पारित प्रस्तावों के पालन और परिणामों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। 23 अक्टूबर को सम्मेलन का समापन होगा और सभी प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लिए जाएंगे। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी राजनीति में आने से पहले इतिहास के प्रोफेसर रहे हैं। वे उच्च शिक्षित, विचारशील और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति हैं, जिनकी पहचान एक सादगीपूर्ण किंतु प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में की जाती है। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, संस्कृति और समाजसेवा की शिक्षा दी, और अब वही शिक्षक विश्व मंच पर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा और आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका यह दौरा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरे आदिवासी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे

यह पहली बार है जब भाजपा सरकार ने हमारे आदिवासी समाज से एक विद्वान, विचारवान और कर्मठ नेता को विदेश स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। यह निर्णय इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार हर वर्ग, समुदाय और क्षेत्र के विकास और सम्मान में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अवसर डॉ. सोलंकी के नेतृत्व और समर्पण की पहचान है और इसने आदिवासी समाज को नई ऊंचाई प्रदान की है। प्रस्थान से पूर्व डॉ. सोलंकी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने उन पर विश्वास प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह अवसर केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज का सम्मान है। वे इस दौरे के दौरान भारत की लोकतांत्रिक भावना, संविधान की मर्यादा और आदिवासी समाज की सांस्कृतिक चेतना को वैश्विक स्तर पर साझा करेंगे। इस यात्रा के माध्यम से भारत विश्व को यह संदेश देगा कि उसका लोकतंत्र केवल राजनीतिक व्यवस्था नहीं बल्कि जीवन मूल्य है, जो समानता, सहअस्तित्व और मानवता के सिद्धांतों पर आधारित है। डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का यह दौरा निश्चित रूप से भारत और आदिवासी समाज दोनों के लिए एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक अध्याय साबित होगा।

हिंदी में 55 और अंग्रेजी वाले में 53 प्रतिशत की सहमति

महंगाई भत्ता देने का सरकार का एक आदेश, दो निर्देश...

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य के पेंशनरों, परिवार पेंशनरों को पेंशन पर महंगाई राहत स्वीकृत तो कर दी, लेकिन अंग्रेजी और हिंदी में जारी किए गए आदेश में प्रतिशत में गफलत कर दी। हिंदी के आदेश के आधार पर 55 तो अंग्रेजी में जारी किए गए आदेश में 53 प्रतिशत का उल्लेख किया गया है। अब पेंशन पाने वाले रिटायर्ड अधिकारियों में इस बात की उलझन बनी हुई है कि आखिरकार किस आदेश को माना जाए। कल जारी आदेश को लेकर खुशी के माहौल के बजाय चर्चाओं का दौर चल पड़ा है। मप्र शासन वित्त विभाग के जारी आदेश के बाद महंगाई भत्ते को लेकर राज्य शासन के पेंशनरों, परिवार पेंशनरों को छठवें वेतनमान में मूल पेंशन या परिवार पेंशन पर 246 फीसदी की दर से एवं सातवें वेतनमान में 53 फीसदी की दर से मंहगाई राहत स्वीकृत थी। छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग द्वारा पत्र भेजकर मप्र पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 के अंतर्गत पेंशनर, परिवार पेंशनर को सातवें वेतनमान में 55 फीसदी एवं छठवें वेतनमान में 252 फीसदी महंगाई राहत दिए जाने हेतु सहमति मांगी थी, जिसे स्वीकार करते हुए, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 01 सितंबर से दिए जाने की घोषणा कर दी है। लेकिन जो आदेश दिए वह अटकाने वाले हैं। अब यह ऑपरेटिंग गलती है या कुछ और, आगे जारी होने वाले आदेशों से ही पता चल पाएगा। पेंशनर एसोसिएशन इस गलती को लेकर भी शासन के समक्ष पत्र लिखकर सुधार की गुजारिश करेगा।

अतिरिक्त पेंशन पर भी महंगाई राहत देय

80 वर्ष आयु पूर्ण अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को देय अतिरिक्त पेंशन पर भी महंगाई राहत देय होगी। उपरोक्त महंगाई राहत अधिवार्षिकी, सेवानिवृत्त, असमर्थता तथा क्षतिपूर्ति पेंशन पर देय होगी। सेवा से पदच्युत या सेवा से हटाए गए कर्मचारियों को स्वीकार किए गए अनुकंपा भत्ता पर भी महंगाई राहत की पात्रता होगी तथा परिवार पेंशन तथा असाधारण पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को भी उक्त महंगाई राहत वित्त विभाग के प्रतिबंधों के अधीन देय होगी। यदि किसी व्यक्ति को उसके पति-पत्नी की मृत्यु के कारण अनुकंपा के आधार पर सेवा में रखा गया है तो ऐसे मामलों में परिवार पेंशन पर महंगाई राहत की पात्रता नहीं होगी, परंतु यदि मृत्यु के समय वह सेवा में है तो मृत्यु के कारण देय परिवार पेंशन पर उसे महंगाई भत्ते की पात्रता होगी। और भी अन्य नियम जारी किए गए हैं।

दीपावली से पहले मप्र कर्मचारियों की मांग तेज़

- सरकार से जताई 3 प्रतिशत डीए और बोनस की उम्मीद

भोपाल (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दे दी है। इसके बाद राज्य के कर्मचारियों ने भी मांग तेज कर दी है। सरकार ने इन्हें दीपावली से पहले डीए एवं डीआर के साथ बोनस की उम्मीद जताई है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि दीपावली से पहले ये लाभ दे दिया जाए, ताकि कर्मचारियों के परिवार त्योहार खुशियों के साथ मना सकें। प्रदेश के कर्मचारियों ने फेस्टिवल एडवांस की राशि बढ़ाने की भी मांग की है। उधर, माना जा रहा है कि राज्य सरकार जल्द ही कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है। बता दें कि प्रदेश सरकार ने अप्रैल 2025 में कर्मचारियों का डीए 5 प्रतिशत बढ़ाया था, जिससे दर 55 प्रतिशत हो गई थी। इसके साथ ही सरकार ने एरियर का भुगतान 5 किस्तों में करने का निर्णय लिया था। अब अक्टूबर में एरियर की अंतिम किस्त कर्मचारियों के खातों में आने वाली है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि उसी समय डीए वृद्धि और बोनस का ऐलान भी किया जाएगा।

प्रदेश में मिल रहा 55 प्रतिशत, केंद्र में बढ़कर हुआ 58

वर्तमान में मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार के कर्मचारियों का डीए अब 3 प्रतिशत बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है। राज्य के कर्मचारियों का डीए जुलाई 2025 से बकाया है, जिसे अभी तक नहीं बढ़ाया गया है। इससे प्रदेश के कर्मचारियों में नाराजगी है, क्योंकि उन्हें हमेशा केंद्र के बाद देरी से डीए वृद्धि मिलती है।

29 साल से बंद है बोनस

तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि वर्ष 1996 से प्रदेश में बोनस बंद है। उस समय कर्मचारियों को 1079 रुपए तक बोनस के रूप में दिया जाता था। केंद्र सरकार और रेलवे आज भी अपने कर्मचारियों को दीपावली बोनस देती हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में यह सुविधा वर्षों से बंद है।

केंद्रीय कृषि मंत्री के घर पर बिना अनुमति प्रदर्शन पर हुए एफआईआर पर कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा...

जनता के बीच लाएंगे शिवराज का असली चेहरा

भोपाल (एजेंसी) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित 20-25 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है। केस दर्ज होने के मामले में पूर्व मंत्री और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने शिवराज सिंह चौहान पर पलटवार किया है। मुकेश नायक ने कहाकि शिवराज सिंह ये मुकदमा दर्ज करके आपने बहुत बड़ी गलती की है। प्याज के छिलके जैसी एक-एक परत निकालकर अगले छह महीने में जनता के बीच में आपका असली चेहरा निकालकर रख दूंगा। ये धमकी नहीं है ये मुकदमा दर्ज करके आपने राजनीति का स्तर नीचे किया है, इसका परिणाम आएगा।

पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने कहा कि कल हम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के यहां जीतू पटवारी के नेतृत्व में मिलने गए थे। तो सबसे पहले शिवराज सिंह चौहान ने यह कहा कि राजनीति करना है तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि एक प्रमुख विपक्षी दल का अध्यक्ष आपसे मिलने गया है वो राजनीति नहीं करेगा तो क्या मछली मारने की बात करेगा। नायक ने कहा कि आपने (शिवराज) बड़ी सौम्यता और सम्मानजनक ढंग से बात की और आपके घर के बाहर निकले तो आपने मुकदमा दर्ज करा दिया। यही आपके दो चेहरे हैं। बाहर का कुछ और अंदर से कुछ और। जब हम मिलने गए तो आपका इतना सौम्य चेहरा था कि आपने खरगोश जैसा सौम्य मुंह बना कर हम लोगों से बड़ी सहृदयता से बात की। यही आपके दो रूप हैं, जो प्रदेश की जनता जान चुकी है। आपके घर के सामने आपके जन्मदिन पर 500 गाड़ियां रोड पर खड़ी थीं आपने अनुमति ली थी? मुकेश नायक ने कहा कितथाकथित सीहोर वाले संत दस-दस दिन जब रुद्राक्ष बांटते हैं तो ट्रेफिक जाम होता है। आठ-दस घंटे तक लोग, बच्चे, महिलाएं सड़कों पर खड़े रहते हैं। उन्होंने अनुमति ली थी? उनकी कांवड़ यात्रा में दस लोग मर गए उन पर मुकदमा दायर नहीं किया आपने?

शिवराज ने सिर्फ लोगों का फायदा उठाया

मुकेश नायक ने कहा कि हम लोगों ने आपके ऊपर बहुत रिसर्च किया है। आपसे ज्यादा किसी नेता ने इस मप्र का लाभ नहीं उठाया। आपने किसी की मदद नहीं की। विदिशा, बुधनी में पूछ लें तो चार लोगों की आपने मदद नहीं की। आप सिर्फ लोगों से मदद लेते हैं आपका दोहरा चेहरा है आपका चेहरा अलग और हृदय अलग है। मुकेश नायक ने कहा किसान ने एक बोरा सोयाबीन बोया और फसल कटी तो 50 किलो निकला। किसान खुद शिवराज सिंह से कह रहा था हमने 18 हजार का बीज लिया और हमारा सोयाबीन 11 हजार का बिका। हम मजदूरी तक नहीं दे पा रहे। हम उस रोते हुए किसान की समस्या लेकर आपके पास गए थे। और आप इतने वर्षों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद कृषि मंत्री हैं। आपके पास नहीं जाएंगे तो कहां जाएंगे। आप कहते हैं बिना अनुमति के आ गए, आप इतने बड़े राजा और महाराजा हो गए कि दुखी और पीड़ित आदमी को आपसे मिलने के लिए अनुमति लेना पड़ेगी?

बिहार में कमल खिलेगा, मोदी जी का संकल्प साकार होगा

-डॉ. नरोत्तम मिश्रा बोले...

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान तेज कर दिया है। मुजफ्फरपुर, बोचहां सहित कई विधानसभा क्षेत्रों में बतौर प्रभारी वे बूथ स्तर की बैठकों और संगठनात्मक समीक्षाओं में जुटे हैं। बुधवार को पूर्वी गरीबनाथ नगर मंडल सहित कई मंडल बैठकों में उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया और रणनीति पर मंथन किया।

डॉ. मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अनमोल हैं, क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे वैश्विक नेता के मार्गदर्शन में काम करने का अवसर मिला है। मोदी जी जो संकल्प लेते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं। कश्मीर से धारा 370 हटाने पर विरोधियों ने खूनखराबे की भविष्यवाणी की थी, लेकिन मोदी जी ने शांति से इसे हकीकत बनाया। अयोध्या में राम मंदिर को असंभव बताया गया, पर मोदी जी ने भव्य मंदिर बनवाकर इतिहास रच दिया।

बिहार में राष्ट्रवादियों की सरकार

डॉ. मिश्रा ने जोर देकर कहा कि अब बिहार की बारी है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड जीत तय है। बिहार में फिर से राष्ट्रवादियों की सरकार बनेगी। कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि टिकट का सवाल गौण है। हमारा लक्ष्य केवल कमल का फूल खिलाना है, और उसकी जीत हमारा धर्म है। डॉ. मिश्रा ने बूथ प्रबंधन को सशक्त करने और घर-घर संपर्क अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर मतदाता तक पहुंचकर भाजपा के विकास कार्यों और मोदी जी के विजन को जन-जन तक ले जाने का आह्वान किया।

आज दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में होगी टक्कर

कोलंबो ।एजेंसी। महिला विश्वकप एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में शुक्रवार को मेजबान श्रीलंकाई टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। श्रीलंकाई टीम के पास इस मैच जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने का अवसर है। श्रीलंका को दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक ही मिले हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना बेहद जरुरी है। इस मैच में बारिश बाधा बन सकती है अगर ऐसा हुआ तो श्रीलंकाई टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन हो जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था पर बारिश के कारण उसके हाथ आया मैच निकल गया था। तब उस मैच में कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक लगाकर टीम की जीत तय कर दी थी।

अब श्रीलंकाई टीम को उम्मीद रहेगी की ये दोनो ही खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करें। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत और बांग्लादेश को करीबी मैचों में हराया था और इससे उसका मनोबल बढ़ा है। उसे टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी पर उसके बाद उसने न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश को हराकर जबरदस्त वापसी की।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादिन डी क्लार्क ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिससे अब श्रीलंकाई टीम को बचना होगा। दक्षिण अफ्रीका की अब तक की कमजोरी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छी शुरुआत के बाल भी लंबी पारी नहीं खेल पाना है। ऐसे में अगर उसे जीत हासिल करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

श्रीलंका- चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंगा, पिउमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदानी, मल्की मदारा, अचिनी कुलसुरिया।

दक्षिण अफ्रीका- लौरा वोल्वार्डट (कप्तान), ताज़मिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसन, मारिज़ैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुसोनगेस, नोंदुआबोमिसो म्लाबा।

बारिश के कारण मुकाबला रद्द होने से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई पाकिस्तान

कोलंबो ।एजेंसी। बारिश के कारण महिला विश्व कप क्रिकेट में पाकिस्तान और इंग्लैंड का मुकाबला पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हुई लगातार बारिश से दोनो ही टीमों को अंक बांटने पड़े हैं। इसी के साथ ही पाक टीम अब तक केवल एक अंक हासिल करने के साथ ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। इस मैच में पाक ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 133 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पाक को जीत के लिए 113 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए पाक ने सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली के 9 और ओमाइमा सोहेल के 19 रनों की सहायता से 6.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 34 रन बना लिए थे। लगातार बारिश को देखते हुए अंपायरों ने मैच रद्द कर दिया।

इससे पाक टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। पाक टीम इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं जीत पायी। वह तीन हार के बाद अंक तालिका में केवल एक अंक से सबसे नीचे रही है। अब उसे न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका से खेलना है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड सात अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। दूसरे नंबर पर चल रही ऑस्ट्रेलिया के भी सात अंक है पर उसका रनरेट प्लस 1.35 है जबकि इंग्लैंड का प्लस 1.86 है। यह टूर्नामेंट का तीसरा मैच था जो बारिश के कारण रद्द हुआ है। इससे पहले श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका और न्यूजीलैंड का मैच भी बारिश के कारण नहीं हो पाया था।

बाबर आजम से मिलने ड्रेसिंग रुम पहुंचा प्रशंसक गिरफ्तार

लाहौर ।एजेंसी। यहां के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहला टेस्ट मैच जीता है पर इस दौरान एक प्रशंसक के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने से सुरक्षा में लापरवाही का मामला भी सामने आया है। इससे पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सुरक्षा इंतजामों की पोल भी खुल गयी है। इस प्रकार एक व्यक्ति के ड्रेसिंग रुम तक पहुंचने से अफरातफरी मच गयी। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक युवा प्रशंसक जब ड्रेसिंग रूम पहुंचा तब उस समय बाबर ड्रेसिंग रूम नही थे। कोचिंग स्टाफ ने इस प्रशंसक को लेकर तुरंत सुरक्षा टीम को जानकारी दी। उसके बाद कुछ ही समय में इस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पीसीसबी ने हालांकि इस घटना पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट में हराकर डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंचा पाकिस्तान

लाहौर ।एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका को यहां मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही पिछले 10 टेस्ट मैचों से जीत रही दक्षिण अफ्रीकी टीम के विजय अभियान पर विराम लग गया है। पाक ने दक्षिण अफ्रीका को इस मुकाबले में 93 रनों से हरा दिया। इस तरह पाक टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान टीम ने पहली पारी में 378 रन बनाए। पाक टीम की ओर से इमाम-उल-हक 93, सलमान आगा 93, कप्तान शान मसूद ने 76 और मोहम्मद रिजवान ने 75 रन बनाये। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की ओर से टोनी डी जॉर्जी ने 104 रनों की अच्छी पारी खेली, जबकि ओपनर रयान रिकेलटन ने भी अहम 71 रन जोड़े पर बाद के बल्लेबाज विफल रहे और पूरी टीम 277 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 183 रनों पर ही आउट हो गयी।

पाक की जीत में स्पिनर नोमान अली की अहम भूमिका रही। नोमान ने इस मैच में कुल दस विकेट लिए। जीत के साथ ही पाक टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गयी। वहीं पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम है। श्रीलंकाई टीम तीसरे जबकि भारतीय टीम चौथे नंबर पर रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में रोहित, विराट सहित इन खिलाड़ियों का खेलना तय

मुम्बई ।एजेंसी। भारतीय टीम अभी एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। भारतीय टीम को पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलना है। इसके लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह तय मानी जा रही है। ये दोनो ही बल्लेबाज करीब छह महीने के बाद खेलते नजर आयेंगे।

पहले एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित और कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

ऐसे में यशस्वी जायसवाल को पहले मैच में बाहर बैठना पड़ेगा। वहीं नंबर 3 पर विराट उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों को देखते हुए विराट से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद है। विराट के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 302 मैचों की 290 पारियों में 14181 रन बनाए हैं। वह केवल 54 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। अभी श्रीलंका के

कुमार संगाकारा दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। श्रेयस भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। विकेट कीपर के तौर पर केएल राहुल खेलेंगे। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। छठे नंबर पर ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी उतरेंगे। वह डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। वहीं अगर शुरूआती विकेट जल्दी गिर गए तो संभलकर भी खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को भी अच्छे से खेलते हैं। इसके अलावा वह मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं।

वहीं स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी।

संभावित अंतिम 11

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

अश्विन के होने से बीबीएल का आकर्षण बढ़ेगा - शास्त्री

सिडनी ।एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन 16 दिसंबर को सिडनी थंडर की ओर से बिग बैश लीग ((बीबीएल) में डेब्यू करेंगे। अश्विन पूरे बीबीएल सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनकी टीम का पहला मैच हॉबार्ट हरिकेंस से होगा। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। साथ ही कहा कि ये पहली बार होगा जब कोई 600 विकेट देने वाला खिलाड़ी लीग में खेलता दिखेगा। अश्विन इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान अनमुक्त चंद ने इस लीग में खेला है पर वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं थे। शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का स्तर बढ़ेगा और युवा बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ खेलने का बेहतर अनुभव मिलेगा। अश्विन से कुछ अन्य टीमों ने भी संपर्क किया था पर डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर ने उनके साथ पूरे सत्र के लिए करार किया जो उन्होंने स्वीकार कर लिया।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में मैच पर अश्विन ने उठाये सवाल

चेन्नई ।एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अगले माह गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में भी एक टेस्ट मैच खेला जाएगा। ये पहली बार होगा जब इस मैदान पर कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसी को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आशंकाएं जाहिर की हैं। अश्विन के अनुसार इस प्रकार के मैदान पर खेलना दोनो ही टीमों के लिए एक नया अनुभव होगा। अश्विन ने इसी को लेकर कहा कि देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि दोनों टीमें यहां के हालात को नहीं जानती जिससे कि ये मैच विदेश में खेले जाने वाले मुकाबले जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा क्योंकि यहां भारतीय टीम 22 से 26 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी।

अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने कहा, "दक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है और उसके पास ऐसे बल्लेबाज भी नहीं है जो स्पिनर को अच्छी तरह से खेल सकें। लेकिन हमें टेस्ट केंद्रों के बारे में बात करनी होगी।

साथ ही कहा, "विराट कोहली ने कई साल पहले कहा था कि हमारे पास मानक टेस्ट केंद्र होने चाहिए। मेरा भी व्यक्तिगत तौर पर मानना ??है कि अब समय आ गया है कि हम इस पर गंभीरता से विचार करें। हमें स्थायी टेस्ट केंद्र और अच्छी पिचें तैयार करने की जरूरत है।" अश्विन ने कहा कि पिच और वहां के हालातों के बारे में किसी भी घरेलू टीम को पता होना चाहिये।

कमिंस बोले, ऑस्ट्रेलियाई लोगों के पास रोहित और कोहली को खेलते देखने का अंतिम अवसर

सिडनी ।एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने प्रशंसकों से कहा है कि वे भारत के साथ होने वाली एकदिवसीय सीरीज को देखें क्योंकि ये विराट कोहली ओर रोहित शर्मा का अंतिम दौरा हो सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज पर्थ में 19 अक्टूबर से होगी। पीठ में खिंचाव के कारण इस दौरे से बाहर रहने वाले कमिंस ने कहा कि ये सीरीज ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए विशेष इसीलिए होगी क्योंकि इसके बाद उन्हें इन दोनो को देखने का अवसर नहीं मिलेगा। कमिंस के अनुसार इन दोनो को ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए देखना हमेशा से ही आकर्षण का केन्द्र रहा है।

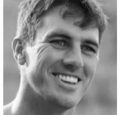

कमिंस ने कहा, विराट और रोहित पिछले 15 सालों से तकरीबन हर दौरे में शामिल हे हैं। उनके बिना भारतीय क्रिकेट की कल्पना करना भी कठिन है। ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए उन्हें यहाँ खेलते हुए देखने का यह अंतिम अवसर हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों खिलाड़ी न सिर्फ भारत बल्कि विश्व क्रिकेट के चैंपियन रहे हैं। जब भी वे ऑस्ट्रेलिया में खेलते हैं, दर्शकों को काफी आनंद आता है।

कमिंस का कहाना है कि व फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर रहेंगे जो उनके लिए निराशाजनक है हालांकि इसके बाद भी वह अपनी टीम के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहना निश्चित रूप से निराशाजनक है। ऐसी सीरीज़ हमेशा ही रोमांचक होती है, वह भी जब देशभर में पहले से ही दर्शकों में उत्साह हो। मुझे भरोसा है कि स्टेडियम पूरी तरह से भरे होंगे। कमिंस ने यह भी कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी इतनी बड़ी सीरीज नहीं खेल पाता है, तो उसे खालीपन लगता है।

कमिंस इस बार मैदान पर नहीं होंगे पर उन्होंने इस सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये मिशेल मार्श को युवाओं का अवसर देने की सलाह दी है। कमिंस ने कहा, तीन मैचों की यह सीरीज जीतना ज़रूरी है पर इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है नए खिलाड़ियों को अवसर देना। कई युवा ऐसे हैं जो पिछले विश्व कप में नहीं थे। हमें देखना होगा कि वे दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि यह सीरीज़ टीम संयोजन तय करने में भी काफी अहम साबित होगी, जिससे आने वाले टूर्नामेंटों के लिए बेहतर टीम तैयार की जा सके। वहीं मिशेल स्टार्क द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले पर भी कमिंस ने कहा कह वह पहले से ही इस पर विचार कर रहे थे। इसको कारण है कि तीनों प्रारूपों में खेलना बेहद कठिन है। वह मुझसे कुछ साल बड़े हैं और पहले ही 100 टेस्ट खेल चुके हैं। उनका ध्यान अब टेस्ट क्रिकेट पर है, जो ठीक भी है।

भाई को पावर ऑफ अटार्नी देकर ऑस्ट्रेलिया गये हैं विराट

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना होने से पहले अपनी भाई विकास कोहली को संपत्ति की पॉवर ऑफ एटॉर्नी सौंपी थी। इसका कारण है कि विराट परिवार के साथ अधिकतर समय लंदन में ही रहते हैं। ऐसे में संपत्ति से जुड़े मामलों में फैसले का अधिकार उन्होंने अपने भाई को दे दिया है। जिससे कि उन्हें किसी तरह का कानूनी फैसला लेने में परेशानी न आये। विराट ने इसी लिए गुरुग्राम के तहसील कार्यालय जाकर कागजों पर हस्ताक्षर किए थे।

ब्रॉड ने वार्नर के एशिज में 4-0 से जीत के दावे को खारिज किया

लंदन ।एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई टीम बेहद कमजोर है। ऐसे में डेविड वार्नर का एशेज 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया की 4-0 की जीत का दावा खोखला साबित होगा। ब्रॉड के अनुसार वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले एक दशक में सबसे कमजोर दिखाई दे रही है और टीम की रणनीति पर भी संशय बना हुआ है।

ब्रॉड ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम के लिए जीतना काफी कठिन होता है। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत का बड़ा दावेदार माना जा रहा है। वहीं सवाल ये है कि कौन सी टीम दबाव में है, और मुझे लगता है कि अभी ऑस्ट्रेलियाई टीम पर ही दबाव है क्योंकि उनकी एकजुट नहीं है और कप्तान की फिटनेस पर भी आशंकाए लगी हुई हैं। साथ ही कहा कि ये सा 2010 के बाद की सबसे कमजोर ऑस्ट्रेलियाई टीम है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम सबसे मजबूत है। ।

ब्रॉड ने कहा कि इंग्लैंड की तैयारी काफी अच्छी है हालांकि उन्होंने माना है कि टीम के मैदान पर उतरने के बाद ही पता चलेगा कि वह उस दिन कैसा खेलती है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी कप्तान और टीम संतुलन को लेकर अपने फैसले नहीं कर पायी है। इंग्लैंड ने 2010-11 एशेज में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था, लेकिन उसके बाद से वह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पायी है। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य किसी भी हाल में जीत हासिल करना रहेगा।

भारत बनेगा कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का मेजबान

अहमदाबाद करेगा शताब्दी समारोह की मेजबानी

अहमदाबाद ।एजेंसी। भारत के खेल क्षेत्र के विकास को गति देने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने वर्ष-2030 में आयोजित होने वाले 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन भारत में करने की सिफारिश की है। साथ ही, बोर्ड ने यह भी सिफारिश की है कि इन खेलों की मेजबानी गुजरात के अहमदाबाद को दी जाए। इस बात की पूरी संभावना है कि 1930 में शुरू हुए कॉमनवेल्थ गेम्स का शताब्दी समारोह अहमदाबाद में आयोजित होगा। बोर्ड की इस सिफारिश को अब नवंबर-2025 में आयोजित होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की महासभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज और उनकी प्रतिभा को तराशने के लिए निरंतर प्रयासरत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगातार मार्गदर्शन के कारण देश में 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन के लिए यह सिफारिश की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अथक प्रयासों के कारण भारत खेल क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसके कारण कॉमनवेल्थ गेम्स के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अहमदाबाद को 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं उज्ज्वल हो गई हैं।

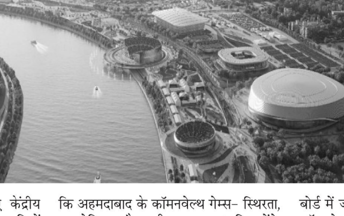

इस क्षण का स्वागत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के सभी नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि इसका श्रेय पीएम मोदी के निरंतर प्रयासों को जाता है। खेलों से संबद्ध मजबूत बुनियादी ढांचे और खिलाड़ियों को तैयार कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के समकक्ष लाने के कारण ही भारत को यह सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि यह गुजरात और भारत के लिए वास्तव में गर्व का क्षण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता की प्रशंसा की और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद के चयन के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ऑफ कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के निर्णय का स्वागत किया। गौरतलब है कि 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स केवल एक खेल प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय खेल उत्सव के 100 वर्षों के सफर का जश्न भी होगा। ये खेल कॉमनवेल्थ के 74 देशों के बीच एक शताब्दी से चली आ रही खेल भावना और सहयोग का प्रतीक होंगे, और गुजरात का अहमदाबाद शहर इस इतिहास का गवाह बनने को तैयार है। कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने 100वें कॉमनवेल्थ गेम्स को 'गेम्स फॉर द फ्यूचर' बताते हुए कहा कि अहमदाबाद के कॉमनवेल्थ गेम्स- स्थिरता, समावेशिता और नवीनता पर आधारित होंगे, जो कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की अगली सदी की नींव को और भी मजबूत बनाएंगे तथा इसके सकारात्मक प्रभाव आने वाले कई वर्षों तक भारत के बाहर भी देखने को मिलेंगे।

इस संदर्भ में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि अहमदाबाद में 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का क्षण होंगे। यह खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व और भारत सरकार के इस विश्वास को दर्शाता है कि खेल लोगों को एकजुट कर सकते हैं, समावेशिता को बढ़ावा दे सकते हैं और नई पीढ़ी को प्रेरणा दे सकते हैं। भारत की यह सफलता 'विकसित भारतञ्च2047' के राष्ट्रीय विजन को मजबूत करेगी, जहां विश्वस्तरीय खेल, बुनियादी ढांचा और युवा विकास हमारे देश की विकास गाथा के साथ जुड़े हुए हैं।

गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी ने इस अवसर को भारत और गुजरात के लिए गौरव का क्षण करार देते हुए कहा कि अहमदाबाद में आयोजित होने वाले 100वें कॉमनवेल्थ गेम्स केवल एक वैश्विक स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी भर नहीं है, बल्कि ये पूरी दुनिया के समक्ष 'आत्मविश्वासी, समर्थ, भविष्य-उन्मुख एवं नए भारत' को प्रस्तुत करने का एक सुनहरा अवसर भी होगा। गुजरात सरकार कॉमनवेल्थ के 100 वर्षों की विरासत का सम्मान करते हुए कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की अगली सदी के लिए मार्ग प्रशस्त करने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के 'गेम्स रीसेट' के सिद्धांत- सामर्थ्य, समावेशिता, स्थिरता और विरासत को बढ़ावा देने वाले भारत सरकार, गुजरात सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किए गए आयोजन के प्रस्ताव की बोर्ड में जोरदार प्रशंसा की गई। वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स भारत की वैश्विक खेलों का केंद्र बनने की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को और अधिक मजबूत करेंगे। यह वैश्विक इवेंट शहरी नवीनीकरण, युवाओं की भागीदारी और खेल में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे।

जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका में बालाघाट जिले ने प्रथम स्थान हासिल किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान जबलपुर में नेहरू विज्ञान केंद्र संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश अनुसार 15 अक्टूबर को जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका महोत्सव 2025 आयोजित की गई। इसमें बालाघाट जिले के माडल स्कूल बिरसा की छात्राओं ने प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया है और बालाघाट जिले का नाम रोशन किया है।

नाटिका का मुख्य विषय मानव जाति के लाभ के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान में महिला, उन्नत कृषि, डिजिटल भारत, सभी के लिए स्वच्छता एवं हरित तकनीक निर्धारित की गई थी। इस विषय पर जबलपुर जोन के तीन जिले बालाघाट, कटनी एवं नरसिंहपुर ने सहभागिता की। जिसमें बालाघाट जिले के प्रतिभागियों ने सभी के लिए स्वच्छता के साथ महिला स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा नशामुक्ति के लिये जागरूकता को नाटक के माध्यम से मंचन किया और जोन स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया।

15 अक्टूबर 2025 को प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई), जबलपुर में आयोजित जोन स्तरीय विज्ञान

नाटिका प्रतियोगिता 2025-26 में शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा की छात्रायें कु. दिव्य ज्योति पंचतिलक, कु. चंचल राहंगडाले, कु. सुजाता यादव, कु. नेहा बघेल एवं कु. विद्या बिसेन ने मार्गदर्शी शिक्षक जयप्रकाश यादव के निर्देशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता का विषय था मानव जाति के लाभ के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी। जिस पर आधारित विज्ञान नाटिका प्रस्तुत कर माडल स्कूल बिरसा की छात्राओं ने अपनी सृजनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रभावशाली अभिनय कौशल से निर्णायकों को प्रभावित किया। इसमें कटनी के प्रतिभागियों ने डिजिटल भारत जबकि नरसिंहपुर के प्रतिभागियों ने विज्ञान में महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित रोचक नाटिका की प्रस्तुति दी।

विद्यालय की टीम ने बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान बनाया है। आगामी 28 एवं 29 अक्टूबर 2025 को भोपाल में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता में यह दल जबलपुर जोन का प्रतिनिधित्व करेगा। विज्ञान नाटिका प्रस्तुति में प्रथम स्थान बालाघाट जिला, द्वितीय स्थान कटनी जिला एवं तृतीय स्थान नरसिंहपुर जिले ने प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त बालाघाट जिले ने राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय एवं एडीपीसी राजेंद्र श्रीवास्तव ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया है। संस्था के प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा ने इसे संस्था की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सभी छात्राओं को आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्था के शिक्षक राजेश कुमार धुर्वे, श्रीमती पूजा कुशरे, राजेश कुमार राहंगडाले, पुष्पेन्द्र कुमार पालके, कमल सिंह मेरावी, उम्मेद केलकर, श्रीमती स्वाति ब्रम्हनोटे, श्रीमती डिलेश्वरी भगत, सुरेश बघेल, आशीष तिल्लासी, संतोष बिसेन, फगनूसिंह सियाम एवं समस्त विद्यालय परिवार ने इस हर्ष के क्षण में सभी छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और इस उपलब्धि पर गौरव एवं हर्ष व्यक्त किया।

कायदी में दो महिला शायर के बीच जंगी मुकाबला -22 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र में आने वाले ग्राम कायदी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी इस ग्राम की ऐतिहासिक मंडई में दो महिला शायरों के बीच शायरी का मुकाबले का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति सागौन वन कायदी के तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम 22 अक्टूबर की रात्रि 9:00 बजे से मंडई स्थल इस ग्राम के सागौन वन में आयोजित किया गया है। जिसमें महिला शायर श्रीमती रेशमी परते जय सेवा महिला मंडल ग्राम गारापुरी लालबर्रा एवं श्रीमती सुनीता मरठे नवदुर्गा महिला मंडल महदुली द्वारा शायरी की शानदार रंगारंग प्रस्तुति की जाएगी। सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के अध्यक्ष त्रिवेंद्र नगपुरे, उपाध्यक्ष खेमचंद नगरगड़े, सचिव उमाशंकर उपराड़े और कोषाध्यक्ष महेश नेवारे ने स्थानीय ग्रामवासी के अलावा अन्य ग्रामों के ग्रामीणों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक तादाद में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लुफ्त उठाने की अपील की है।

फोरलेन में हुई दुर्घटना में एक युवक गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम लेंडझरी के पास से गुजरी फोरलेन में हुई दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक कमलेश पिता शीतल टेम्भरे 28 वर्ष ग्राम चिल्लोद थाना लालबर्रा निवासी है।जिसे जिला अस्पताल से बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया है। यह सड़क दुर्घटना 16 अक्टूबर को करीब 12ः00 बजे होना बताया जा रहा है। यही बताया जा रहा है कि घटना के दौरान कमलेश टेम्भरे अपने गांव से मोटरसाइकिल में बालाघाट आ रहा था। तभी ग्राम लेंडझरी समीप फोरलेन में दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से कमलेश टेम्भरे गंभीर रूप से घायल हो गया। अन्य मोटरसाइकिल में सवार दो युवक को भी दुर्घटना में चोंटेआई है। इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कमलेश टेम्भरे को जिला अस्पताल लाया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

पेंशनर्स को बड़ी राहत शासन ने बढ़ाई मंहगाई राहत

1 सितंबर 2025 से लागू होंगी नई दरें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश के लाखों पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स के लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के पहले बड़ी राहत दी है। उनकी घोषणा के अनुसार राज्य शासन के वित्त विभाग ने 08 मई 2025 के परिपत्र के आधार पर पेंशनर्स को मंहगाई राहत (ष्ठद्गड्डह्ल्ठ्ठद्गद्यह्य ऋक्रद्यद्बद्गद्ध) की दरों में 01 सितंबर 2025 से वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इस बढ़ी राहत दर के हुए लाभ का भुगतान माह अक्टूबर 2025 की पेंशन में किया जाएगा। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार छठवें वेतनमान में पेंशन प्राप्त करने वालों को मंहगाई राहत की दर 246 प्रतिशत से बढ़ाकर 252 प्रतिशत कर दी गई है, जबकि सातवें वेतनमान के पेंशनर्स को यह राहत 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दी गई है। यानी दोनों वेतनमानों के तहत पेंशन पाने वालों को अब और अधिक राहत मिलेगी। विशेष रूप से 80 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले पेंशनर्स को मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन पर भी संशोधित मंहगाई राहत देय होगी। इस निर्णय के अंतर्गत अधिवार्षिकी, सेवानिवृत्त, असमर्थता तथा क्षतिपूर्ति पेंशन के सभी श्रेणियों के पेंशनर्स को यह राहत प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त अनुकंपा भत्ता प्राप्त कर रहे पेंशनर्स और परिवार पेंशन लेने वालों को भी मंहगाई राहत का लाभ मिलेगा, बशर्ते वे शासन के नियमानुसार पात्र हों। वित्त विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सारांशीकृतपेंशन लेने वाले पेंशनर्स को राहत उनकी मूल पेंशन पर ही दी जाएगी। साथ ही वे पेंशनर्स जिन्होंने उपक्रमों, स्वशासी संस्थाओं, मंडलों या निगमों में सेवा देने के बाद वित्त विभाग के नियमों के तहत एकमुश्त राशि प्राप्त की थी, वे भी इस संशोधित मंहगाई राहत के पात्र होंगे। राज्य शासन ने समस्त पेंशन वितरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मध्यप्रदेश कोषालय संहिता 2020 के प्रावधानों के अनुरूप समय पर और सही भुगतान सुनिश्चित करे। साथ ही पेंशन निदेशक को बैंक शाखाओं में नमूना जांच करने और किसी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर उसका समाधान आगामी माह के भुगतान में करने के निर्देश भी दिए गए हैं।इस निर्णय से राज्य के पेंशनर्स को न केवल आर्थिक राहत मिलेगी बल्कि यह निर्णय पेंशनभोगियों के प्रति शासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

रेत एवं मुरम का अवैध खनन करने पर 05 ट्रेक्टर एवं 01 जेसीबी मशीन जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से छापामार कार्यवाही कर रेत एवं मुरम के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त 05 ट्रेक्टर एवं 01 जेसीबी मशीन को जब्त किया गया है। जब्त किये गये वाहनों के मालिकों के विरूद्ध खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

14 अक्टूबर को नायब तहसीलदार पीएल सांडिया, खनिज निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते और थाना तिरोड़ी के पुलिस जवानों द्वारा तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा बावनथड़ी नदी में छापामार कार्यवाही की गई। संयुक्त रूप से की गई इस कार्यवाही के दौरान रेत के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त 03 वाहन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में थाना तिरोड़ी में खड़ा कराया गया है। इसी प्रकार खनिज निरीक्षक श्री कुलस्ते द्वारा 15 अक्टूबर को वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम रामपायली में कार्यवाही कर शासकीय आबादी क्षेत्र से मुरूम का अवैध खनन एवं परिवहन करते पाये जाने पर 01 जेसीबी मशीन एवं 02 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पुलिस थाना रामपायली की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। गौण खनिज रेत एवं मुरम के अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त पाये गये इन वाहनों के विरूद्ध खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नदी से अवैध रेत खनन पर की छापामार कार्यवाही

07 लोगों पर अवैध रेत खनन का दर्ज किया गया प्रकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग के अमले ने 16 अक्टूबर को छापामार कार्यवाही करते हुए गायखुरी-बालाघाट में वैनगंगा नदी में रेत का अवैध खनन करते पाये जाने पर 07 लोगों के विरूद्ध खनिज अधिनियम के अंतर्गत अवैध रेत खनन का प्रकरण दर्ज किया है।

खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुमार कुलस्ते ने बताया कि गायखुरी वैनगंगा नदी में रेत का अवैध रूप से खनन करते पाये जाने पर ग्राम जागपुर के अनिल पिता अजीलाल, गोंगलई के भ ै या ल ा ल पिता मेहतर मसराम, मांझापुर के अजय पिता पवन, वारासिवनी के गंगाराम पिता शिवराम भूरे, छतेरा के कपिल पिता कमल सिंह सर्राटे, गायखुरी के प्रशांत पिता राधेश्याम लिल?हारे एवं ग्राम डोंगरिया के उषाराम पिता भाऊलाल वल्के के विरूद्ध खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है। रेत के अवैध खनन में लिप्त पाये गये इन सभी 07 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

माटी शिल्पी और ग्रामीण कारीगरों सहित गरीब महिलाओं से बाजार शुल्क नहीं लेंगें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दीपावली पर्व के अवसर पर नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रेहड़ी पटरी पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने वाले, पथ पर विक्रय करने वाले छोटे-छोटे व्यवसायी, माटीशिल्पी, स्थानीय व ग्रामीण करीगरों एवं गरीब महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों द्वारा साम्रगी विक्रय किये जाने पर बाजार बैठकी शुल्क न लिया जाये। दीपावली पर्व के अवसर पर रेहड़ी पटरी पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने वाले, पथ पर विक्रय करने वाले छोटे-छोटे व्यवसायी, माटीशिल्पी, स्थानीय/ग्रामीण कारीगरों एवं गरीब महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों के द्वारा दीपावली पर्व के लिए निर्मित मिट्टी एवं गोबर के दीपक, दीपमालायें तथा धार्मिक प्रतीकों के नगरीय निकाय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लाये जाने तथा विक्रय किये जाने एवं स्थानीय कौशल एवं उस पर आधारित स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से इन व्यवसायियों से दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 15 अक्टूबर 2025 से 01 नवम्बर 2025 (ग्यारस पर्व) तक निकाय क्षेत्रांतर्गत किसी भी प्रकार का बाजार एवं बैठकी शुल्क नहीं वसूलने के निर्देश दिये गये हैं। इस संबंध में समस्त नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

महिला नसबंदी शिविर में अव्यवस्था का आलम, 08 घंटे बाद देरी से पहुंची सर्जन

महिलाएं, परिजन और छोटे-छोटे बच्चे पूरा दिन सभी हुए परेशान

पद्मेश न्यूज। कटंगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच आपसी तालमेल, बातचीत की कमी और जिला अस्पताल बालाघाट के अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की गैर जिम्मेदाराना कार्यप्रणाली एक बार फिर से सामने आई है. इस बार मामला राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, परिवार नियोजन के तहत बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में आयोजित होने वाले इस सत्र के पहले महिला नसबंदी शिविर से जुड़ा हुआ है. दरअसल, बिना सर्जन को जानकारी दिए ही कटंगी में महिला नसबंदी शिविर का आयोजन करवा दिया गया. जिसके चलते शिविर में ऑपरेशन के लिए आने वाली महिलाओं को परेशानियों से दो-चार होना पड़ गया. तय समय पर अस्पताल आने के बावजूद महिलाओं को करीब 08 घंटे तक ऑपरेशन थियेटर के बाहर बैठकर सर्जन का इंतजार करना पड़ा. जिससे ना सिर्फ महिलाओं बल्कि उनके साथ आने वाले छोटे बच्चों और परिजनों को मानसिक तनाव सहन करना पड़ा. परिजनों की परेशानी इस बात को लेकर है कि वह सुबह 10 बजे से भूखे-प्यासे आए है ताकि समय पर उनके घरों की महिलाओं के ऑपरेशन हो जाए किंतु शाम साढ़े 06 बजे तक सर्जन नहीं आई और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मचारी लगातार उनसे झूठ बोलते रहे. अस्पताल में ऑपरेशन के लिए महिलाओं से लेकर परिजनों के बैठने तक की उचित व्यवस्था नहीं थी. जिस कारण महिलाओं के परिजन बच्चों को अपने हाथ में पकड़कर पूरा दिन अस्पताल के चक्कर काटते रहे. शाम होते तक महिलाओं के परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच चुका था।

दरअसल, सरकारी अस्पताल में बुधवार को महिला नसबंदी शिविर का आयोजन होना है. इस बात की जानकारी जिला अस्पताल की सर्जन को नहीं दी गई थी. ऐसा दावा स्वयं सर्जन ने किया. वह शाम साढ़े 06 बजे कटंगी अस्पताल पहुंची और ऑफ कैमरा चर्चा करते हुए बताया कि कटंगी अस्पताल की बीई जानकी हरिनखेड़े ने उनसे बिना संपर्क किए ही महिला नसबंदी शिविर का आयोजन करवा दिया. बुधवार की दोपहर साढ़े 03 बजे सहायक ने जानकारी दी कि कटंगी अस्पताल में नसबंदी शिविर है. तब उन्होंने बीई से चर्चा की और शिविर में आने की तैयारी की लेकिन सरकारी वाहन के समय पर ना मिलने की वजह से वह और भी अधिक देरी से कटंगी पहुंच पाई. वह बताती है कि जिला अस्पताल में कहीं आने-जाने के लिए वाहन बढ़ी मुश्किल से वाहन मिल पाता है. उनके इन दोनों ही दावों में कितनी सच्चाई है इसकी भी जांच की गई. जिसमें उनका पहला दावा सच साबित हुआ. बीई जानकारी हरिनखेड़े ने सर्जन से संपर्क कर शिविर की तारिख नहीं ली थी बल्कि सर्जन के

सहायक को जानकारी दी थी और सहायक ने भी सर्जन से इस शिविर के संबंध में कोई चर्चा नहीं की. बुधवार को जब बीई ने फिर सहायक को शिविर की जानकारी दी तब सर्जन को शिविर की जानकारी मिली. जबकि दूसरे दावे के लिए जब मुख्य जिला एवं स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया. स्वास्थ्य विभाग की इन गंभीर खामियों की वजह से अस्पताल पहुंची महिलाओं और परिजनों सहित छोटे बच्चों को परेशान होना पड़ा. अस्पताल में कोई अपनी बहु, कोई बेटी और कोई अपनी पत्नी को बच्चे के साथ लेकर पहुंचा था. आशा कार्यकर्ता महिलाओं को सुबह 10 बजे अस्पताल लेकर आ गई थी. परंतु शाम साढ़े 06 बजे तक अस्पताल में सर्जन नहीं आने से सभी परेशान हो गए थे. महिलाओं ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से सुबह 9 बजे तक आशा कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचने के निर्देश दिए गए थे. ऐसे में दूर-दराज की ग्रामीण महिलाएं भूखे-प्यासे अपने छोटे-छोटे बच्चों, परिजनों के साथ कटंगी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची थी लेकिन ठीक समय पर आने के बाद भी सभी महिलाएं सर्जन के आने का इंतजार करती रही।

गौरतलब हो कि जिस वक्त महिलाएं अस्पताल में सर्जन के समय पर नहीं आने की वजह से परेशान हो रही थी. उस वक्त सरकारी अस्पताल मैदान में संसद खेल महोत्सव की विधानसभा स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता चल रही थी. इस प्रतियोगिता में सांसद भारती पारधी और क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने भी शिरकत की थी. यह दोनों सक्षम जनप्रतिनिधि सत्ताधारी दल से ताल्लुक रखते है. क्षेत्र और जिले की जनता ने इन्हें अपनी बातें सरकार के समक्ष उठाने के लिए सदन में भेजा है. मगर, यह नेता इंवेटबाजी में मशगुल है. 02 लाख रुपए से लेकर 15 लाख रुपए तक के छोटे-छोटे कार्यक्रमों में शामिल हो रहे है और इन कार्यक्रमों की तारीख भी अपने हिसाब से तय करवाते हैं जबकि कभी इन नेताओं को अपने क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों, सरकारी स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को निरीक्षण करते हुए नहीं देखा जाता. जहां आम जनता हर दिन सरकारी अधिकारियों की प्रताड़ना से जूझती है।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के जिलाध्यक्ष एस.एल.रंगारे का दुःखद निधन

फोटो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट शिलावान, निष्ठावान जिलाध्यक्ष एस.एल.रंगारे का आज सुबह 9 बजे अचानक अचानक हृदय गति रुक जाने से दुःखद निधन हो गया।दिवंगत रंगारे अपने पीछे पत्नी निर्मला रंगारे, 2 पुत्र आदर्श रंगारे,छोटा पुत्र विकल्प रंगारे,1बेटी दीक्षा नरांझे सहित भरा पूरा परिवार छोड़ कर चल बसे। जिनका अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम में सम्पन्न होगा,दिवंगत रंगारे के अकस्मात निधन से परिवार के साथ साथ धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट एवं मप्र राज्य शाखा को अपूरणीय क्षति हुई है।तथागत से प्रार्थना करते हैं कि परिवार को इस दुखद घड़ी में साहस मिले। सोसाइटी पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिवंगत रंगारे की पूर्ति किया जाना संभव नही, उन्होंने अपने कार्यकाल में धम्म संस्था के माध्यम से कई सारे अविस्मरणीय कार्य किए,जिले में बहुत सारे प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन किया।उन्होंने संस्था के शिविर में श्रामनेर प्रशिक्षण लिया, आनेवाले दिनों में चैत्यभूमि मुंबई में केंद्रीय शिक्षक परीक्षा में शामिल होने वाले थे,उनके असामयिक निधन से परिवार एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों में शोक की लहर व्याप्त है। दिवंगत रंगारे के निधन पर केंद्रीय शाखा मुंबई से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. एड.जगदीश गवई,मप्र प्रभारी बी एच गायकवाड गुरुजी,डॉ.चरनदास ढेंगरे प्रदेश अध्यक्ष मप्र, जिला शाखा एवं जिले की सभी तहसील, नगर, सर्कल, ग्राम, वार्ड एवं सभी शाखाओ की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि प्रेषित की गई है।

डाईट के सेवानिवृत्त प्राचार्य ने रेडक्रास में दी 01 लाख 01 हजार 01 रुपये की राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट के सेवानिवृत्त प्राचार्य नरोत्तम दास शर्मा ने जिला रेडक्रास सोसायटी में 01 लाख 01 हजार 01 रुपये की राशि का दान किया है। उन्होंने कलेक्टर मृणाल मीना को इस राशि का चेक सौंपा। कलेक्टर श्री मीना ने सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री शर्मा को इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि उनके इस प्रयास से अन्य लोगों को भी रेडक्रास सोसायटी में दान करने की प्रेरणा मिलेगी। सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री शर्मा द्वारा हर वर्ष रेडक्रास सोसायटी को जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए राशि दान की जाती है। पीड़ित मानवता की सेवा के लिए उनका यह कार्य सभी के लिए अनुकरणीय है।

पद्मेश न्यूज। इन्वेस्टीगेशन डेस्क। बालाघाट।

कस्बा-ए-कहानी बालाघाट

वर्ष 1881 का राजस्व रिकार्ड में मौजूद तथ्यों के अनुसार ऐतिहासिक मोती तालाब 52 एकड़ में फैला हुआ था.जो कायदी गाँव के एक मालगुजार रामा बापू की मिल्कीयत थी। तबके आबादी के आंकड़े चकित करते हैं. तब बुड़ा गाँव की आबादी 4,453और बूड़ी गाँव की कुल आबादी 685 इस प्रकार महज 5,138 लोगों के जीवन और निस्तार के लिए इस बड़े आकार के तालाब का निर्माण करवाया गया था.तब यह अपनी प्राकृतिक विस्तार में 52 एकड़ में फैला था. यह तालाब उद्यान के साथ साथ कटंग बांस (बांसों की एक प्रजाति) और कई प्रकार के बेश कीमती वृक्षों से घिरा हुआ सतपुड़ा का सचमुच मनोरम स्थल हुआ करता था.अब यह तालाब उपेक्षा का शिकार है. यह तालाब महज कागजी खानापूर्ति का हथियार बन कर रह गया है. इसकी गहराई भी प्रभावित हुई है और अंधाधुंध शहरी बसाहट ने इसकी संरचना को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है।

..तब शहर की प्राणवायु का जरूरी हिस्सा हुआ करता था ऐतिहासिक मोती तालाब!

इस तालाब का निर्माण 1880-1883 के बीच तत्कालीन अंग्रेज डिप्टी कमिश्नर कर्नल ए. ब्लूम फील्ड (कार्यकाल 19 अगस्त 1880 - 2 दिसंबर 1883) ने करवाया था

ऐतिहासिक सन्दर्भ के रिकार्ड अनुसार इस तालाब से सम्बंधित जो तथ्य दर्ज है वह इस प्रकार है - स्टेशन से सड़क पर आगे बढ़ने पर, दाईं ओर देवी तालाब और उसका मंदिर दिखाई देता है; इसके चारों ओर उत्तर में मरारी मोहल्ला और पश्चिम व दक्षिण-पश्चिम में कुम्हार और घसिया मोहल्ले हैं। साप्ताहिक बाजार पहले इसी तालाब के पास लगता था, लेकिन अब गंज में लगता है। सड़क के साथ पश्चिम की ओर आगे गुजरी चौक है, जो दुकानों से घिरा हुआ है; इसके उत्तर में मिडिल स्कूल, थाना और मस्जिद हैं। कस्बे के ज़्यादा प्रतिष्ठित इलाके इसी चौक के आसपास और इसके पश्चिम में हैं। कस्बे के बाहरी इलाके में पश्चिम में मॉरिस लाइब्रेरी और टाउन हॉल, डाकघर, पौंड, पशु औषधालय और सिविल औषधालय हैं और थोड़ा आगे पश्चिम में जेल, सरकारी कार्यालय और तहसील हैं। बालाघाट मिशन द्वारा यहाँ एक चर्च भी बनवाया गया है। और उसके पास ही सिविल स्टेशन के दक्षिण में मोती तालाब है, जिसके बिल्कुल पास सरकारी बगीचा ड्डुड्डु1

हुआ है। मोती तालाब का निर्माण कर्नल ब्लूमफील्ड ने करवाया था, और इसके किनारों पर लगे पेड़ों और कटंग बाँसों का झुरमुट और दूर से ऊँची सतपुड़ा पहाड़ियों के दृश्य के साथ, यह सब मुख्यालय की सबसे मनोरम दृश्यावली उत्पन्न करते हैं. लांजी कमा विशदार का एक शाखा कार्यालय कुछ समय के लिए बुड़ा गाँव में स्थित था; जिसे जिले की स्थापना के समय मुख्यालय के रूप में चुना गया था। धीरे-धीरे इसका नाम बदलकर जिला मुख्यालय का नाम बालाघाट रख दिया गया और 1895 में आधि कारिक तौर पर इस नाम को मान्यता दे दी गई।

उधर, संगमरमर के शिलालेख पर उत्कीर्ण 132 साल पुरानी इबारत यह घाट रामाबापू कायदी वाले ने बनाया 1881लिखा हुआ मिला है।

बहुत अरसे तक ऐतिहासिक मोतीतालाब परिसर में प्राचीन घाट के निकट 145 बरस पुराना संगमरमर के पर उत्कीर्ण शिलालेख मिला था जिसपर साफ-साफ खुदा हुआ है- यह घाट रामाबापू कायदी वाले ने बनाया-1881। इस तरह कृतज्ञता को तरस रहा मोतीतालाब का मुक्ममल पहचान सतह पर आ ही गया। दिलचस्प तो यह भी है कि कायदी मालगुजारी के मालगुजार रामाबापू के वंशजों के पास आज भी वो जमीन का मुख्तारनामा उपलब्ध है जिसपर दर्ज भी है कि 52 एकड़ में मोती तालाब रामाबापू की मिल्कियत थी जिसे उन्होने सरकार को दान दे दिया !!

मोती तालाब के किनारे स्थित उद्यान के करीब बने घाट के समीप

अब उस ऐतिहासिक और 144 साल पुरानी संगमरमर का शिलालेख को तोड़कर किनारे उपेक्षित छोड़ दिया गया है। आज भी वह भारी-भरकम शिलालेख उस दौर के दानदाता भामाशाह रामा बापू के नीयत की गवाही देता दिख रहा है जहां पर 52 एकड़ से ज्यादा रकबा में फैले तालाब का वजूद शहर के बाशिंदों के लिये उनके तीज-त्यौहार,वृत-उपवासों और प्रतिमा विसर्जन के अलावा शहर में जलस्तर को बढ़ाने तथा शहर के लिये प्राण वायु का निर्माण सहित सबसे बेहतर और पवित्र जगह रही है।

शहर के वृद्धजन बताते हैं कि कायदी गांव निवासी पूर्वज नोना बापू के पुत्र लाखनबापू के पुत्र रामाबापू का अंग्रेजों के दौर में 1882 में निधन हो गया। रामाबापू की पत्नी सुगाबाई ने अपने दत्तक पूत्र चैतराम बापू के देखरेख में मोती तालाब में उक्त घाट बनवाया था। 1882 में उनकी मृत्यु से एक बरस पूर्व ही खुद रामाबापू ने मोती तालाब में एक मजबूत द्वार के ठीक ऊपर इस शिलालेख को संगमरमर पर उत्कीर्ण कराकर स्थापित करवाया था। लगभग सौ बरस तक यह नाम पट्टीका इस ऐतिहासिक तालाब और उसके दानदाता की याद दिलाती रही किन्तु बाद में तत्कालीन नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा उक्त प्रवेशद्वार और पट्टिका को तोड़कर किनारे फेंक दिया गया था । तब से यह शिलालेख अब तक उपेक्षित है।

गायब हो गया है ऐतिहासिक शिलालेख !!

मोती तालाब में घाट के निकट रखे हुए नाम पट्टी का अब कहां है किसी को नहीं पता। इस तरह अतिक्रमण के अलावा इस तालाब का वास्तविक पहचान भी हमेशा संकट में रही है यह इस घटना से साफ साफ दिखता है।

उधर, कायदी निवासी प्रताप सिंह नगपुरे (कायदी निवासी रामा बापू के वंशज)ने शंका की जाहिर की है कि इस तालाब का अस्तित्व लगातार खतरे में है और अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा 52 एकड़ में फैले तालाब को संकरा कर दिया गया है. बहुत सी जमीने बेजा कब्जा में चला गया है.यह कृत्य उसके दानदाता के भावनाओं का भी अतिक्रमण है.प्रशासन को चाहिए कि वह वास्तविक जमीन का सीमांकन करके तालाब का अस्तित्व बचाये रखे।

रामाबापू के वंशज नगपूरे ने बताया कि मोतीतालाब हमारे पूर्वज परदादा श्री रामाबापू कायदी वाले द्वारा बालाघाटवासियों के सुख सुविधा के लिये 1882 में दिया गया था । यह भी उल्लेखनीय है कि हमारे पूर्वजों द्वारा पानी के नीचे (तालाब) 52 एकड़ जमीन रामाबापू द्वारा दान की गई है। यह जानकारी आज भी हमारे पास मौजूद है। राजस्व रिकार्ड में मौजूद है। जो हमारे पास है। हम चाहते हैं कि तालाब को रामाबापू के नाम से जाना जाये। ना कि किसी अन्य नाम से ना जाना जाये। सब जगह तालाब है और इसी तरह सब जगह उन्हें बनाने वाले लोग भी रहे हैं। इन राष्ट्र निर्माताओं को आज के समाज के पढ़े लिखे लोग और जो लिखते-पढ़ते हैं, वे लोग कैसे भूल बैठे, यह बात आसानी से समझ में नहीं आती।

तालाब निर्माण में इन अनाम बना दिए गए लोगों के योगदान और समर्पण को, फिर से समझाने में आज के नाम वाला पढ़ा-लिखा वर्ग कोई कहने लायक मदद नहीं दे पाता।हर काल में इसकी पुनरावृति होती गयी है।

(पेज 02 भी देखे...)

वैनगंगा रेलवे पुल पर मालगाड़ी से कटा युवक, मौत

स्कूटी से आया था युवक ,आत्महत्या की जताई जा रही आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीती रात नगर के वैनगंगा नदी रेलवे ब्रिज में एक बड़ा हादसा हो गया। जहां मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।हालांकि यहा हादसा कैसे हुआ फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।लेकिन युवक के स्कूटी से घटनास्थल पर पहुंचकर पटरी में लेट कर आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।जहां मालगाड़ी ड्राइवर से मामले की जानकारी मिलने पर, स्टेशन मास्टर वारासिवनी ने रात करीब 11 हुई इस घटना की सूचना बालाघाट स्टेशन प्रबंधक व आरपीएफ चौकी बालाघाट को दी। लेकिन कार्यक्षेत्र रेलवे का नहीं होने के चलते आरपीएफ चौकी द्वारा कोतवाली पुलिस को मामले से अवगत कराया गया।जिसके उपरांत कोतवाली पुलिस ने अज्ञात युवक के शव को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर शव को जिला अस्पताल पहुचाया।जिसके अगले दिन गुरुवार की सुबह विवेचना के दौरान युवक की पहचान कोसमी वार्ड नं.15 निवासी 22 वर्षीय निखिलेश पिता दिनेश मेश्राम के रूप में की गई है।

पटरी में युवक का दो टुकड़ो में बटा था शव

उधर मामले की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस ने वैनगंगा नदी रेलवे पुल की पटरी से युवक का क्षत विक्षत शव बरामद किया है।बताया जा रहा है कि युवक निखिलेश ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़ा था। जो अपने चाचा भाजपा नेता प्रवीण मेश्राम के ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को संभालता था। जिसकी मौत से पूरा परिवार और उसके दोस्त, स्तब्ध है। हालांकि युवक निखिलेश ने यह कदम क्यो उठाया, यह अभी साफ नहीं है।फिलहाल कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर परिजनों के बयान दर्ज किए है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने बताया कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि युवक की मौत की वजह क्या है।

घटनास्थल पर मिली स्कूटी से हुई युवक की शिनाख्त

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात्रि करीब 11 बजे एक मालगाड़ी वैनगंगा नदी पर बने रेलवे पुल ट्रैक से होकर वारासिवनी की तरफ जा रही थी।बताया गया कि जैसे ही यह मालगाड़ी वैनगंगा रेलवे ब्रिज पर पहुंची वैसे ही युवक स्कूटी क्रमांक सीजी 08 ए.के. 3978 से आया और स्कूटी को खड़े करके रेलवे ट्रैक पर जाकर लेट गया। जहां तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जहां देर रात मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर अज्ञात शव को बरामद किया है, तो वही घटनास्थल पर मिली स्कूटी को जप्त कर कोतवाली थाना लाया गया है। जहा स्कूटी न. से युवक की पहचान कोसमी निवासी निखिलेश के रूप में हुई। उनके परिजनों का पता लगाकर ,उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वही परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही मामले की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

हादसा कैसे हुआ इसकी जानकारी नही है- प्रवीण मेश्राम

मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान ट्रांसपोर्ट व्यवसायी प्रवीण मेश्राम ने बताया कि निखिलेश मेश्राम उनका भतीजा है। निखिलेश, उनका कारोबार देखता था। बुधवार की रात तकरीबन सा? 8 बजे घर खाना खाने गया था।जहा खाना खाने के बाद वहां मां से यह कहकर निकला था कि वह कुछ काम से ट्रांसपोर्ट जा रहा है। जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चल पाया था। आज सुबह हमें इसकी सूचना मिली। युवक निखिलेश ने आत्महत्या की है या और कोई वजह है, यह अभी साफ नहीं है।

मामले की जांच कोतवाली पुलिस कर रही है- पांडेय

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान आरपीएफ चौकी बालाघाट सब इंस्पेक्टर राहुल पांडेय ने बताया कि रात्रि करीब 11बजे वारासिवनी की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की वैनगंगा नदी, रेलवे पुल ट्रैक पर मौत हो चुकी है। मालगाड़ी के ड्राइवर ने वारासिवनी स्टेशन मास्टर को सूचना दी की एक युवक आया और अचानक से पटरी पर आकर लेट गया जहां मालगाड़ी से कटने से उसकी मौत हो गई है।चुकी जहां ये घटना हुई है,वह घटना स्थल हमारे कार्यक्षेत्र में से बाहर है इसीलिए इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से स्कूटी सवार युवक घायल

मलाजखंड थाने के ग्राम पौनी की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मलाजखंड थाने के ग्राम पौनी मोहगांव रोड पर मोटरसाइकिल स्कूटी से टकरा गई। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार एक युवक घायल हो गया। घायल युवक महेंद्र पिता रजोसिंह धुर्वे 21 वर्ष केन्डा टोला थाना बिरसा निवासी है। 15 अक्टूबर की रात 8:00 बजे करीब यह दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने चचेरे भाई के साथ स्कूटी में अपने घर जा रहा था। घायल इस युवक का इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है।15 अक्टूबर को महेंद्र धुर्वे अपने चचेरे भाई सोहनलाल धुर्वे के साथ स्कूटी में किसी काम से बैहर आए थे। बैहर में काम निपटाना के बाद रात्रि 8:00 बजे महेंद्र धुर्वे अपने चचेरे भाई सोमलाल के साथ स्कूटी में बैहर से अपने गांव केन्डाटोला बिरसा जाने निकले थे। तभी बिरसा रोड पर स्थित ग्राम पोनी मलाजखंड में मोटरसाइकिल ने स्कूटी को ठोस मार दी ।इस दुर्घटना में महेंद्र धुर्वे घायल हो गया वहीं उसके चचेरे भाई सोमलाल धुर्वे को मामूली चोटे आई। बताया गया है कि इस दुर्घटना के बाद मोटरसाइकिल सवार युवक के परिवार के लोग आ गए थे। जिन्होंने घायल महेंद्र धुर्वे और उसके चचेरे भाई सोमलाल धुर्वे को जबरदस्ती कार में बैठाकर बालाघाट के निजी अस्पताल में लाकर छोड़कर चले गए।इसके बाद महेंद्र धुर्वे ने फोन लगाकर अपने दोस्त को बुलाया और जिसने महेंद्र धुर्वे और सोमलाल को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाया। जिला अस्पताल में घायल युवक महेंद्र धुर्वे का इलाज किया गया। स्कूटी को ठोस करने वाले युवक की मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 एम एस 3759 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने महेंद्र धुर्वे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना मलाजखंड भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शाडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट